मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.6	21.4
जमशेदपुर	33.2	20.1
डालटनगंज	32.4	18.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

देशभर में मनाया गया करवाचौथ

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार, 02 नवंबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 05, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 196

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- इजराइल ने गाजा शरणार्थी शिविर पर हमला किया : हमास
- विदेश मंत्री ने पुर्तगाल के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की
- चीन ने ताइवान की सीमा के पास विमान और 7 पोत भेजे
- इस महीने सैन फ्रांसिस्को में जिनपिंग से मिलेंगे जो बाइडन

नेशनल
- राजनाथ ने मणिपुर के मेइती-कुकी से कहा : दिल से संवाद करें
- लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने दक्षिण पश्चिमी कमान का प्रभार संभाला
- भगवंत मान की 'खुली बहस' में नहीं आये विपक्षी दलों के नेता
- वापस आ चुके हैं 2000 के 97% नोट : आरबीआई

स्टेट
- झामुमो इस बार कम से कम छह सीटों पर लड़ेगा चुनाव
- विभावि अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव 4 दिसंबर से
- झारखंड में हर महीने हो रही 150 लोगों की हत्या
- एक्सएलआरआई में कार्यक्रम कल से, अमित त्रिवेदी देंगे प्रस्तुति

स्पोर्ट्स
- पोल वॉल्टर मीणा विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई
- कोलिंस शब्दकोश में जगह मिली 'बाजबॉल' को
- वनडे में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बने शाहीन अफरीदी
- असम को 'दूसरे दर्जे' कहने पर अशोक मल्होत्रा ने माफी मांगी

> धनबाद में बाजार-दुकानें बंद रहीं, व्यवसायी सड़क पर उतरे

100 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित

> जुलूस निकाला, पुलिस प्रशासन के खिलाफ गुस्से का इजहार किया

व्यवसायी माने, बंद वापस

शुभम संदेश टीम। धनबाद

बढ़ते अपराध के विरोध में जिले के 55 चैंबर ऑफ कामर्स के आह्वान पर धनबाद के व्यवसायी बेमियादी हड़ताल पर चले गए. मोटर पार्ट्स कारोबारी दीपक अग्रवाल को रंगदारी के लिए गोली मार कर घायल करने के विरोध में बुधवार से व्यवसायियों ने बाजार और दुकानें अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा कर दी. व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं. सड़क पर उतर कर पुलिस प्रशासन का विरोध किया. पुलिस के खिलाफ रैली निकाली, जुलूस निकाला, पोस्टबाजी की. लेकिन देर शाम जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के साथ व्यापारी संगठनों की हुई बैठक के बाद बेमियादी धनबाद बंद का वापस ले लिया गया. समाहरणालय के सभागार में लगभग तीन घंटे तक चली बैठक में व्यापारियों ने अपनी पीड़ा बयां की. उपायुक्त वरुण रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने आश्वस्त किया कि अपराधी किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे. जिले में अमन -चैन बरकरार रहेगा. उपायुक्त ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि आगे से उनकी सुरक्षा की जिम्मेवारी पुलिस प्रशासन पर होगी. हर माह व्यापारी संगठनों के साथ बैठक की जाएगी. हर क्षेत्र में चाक चौबंद पेट्रोलिंग की व्यवस्था होगी. इसके अलावा वृहद पैमाने पर सुरक्षा मुहैया करायी जाएगी.

एफजेसीसीआई : एफजेसीसीआई (फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज) के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने पदाधिकारियों की टीम के साथ डीजीपी अजय कुमार सिंह से मुलाकात की. धनबाद में आपराधिक घटनाओं में वृद्धि के विरोध में डीजीपी को ज्ञापन सौंपा और एसआईटी का गठन कर अपराधियों का सफाया करने के साथ ही व्यवसायियों को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग रखी.

अभूतपूर्व बंदी रही, रैली-जुलूस निकाल कर विरोध जताया

बैंक मोड़, पुराना बाजार, सरायढेला, हीरापुर पार्क मार्केट चैंबर, एलसी रोड चैंबर, बरटांड चैंबर, बरवाअड्डा चैंबर, झरिया चैंबर समेत जिले के सभी चैंबर के आह्वान पर बाजार बंद रहे. दुकानें बंद रहीं. बाजार समिति ने भी दुकानें बंद रखीं. पहले दिन पूरे धनबाद में अभूतपूर्व बंदी रही. अलग-अलग इलाके के व्यवसायियों ने चैंबर के बैनर तले जुलूस निकाला, बाइक रैली निकाली और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की. व्यवसायियों ने पूरे जिले में पोस्टर साट कर पुलिस प्रशासन का विरोध किया. व्यवसायियों के आंदोलन का विभिन्न व्यावसायिक, सामाजिक, राजनीतिक संगठनों ने समर्थन किया है.

- **प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी सेवा बंद, मरीजों का इलाज नहीं हुआ :** इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के आह्वान पर प्राइवेट अस्पतालों व नर्सिंग होम की ओपीडी सेवा बंद रही, जिससे मरीजों का इलाज नहीं हुआ.

पुलिस ने छापेमारी कर 7 अपराधियों को धर दबोचा

एक तरफ व्यवसायी बुधवार से अनिश्चितकालीन बंदी की तैयारी में थे, तो दूसरी तरफ पुलिस मंगलवार की रात से ही ताबड़तोड़ छापेमारी कर अपराधियों की गिरफ्तारी में जुटी रही. नतीजा हुआ कि 7 अपराधियों की गिरफ्तारी भी हुई, लेकिन व्यवसायी संघ इससे संतुष्ट नहीं है. धनबाद जिला चैंबर के महासचिव अजय नारायण लाल ने कहा कि अब गिरफ्तारी से बात नहीं बनेगी. पुलिस प्रशासन हर व्यवसायी को सुरक्षा की गारंटी दे.

100 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित

- धनबाद जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव अजय नारायण लाल ने कहा कि बंदी से 100 करोड़ से अधिक का व्यापार प्रभावित हुआ है.
- **धनबाद जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका का दावा- सर्राफा बाजार में पहले ही दिन करीब 15 करोड़ का कारोबार प्रभावित .**
- धनबाद के सबसे व्यस्त रहनेवाले पुराना बाजार व दुकानें बंद रहने के कारण 12 से 15 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है.
- **केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने आंदोलन का समर्थन किया, नतीजतन जिले की सभी 1600 दवा दुकानें बंद रहीं.**
- अस्पतालों के मेडिकल स्टोर खुले रहे, जिससे न केवल इनडोर मरीजों बल्कि बाहर से दवा लेने आए लोगों को भी राहत मिली.
- **पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि अगर व्यापारियों की मांग नहीं मानी गई तो पेट्रोल पंप भी बंद कर दिए जाएंगे.**

बंद...धनबाद कोयलांचल में कहां क्या

- सिंदरी में बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा. दुकानें बंद रहीं. सिंदरी चैंबर ने रैली निकाल दुकानें बंद कराईं.
- **गोमो में बंद का मिला-जुला असर रहा. पुराना बाजार, रेलवे मार्केट, लोको बाजार, आज़ाद नगर में कहीं दुकानें बंद, तो कहीं खुली रहीं.**
- कतरास और बाघमारा में बंद का व्यापक असर रहा, व्यवसायियों ने बाइक जुलूस निकाल कर पुलिस प्रशासन का विरोध किया.
- **निरसा में चैंबर ऑफ कॉमर्स के बैनर तले क्षेत्र के व्यवसायियों ने जुलूस निकाला और पुलिस प्रशासन के विरोध में घूम-घूम कर जोरदार नारेबाजी की.**

फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन ने सीएम को लिखा पत्र

धनबाद जिले के मोटर पार्ट्स कारोबारी दीपक अग्रवाल पर रंगदारी के लिए फायरिंग कर घायल करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करने के साथ ही उन्हें व उनके परिवार को समुचित सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. संघ ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि इस घटना से व्यवसायी डरे-सहमे हैं और अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है. संघ ने सीएम से अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की है.

भारतीय नौसेना का पराक्रम

ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण

भारतीय नौसेना ने एक फिर अपना पराक्रम दिखाया है. बुधवार को बंगाल की खाड़ी में ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया. खास बात यह है कि ब्रह्मोस भारत की सबसे खतरनाक मिसाइल है. यह मिसाइल 200 किलोग्राम वजन के परमाणु बम ले जाने में सक्षम हो गई है. इसकी रेंज में चीन और पाकिस्तान का पूरा क्षेत्र आ चुका है. गर्व करने वाली बात यह है कि ब्रह्मोस की जमीन से जमीन पर मार करने वाले वर्जन की मारक क्षमता अब 450 किलोमीटर तक हो गई है.

200 किलोग्राम वजन के परमाणु बम ले जाने में सक्षम हो गई है यह मिसाइल

चंदा दानदाताओं के हित में है गोपनीयता

नई दिल्ली। इलेक्टोरल बॉन्ड पर बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई हई. कोर्ट में केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका का बचाव किया. उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड से राजनीतिक चंदे की प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है. गोपनीयता दानदाताओं के हित में है. मेहता ने कहा कि दलों को चंदा देने वाले भी गोपनीयता चाहते हैं ताकि दूसरी पार्टी उनसे नाराज न हों. सत्ताधारी दल को ज्यादा पैसे मिलना कोई नई बात नहीं क्योंकि 2004 से 14 के बीच भी यही हुआ था. सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी. एडीआर का पक्ष रख रहे प्रशांत भूषण ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड लोकतंत्र के लिए सही नहीं है. चुनावी बांड से सभी राजनीतिक दलों को 2021-22 तक कुल 9,188 करोड़ रुपए का चंदा मिला. इसमें बीजेपी हिस्से में 57 प्रतिशत से अधिक चंदा आया, जबकि कांग्रेस को केवल 10 प्रतिशत मिला है.

बीएड नहीं बन पाएंगे बिहार में प्राइमरी स्कूल के शिक्षक

पटना। बिहार के बीएड पास 3.90 लाख अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है. कोर्ट में दायर शिक्षक भर्ती परीक्षा में क्लास 1-5 में शामिल करने की मांग और शिक्षक नियुक्ति के नतीजे को चैलेंज करने वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई. जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने कहा कि 11 अगस्त के बाद से प्राइमरी में बीएड अभ्यर्थी शिक्षक नहीं बन पाएंगे. राज्य सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि डीएलएड के अभ्यर्थियों से सीटें भर ली गई है. इसलिए अब बीएड पास की जरूरत नहीं है. इसके बाद कोर्ट ने कहा कि प्राइमरी में बीएड पास शिक्षक नहीं बन पाएंगे. इससे पूर्व 13 अक्टूबर को जस्टिस एएस बोपन्ना और एम सुंदरेश की बेंच में बीएड पास अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई हुई थी. अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण और निशा तिवारी ने कोर्ट में छत्तीसगढ़ शिक्षक बहाली को लेकर कोर्ट की जजमेंट की कॉपी पेश की थी.

पलामू टाइगर रिजर्व में पुनर्वास योजना में पेंच, असमंजस में विस्थापित

विभाग और ग्रामीणों के दावे अलग-अलग

प्रवीण कुमार। रांची

पलामू टाइगर रिजर्व की स्थापना 1973 बाघों समेत अन्य लुप्तप्राय वन्यजीव को बचाने के लिए किया गया था. वन विभाग का दावा है कि यह देश की पहली वन्यजीव परियोजना है, जिसकी जद में आने वाले गांवों को दूसरे स्थान पर पुनर्वासित करने का काम शुरू हुआ है. लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग ने पुनर्वासन की प्रकिया नियमों को ताक पर रख कर शुरू की है. कोर एरिया के दो गांव लाटू एवं कुज़रोम को पुनर्वास योजना में वन विभाग एवं प्रशासन आदिवासियों को विस्थापित करना चाहता है, पर उनका समुचित पुनर्वास नहीं किए जाने का मामला भी सामने आया है. जिसका विरोध शुरू हो गया है. परियोजना के लिए दो गांवों से 210 परिवारों को हटा कर दूसरी जगह पुनर्वासित किया जाना है.

राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकार के निर्देश के अनुसार लाटू और कुज़रोम में रह रहे लोगों को गांव खाली करने के लिए दो विकल्प दिए गए हैं. पहला लोग 10 लाख का मुआवजा लेकर अपने घरों से विस्थापित हो जाएं और अपने पुनर्वासन की ज़िम्मेदारी वे ख़ुद उठाएं. वहीं राज्य सरकार ने भी इसे आकर्षक बनाने के लिए इसमें 5 लाख की अतिरिक्त राशि जोड़ दी है. कुल मिला कर विस्थापित परिवारों को 15 लाख की राशि मिलेगी.

दूसरा विकल्प यह है कि, 10 लाख की राशि लोगों को न देकर, वन विभाग उनके पुनर्वास का कार्य करेगा. इसके तहत, विभाग लोगों को 5 एकड़ ज़मीन, खतियानी दिलाएगा, मकान बनवाएगा और अन्य सुविधाएं सड़क, शौचालय, मोबाइल, बिजली उपलब्ध कराएगा.

कुजरूम के 120 परिवारों में से 70 ने दूसरे विकल्प को चुना है, वहीं लाटू के 90 में से 57 परिवारों ने भी दूसरे विकल्प को चुना है.

-शेष पेज 10 पर

पलामू टाइगर रिजर्व में आनेवाले गांव, जो अब वीरान हो जाएंगे.

कुछ लोग ग्रामीणों को भड़का रहे है : कुमार आशुतोष

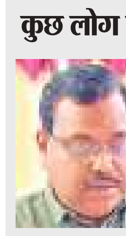

परियोजना के निदेशक कुमार आशुतोष कहते हैं कि लोग स्वेच्छा से गांव खाली कर रहे हैं. कुछ लोग उन्हें भ्रमित कर रहे हैं. सभी को 5 एकड़ जमीन देना संभव नहीं. यह गांव है वन क्षेत्र के बीहड़ में. ग्रामीणों को सरयू प्रखंड के दो किमी की परिधि में बसाया जा रहा. सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के हिसाब से ही ग्रामीणों को जमीन दी जाएगी.

किसने क्या कहा

- अर्थव्यवस्था के बाद पैरा ओलंपिक की पदक तालिका में भी पांचवें नंबर पर पहुंचा भारत
  -नरेंद्र मोदी
- कांग्रेस जहां भाजपा से मुकाबले में है, वहां ओवैसी ने भाजपा से पैसे लेकर उम्मीदवार खड़े किए हैं
  -राहुल गांधी

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,800
चांदी (किलो)	72,000

इंडिया के नेताओं को जेल भेजने की तैयारी!

ईडी ने शराब घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम को आज पूछताछ के लिए बुलाया

एजेंसियां। नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी की ओर से समन मिलने के बाद आम आदमी पार्टी लगातार बीजेपी पर हमलावर है. सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि बीजेपी केजरीवाल को जेल में डाल कर दिल्ली की 7 सीटें अपनी जेब में रखना चाहती है. उन्होंने कहा कि अब अगला नंबर झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का होगा. सोरेन के बाद बिहार में राजद के तेजस्वी यादव को अरेस्ट किया जाएगा.

राघव ने कहा कि ये सिलसिला यहीं नहीं थमेगा, क्योंकि इसके बाद बंगाल में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की गिरफ़्तारी होगी. फिर केरल में

आप का दावा: केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद अगला नंबर हेमंत सोरेन और तेजस्वी यादव का

- **बीजेपी अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल कर दिल्ली की 7 सीटें अपनी जेब में रखना चाहती है**

ममता बनर्जी ने भी मिलाया आप के साथ सुर

इस बीच, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी आप के सुर में सुर मिलाते हुए कहा है कि बीजेपी की योजना 2024 के चुनाव से पहले सभी विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने की है, वे खाली देश में अपने लिए वोट चाहते हैं. उन्होंने कहा कि अगर 16 नवंबर तक मनरेगा का बकाया नहीं चुकाया गया तो हम अपने अगले कदम की घोषणा करेंगे.

ईडी ने जब्त की नरेश गोयल की 538 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। ईडी ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल और उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही कंपनी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. जांच एजेंसी ने बुधवार को इस बारे में जानकारी दी. एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के तहत जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल, उनके परिवार के सदस्यों और कंपनी की 538 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है.

ब्रीफ खबर

एनसीपी ने हेमंत सरकार से समर्थन वापस लिया

रांची। हुसैनाबाद के एनसीपी विधायक कमलेश सिंह ने हेमंत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है. सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वे राज्यपाल को जल्द ही समर्थन वापसी का पत्र सौंप देंगे. सिंह ने कहा कि उन्होंने बड़ी उम्मीदों के साथ सरकार को समर्थन दिया था, लेकिन राज्य सरकार से उन्हें घोर निराशा मिली है. ये सरकार राज्य के सवा तीन करोड़ जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरी है और ना हुसैनाबाद की जनता को दिया आश्वासन ही पूरा कर सकी है. हुसैनाबाद को जिला बनाने की मांग शुरू से करते रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के बार- बार आश्वासन देने के बाद भी ये वादा पूरा नहीं हुआ.

वसूली शुरुआत अभी यूरोपीय देशों से हुई है, लेकिन भारत में जल्द इसके लागू होने की उम्मीद

फेसबुक और इंस्टा इस्तेमाल करने के लिए देने होंगे पैसे

प्रेम आनंद। रांची

ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया कंपनियों मे ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने की होड़ मची हुई है. ये कंपनियां अपने फैसले से यूजर को परेशानी में डालती जा रही हैं. मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम ने भी अब अपनी सर्विस का इस्तेमाल करने ले लिए पैसे वसूलने का फैसला किया है. मेटा की तरफ से फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए सब्क्रिप्शन चार्ज का ऐलान कर दिया गया है. फिलहाल यह चार्ज यूरोपीय देशों के लिए हैं, लेकिन बहुत जल्द इसे भारत समेत अन्य देशों में भी रोलआउट किया जा सकता है.

यूरोपीय यूनियन के दबाव में फैसला : ध्यान देने वाली बात यह है कि कंपनी ने यह फैसला यूरोपीय यूनियन के दबाव डालने के बाद लिया गया है. यूरोप में लगातार यूजर्स का डेटा कलेक्शन चर्चा में बना हुआ था. मेटा का नया सब्सक्रिप्शन मॉडल ऐड फ्री है. मेटा सब्क्रिप्शन चार्ज 18 साल और उससे ज्यादा आयु वर्ग के लिए है. बता दें मेटा का सब्सक्रिप्शन मॉडल पूरी तरह से ऐड फ्री है. मतलब अगर आप सब्सक्रिप्शन ले लेते हैं, तो आपको ऐड नहीं दिखेंगे.

कितना होगा चार्ज

मेटा ओन्ड सब्सक्रिप्शन चार्ज 1 नवंबर 2023 से लागू हो गया है. मेटा की वेब सर्विस के लिए प्रतिमाह 9.99 यूरो (करीब 880 रुपये) देना होगा. साथ ही आईओएस और एंड्रॉयड यूजर्स को 12.99 यूरो (करीब 1,100 रुपए) देना होगा, जो कि एक्स प्लेटफॉर्म के सब्क्रिप्शन कॉस्ट से काफी ज्यादा है.

लिंक अकाउंट के लिए देने होंगे ज्यादा पैसे

मेटा का ऐड फ्री सब्सक्रिप्शन सिर्फ 18 साल या उससे अधिक आयु वाले लोगों के लिए होगा. यह सब्सक्रिप्शन यूरोपिय यूनियन, यूरोपीय यूनियन एरिया और स्विट्जरलैंड के लोगों के लिए है. यह सभी फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट और लिंक अकाउंट पर भी लागू होगा. लिंक अकाउंट के लिए यूजर्स को एक्स्ट्रा चार्ज देने होंगे. वेब के लिए 530 रुपए एक्स्ट्रा और ऐप के लिए करीब 700 रुपए एक्स्ट्रा देने होंगे. ध्यान दें कि ये रकम यूरो से इंडियन करेंसी में कंवर्ट करके बताई है.

आरोप: डीएमएफटी फंड में करोड़ों रुपए का घोटाला!

संवाददाता। किरीबुरु

लगाया आरोप
- पूर्व विधायक बोबोंगा हाईकोर्ट में दायर करेंगे जनहित याचिका
- जिला प्रशासन के संरक्षंण में एजेंसी ने दिया घोटाले को अंजाम

पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक बार फिर डीएमएफटी फंड में घोटाले की गूंज सुनाई दे रही है. फंड से स्वीकृत 100 करोड़ से अधिक की योजना का टेंडर ऑफ लाइन कर मैनेज टेंडर कर दिया गया है. जिला प्रशासन के संरक्षण में एजेंसी विशेष प्रमंडल, ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम में टेंडर मैनेज घोटाले को अंजाम दिया गया है. उपायुक्त खामोश हैं. डीडीसी अपनी पुरानी कार्यशैली से माननीयों को आगे कर खेल को अंजाम दिये हैं. यह आरोप पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने लगाया है.

बोबोंगा ने कहा कि प्रशासन के अफसर ऑफ लाइन टेंडर का दबाव कार्यपालक अभियंता को दे रहे हैं. एनआरईपी को कार्य क्षमता से अधिक योजना प्रशासन द्वारा दी गई है. इसमें सीएस के नाम पर कमीशन वसूली हो रही है. डीडीसी के सहायक के भरोसे 100 करोड़ से अधिक की योजनाओं की जिम्मेवारी सौंपी गई है. 16 अक्टूबर के बाद मैनेज टेंडर के सीएस यानी कार्य आवंटित किए जाने के नाम पर ठेकेदारों से 10 से 13 प्रतिशत कमीशन वसूली करने की चर्चा है. हार्ड कॉपी जमा लेने से टेंडर मैनेज का आरोप सिद्ध होता दिख रहा है.

-पेज 10 भी देखें

▼ ब्रीफ खबरें

डीएवी स्कूल के शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत

जोड़ापोखर। टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा के भौतिक शास्त्र के शिक्षक शंकर नाथ झा (56) की क्लास लेते वक्त बुधबार 12 बजे अचानक हार्ट अटैक होने से मौत हो गई. उनके मौत की खबर से स्कूल में शोक की लहर दौड़ गई. स्कूल के प्रिंसिपल ए के मिश्रा ने कहा कि शंकर नाथ झा सुबह क्लास 12 के बच्चों को फिजिक्स पढ़ा कर बाहर निकल रहे थे, तभी चक्कर खा कर गिर गए. सभी शिक्षकों ने आनन-फानन में उन्हें टाटा जामाडोबा अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया.

प्रतियोगिता में राजकमल को मिला प्रथम पुरस्कार

धनबाद। भारत विकास परिषद धनबाद मुख्य शाखा के तत्वावधान में आईआईटी आईएसएम धनबाद में आयोजित भारत को जानो प्रतियोगिता में राजकमल के दो बच्चों को गोल्ड मेडल मिला. रोशन रंजन एवं पुष्पहास मिश्रा ने कड़ी स्पर्धा के बीच सीनियर ग्रुप में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया. कार्यक्रम में धनबाद पब्लिक स्कूल, डीनॉवली स्कूल आदि विद्यालयों की टीम शामिल थीं. विद्यालय के प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा ने बताया कि यह पुरस्कार बच्चों की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है.

बाल अधिकार पर जागरूकता की पहल

हजारीबाग। जिला बाल संरक्षण इकाई समाज कल्याण विभाग की ओर से बाल विवाह उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सुरक्षित बचपन, खुशहाल जीवन अभियान शुरू हो गया. यह अभियान बाल दिवस 14 नवंबर तक चलेगा. इसमें सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन के हितधारकों को भी शामिल किया गया है. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीइओ उपेंद्र नारायण ने बताया कि पूरे अभियान के दौरान सघन रूप से सभी विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.

स्कॉलरशिप की राशि जल्द से सरकार :आजसू

रांची। आजसू छात्र संघ ने झारखंड के कल्याण सचिव राजीव अरुण एक्का के नाम मांग पत्र दिया है. मांग पत्र में कहा कि झारखंड के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले 50 प्रतिशत छात्र-छात्राओं को अब तक स्कॉलरशिप का पैसा नहीं मिला है.जिसे ले कर छात्र-छात्राएं चिंतित है. रांची विश्वविद्यालय, आजसू छात्र संघ अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा कि राज्य के जितने भी विश्वविद्यालय हैं, उनमें लगभग 80 से 90 प्रतिशत एसटी एससी ओबीसी छात्र-छात्राएं मिडिल क्ला, परीवार से है.

सड़क सुरक्षा पर स्कूली बच्चों को किया जागरूक

रांची। रांची जिला सड़क सुरक्षा विभाग और रिलेशनस इवेंट्स एंड पीआर के ने संयुक्त रुप से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया. यह अभियान कांके रोड स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल में चलाया गया. रांची के रोड सेफ्टी मैनेजर जमाल खान, रोड सेफ्टी इंजिनियर गौरव कुमार, सेंट्रल एकेडमी स्कूल के प्राचार्या एके रॉय, रिलेशनस इवेंट्स एंड पीआर के निदेशक आशुतोष द्विवेदी उपस्थित थे. उपस्थित लोगों ने सड़क सुरक्षा के नियमों से सभी को अवगत कराया.

नोटिस के बाद भी क्वार्टर खाली नहीं हुए

रांची। रांची विश्वविद्यालय के मोरहाबादी स्थित स्टाफ क्वार्टर को खाली करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीते 7 जुलाई को नोटिस चिपकाए था. नोटिस चिपकाने के लगभग 5 महीने बीत जाने के बाद भी विश्वविद्यालय इस पर कोई एक्शन नहीं लिया नाहीं किसी को खाली करवाया है. विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए स्टाफ क्वार्टर की संख्या 74 है जिसमें मात्र 24 ही नियमित कर्मचारी है. बाकी क्वार्टर में रिटायर्ड या अवैध कब्जा है.

डोरंडा कॉलेज में प्रतियोगिता का आयोजन

रांची। रांची डोरंडा कॉलेज बीएड विभाग ने वाद विवाद का आयोजन किया था. इस वाद विवाद का विषय प्राइवेट सेक्टर और गवर्नमेंट सेक्टर रहा. वाद विवाद में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 21 ने प्राइवेट सेक्टर के पक्ष में और 24 ने गवर्नमेंट सेक्टर के पक्ष में अपनी बातों को रखा. वाद विवाद में कॉलेज बीएड के छात्रों की अहम भूमिका रहीं. विभाग के लिटररी इवेंट्स के संयोजक डॉ. ओम प्रकाश ने कहा कि निष्कर्ष के रूप ने सभी ने स्वीकार किया कि हम सभी लोकतांत्रिक देश के नागरिक हैं.

एनसेंबल वलहल्ला कल से, 5 को अमित त्रिवेदी देंगे प्रस्तुति

संवाददाता। जमशेदपुर

बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों के वार्षिक कार्यक्रम एनसेंबल वलहल्ला के 24वें संस्करण की तैयारी अब लगभग अंतिम चरण में है. इस वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव का आयोजन 3 नवंबर को हो रहा है, जो 5 नवंबर को संपन्न होगा. इस तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम में देश भर के 45 से अधिक बी स्कूलों के छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे. वहीं इसमें 30 से अधिक स्पर्धाएं होंगी.

इस वर्ष एनसेंबल वलहल्ला का थीम अनंत काल की गूंज है. दो नवंबर (गुरुवार) को टाटा ऑडिटोरियम में इसका विधिवत उद्घाटन होगा. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ एवं संपर्क फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष विनीत नायर शामिल होंगे. श्री नायर एक्सएलआरआई यहां संस्थान के छात्र-छात्राओं संबोधित करेंगे. इस महोत्सव में 25 से अधिक प्रमुख कार्यक्रम शामिल होंगे, जिनमें द नेक्स्ट जेन लीडर, स्ट्राइक ऑर यील्ड,

एक्सएलआरआई

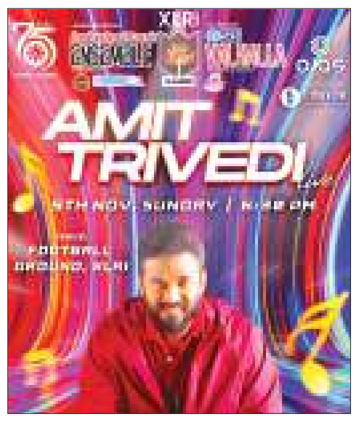

वॉर ऑफ विट्स आदि शामिल है. इस बार वल्लाह इंडसइंड बैंक के सहयोग, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से सह-प्रायोजित और सेंट्रल बैंक ऑफ की ओर से संचालित होगा. ये कार्यक्रम संस्कृति, खेल और प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक प्रदर्शन के लिए जाना जाता है, जिसमें प्रतियोगिताओं के साथ ही प्रतिभाओं की श्रृंखला देखने को मिलती है. प्रतिभागी इसमें रणनीति, मानव संसाधन, सामाजिक कारणों, परामर्श, रणनीति, कला और नृत्य आदि गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. वल्लाह ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों इवेंट विकल्पों की पेशकश करते हुए हजारों छात्रों को आकर्षित करेगा. इन रोमांचक प्रतियोगिताओं के अलावा महोत्सव में एक आइडिया शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज समृद्ध बातचीत में शामिल होंगे. इस वर्ष के मुख्य वक्ता आइडिया समिट रचनात्मकता के क्षेत्र में जानेमाने बिश्वपति सरकार हैं.

इंटरट्रेनर पैनल में सौम्या टंडन और श्रेया मेहता शामिल होंगी

इस कार्यक्रम में कई पैनल भी शामिल होंगे. स्टॉकलोपीडिया के मोहित और मयूना जैन तथा हर्ष और हेतवी कामदार के साथ फाइनांस पर एक पैनल डिस्कशन होगा. वहीं इंटरट्रेनर पैनल में सौम्या टंडन और श्रेया मेहता शामिल होंगी. सीएचआरओ पैनल में महिंद्रा के एचआर प्रमुख विनय अग्रवाल, अरविंद ग्रुप में सीएचआरओ असीम जगदाले शामिल होंगे. अंत वन असिस्ट के सीईओ सुब्रत पाणि, किर्नी में एचआर प्रमुख राखी मलिक और चेटचैट की सीईओ और बायजूज़ में मार्केटिंग की पूर्व प्रमुख चेतना वशिष्ठ व्यापार जगत के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान करेंगी. इस वर्ष उत्सव का सबसे प्रतीक्षित हिस्सा प्रो-शो ऑफ़लाइन होगा, जिसकी एक्सएलआरआई में लाइव प्रदर्शन की सुविधा रहेगी. 3 नवंबर को प्रसिद्ध बैंड इंडियन ओसियन की ओर से मनोरंजन किया जायेगा. उसके बाद 4 नवंबर को स्टैंड-अप कॉमेडियन निशांत सूरी और 5 नवंबर को ग्रैंड फिनाले होगा संगीत उस्ताद अमित त्रिवेदी अपनी प्रस्तुति देंगे.

आपकी बात

दलित नेता शिवधारी राम ने 'यह भूभाग वनांचल है, भारत मां का आंचल है' का नारा बुलंद किया था.

नाम : शिवधारी राम रविदास (धरती पुत्र पलामू)
पेशा : राजनीति
निवास : पलामू

03 जनवरी 1964 को शिवधारी राम का जन्म अनुसूचित जाति चमार परिवार में ग्राम- सरहसताल, पोस्ट - महदेईया थाना नगर ऊटारी (वंशीधर नगर) जिला गढ़वा झारखंड में हुआ था. इनके पिता का नाम चूल्हा राम था. इनकी प्रारंभिक शिक्षा 7 साल में शुरू हुई. 1966 में जब अकाल पड़ा था, उस समय यह चरवाहा थे. जन्माष्टमी के दिन पूजा में इनको ख्याल आया किमैं भी पढ़ाई कर सकता हूं. फिर इन्होंने 1978 में सातवां क्लास पास किया. अपनी ज्यादा उम्र के कारण स्कूल के सहपाठी इनका मजाक बनाते थे. लेकिन, आग्रह सिंह जो कि उस वक्त उस स्कूल के हेड मास्टर थे. उन्होंने इनका हौसला बढ़ाया और पढ़ने के लिए प्रेरित किया. 9 साल की उम्र में इन्होंने 'क ख ग घ' लिखना शुरू किया. बाद में शिवधारी अध्यापिका शांति सहाय के यहां जो कि बेड़ो डीह मध्य विद्यालय, गढ़वा में पढ़ाती थीं. वहीं वह गाय चराते थे और गोबर फेंकते थे, तो उन्हें वहां दो वक्त का खाना मिलता था. 1978 में नगर ऊंटरी मंदिर में शिवधारी की शादी हुई. फिर ससुराल में रहकर उन्होंने स्नातक तक पढ़ाई की. 1983-84 में पढ़ाई के दौरान ही वह राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रेरित होकर भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने. 1985 में उन्हें नगर उटारी मंडल का अनुसूचित जाति मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया, जहां उन्होंने 25 छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण करवाया. 1991 से 93 के बीच अनुसूचित जाति मोर्चा का गढ़वा के जिलाअध्यक्ष के रूप में कार्य किया. 6 दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विवादित ढांचा आंदोलन के दौरान में कार सेवक के रूप में अयोध्या गए. नगर उटारी में बाबरी विवादित ढांचा आंदोलन में भाग लेने के कारण वह गिरफ्तार भी हुए और जेल भी गए. वर्तमान में शिवधारी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य है और पलामू लोकसभा सीट के लिए प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं.

मशहूर अभिनेत्री मंदाकिनी मुख्य अतिथि के तौर पर करेंगी शिरकत

करीम सिटी कॉलेज में झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि.

संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के चौथे संस्करण का उद्घाटन बुधवार को करीम सिटी कॉलेज में मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. इससे पूर्व करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रियाज ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. इस अवसर पर अतिथि के तौर पर पूर्वी घोष, शालिनी प्रसाद, सीता सिंह, बीपेंद्र सिन्हा, मिथिलेश कुमार उपस्थित थे. मौके पर प्राचार्य ने कहा कि झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के चौथे संस्करण का आयोजन लौहनगरी जमशेदपुर में होना एक बड़ी बात है.

यह महोत्सव फिल्म निर्माण से जुड़े लोगों के लिए कुछ नया जानने सीखने का अवसर प्रदान करता है साथ ही लोगों को अपनी नए आइडिया एवं क्रिएटिविटी को लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है. वहीं करीम सिटी मॉस कम्युनिकेशन विभाग की प्रमुख डॉ. नेहा तिवारी ने कहा कि झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में देश विदेश की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा. फिल्म निर्माण से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी. करीम सिटी कॉलेज में फिल्म निर्माण विषय पढ़ाए जाते है. कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए अपना कला दिखाने का एक अवसर है. यह महोत्सव 7 नवंबर तक चलेगा. वहीं आयोजक संजय उदय सत्पथी ने कहा कि झारखंड फिल्म महोत्सव के प्राइज नाइट में मुख्य अतिथि के तौर पर सिने जगत की मशहूर अभिनेत्री मंदाकिनी, सम्मानित अतिथि झारखंड के पद्मश्री मुकुंद नायक उपस्थित रहेंगे. अवार्ड नाइट समारोह का आयोजन एक्सएलआरआई सभागार में किया जाएगा. इसमें झॉलीवुड के कलाकार शामिल होंगे. कार्यक्रम को सफल बनाने मे भूमिका कुमारी, दिव्यांशी कुमारी, जिया सिंह के अलाव कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

श्रीनाथ कॉलेज में शुरू हुआ झारखंड फिल्म फेस्टिवल

आदित्यपुर। आदित्यपुर के श्रीनाथ कॉलेज सभागार में बुधवार को चतुर्थ झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2023 की शुरुआत हुई. उद्घाटन समारोह में उद्यमी सह फ़िल्म निर्देशक नंद कुमार सिंह, गायक कलाकार सनातन दीप और श्रीनाथ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति सुखदेव महतो मौजूद थे. इस फेस्टिवल न केवल जमशेदपुर बल्कि झारखंड एवं पूरे देश के लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग दिखाई जाएगी. बता दें कि पिछले तीन संस्करण के सफल आयोजन के बाद इस साल भी झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन 1 नवंबर 2023 को श्रीनाथ विश्वविद्यालय और करीम सिटी कॉलेज में किया जा रहा है.

खास बातें
- 7 दिनों में 250 फिल्में दिखाई जाएंगी
- पूरे देश की लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी

फिल्मों का प्रदर्शन सुबह 10.00 बजे से शाम के 7.00 बजे तक किया जा रहा है. आज श्रीनाथ विश्वविद्यालय में 12 फिल्में दिखाई जाएंगी, जिनके नाम इस प्रकार हैं - इंटर द रूम, ड्रीमिंग एटोन, व्हाट ए लाइफ, पिकॉक, मेक लव, पेमॉन, सारे साथ ए कत्थक और टेल ऑफ करेज शामिल हैं. जबकि करीम सिटी कॉलेज में 6 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएंगी.

विद्यार्थियों के बीच 300 स्कूल बैग का वितरण

साहिबगंज। बरहरवा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिरासीन में बुधवार को 300 स्कूली बच्चों के बीच बैग का वितरण किया गया. स्कूल प्रबंध समिति के अध्यक्ष मोजिबुर रहमान द्वारा बैग का वितरण किया. स्कूल के विद्यार्थी बैग पाकर काफी खुश दिखे. स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेश्वर रजक ने कहा कि हम सभी विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य की कामना करते है. छात्र मन लगाकर पढ़ाई करें. इस दौरान अध्यक्ष मोजिबुर रहमान ने बच्चों से नियमित स्कूल आने की अपील की एवं नियमित रूप से पढाई को सुचारू रखने की बात कही.

एनडीआरएफ टीम द्वारा बच्चों को सेफ्टी का दिया गया प्रशिक्षण

जागरूकता अभियान से जुड़ें छात्र : रविकांत

संवाददाता। हुसैनाबाद, पलामू

हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत राजकीय कृत मध्य विद्यालय भैरोपुर में बुधवार को भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित एनडीआरएफ डिजास्टर रिस्पांस फोर्स टीम के बैनर तले आपदा जैसे बाढ़, भूकंप, आगजनी के साथ-साथ अचानक घातक बिमारियों से बचने हेत वर्ग 1 से 8वीं तक के छात्र छात्रों को सेफ्टी के लिए प्रशिक्षण दिया गया साथ ही उन्हें जागरूक किया.

मौके पर एनडीआरएफ टीम के मुख्य कमांडर रविकांत ने बताया कि समस्त झारखंड प्रदेश में गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा से एनडीआरएफ नेशनल रिस्पांस फोर्स टीम द्वारा प्राकृतिक आपदा भुस्खलन भुकंप, ज्वालामुखी विस्फोट , मानव आपदा ,सड़क दुघर्टना, दिल का दौरा, प्रशिक्षण में लाइफ जैकेट तैयार किया गया. बिमारी से बचाव के लिए छात्र-छात्राओं को बिमारी से मुक्त करने के लिए पहली प्राथमिकता देने की बात कही.

सेफ्टी बने मेरा भारत

विद्यालय के प्रधानाध्यापक शशिकांत ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सेफ्टी एवं आपदा से सुरक्षा के लिए मेरे विद्यालय को चयनित किया गया उसके लिए एनडीआरएफ टीम को हार्दिक धन्यवाद. आगे कहा कि भविष्य में मेरा भारत स्वच्छ भारत एवं सेफ्टी के प्रति जागरूक भारत बने. मौके पर एएसपी टीम कमांडर रविकांत कुमार एएसआई मुकेश कुमार वृजेश कुमार सिंह प्रधानाध्यापक शशिकांत विद्यालय प्रबंधक समिति अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह, शिक्षक पंचम कुमार सिंह, शिक्षक अभिमन्यु कुमार, शिक्षक दिनेश कुमार सिंह, रंजू देवी, राधीका देवी, लालू प्रसाद सिंह, ज्वाला सिंह, उदय कुमार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.

केएन बक्शी कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

खादी महोत्सव 2023 के तहत बेंगाबाद स्थित केएन बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पहले दिन आत्मनिर्भर भारत में खादी का महत्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में बीएड के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजीत कुमार सिंह ने कहा कि देशव्यापी खादी महोत्सव अभियान का उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग, हस्तकरघा, हस्तशिल्प उत्पादों और स्थानीय स्तर पर पारंपरिक कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना है. इससे वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के अभियान के विचार को बढ़ावा देना है. कार्यक्रम में प्राचार्य अजीत कुमार सिंह, शिक्षक बिनोद कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, नीलेश लकड़ा, शंकर सिंह, नूतन शर्मा, डॉ राजेश रविदास, डॉ संतोष कुमार, प्रकाश वर्धन, रीना साव समेत कॉलेज के अन्य शिक्षक व प्रशिक्षु उपस्थित थे.

सनातनी से साम्यवादी पुस्तक का लोकार्पण

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष -सह-एकेडमिक इंचार्ज डॉ. राम सुभग सिंह की प्रकाशित पुस्तक ''महापंडित राहुल सांकृत्यायन की विचार - यात्रा : सनातनी से साम्यवादी'' का लोकार्पण प्राचार्य सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में डॉ. आलोक रंजन कुमार, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो. शशिभूषण सिंह, प्रो. सुधीर कुमार सिंह एवं ओम प्रकाश सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. डॉ. राम सुभग सिंह ने पुस्तक के संबंध में बताया कि प्रायः राहुल जी को घुमक्कड़, साहित्यकार, उपन्यासकार एवं तिब्बत से 21 खच्चरों पर दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ लाने वाले के रूप में सीमित कर पेश

किया जाता है. पर राहुल जी बहुभाषाविद के साथ-साथ चलती-फिरती लाइब्रेरी थे. इनकी विद्वता की धाक ऐसी थी कि आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भी कहा है कि जिस सभा में राहुल जी होते हैं, उसमें बोलने में भय लगता है. इसीलिए मैंने सोचा कि सनातनी से आर्य समाजी, आर्य समाजी से बौद्ध और अंततः बौद्ध से साम्यवादी बनने की विचार-यात्रा के माध्यम से इनके दार्शनिक विचारों को जनता के समक्ष लाया जाए. उनके दार्शनिक विचार उग्र एवं क्रांतिकारी हैं. इनको पढ़ते हुए दिमाग में सिर्फ शब्द ही नहीं भरते, बल्कि पाठक अंदर से परिवर्तित होने लगता है. राहुल जी ने अपने जबरदस्त तर्कों से ईश्वर, आत्मा एवं इसकी अमरता, पुनर्जन्म, फलित ज्योतिष, भूत-प्रेत, योग, ध्यान, समाधि, दिव्यशक्ति एवं चमत्कार की बखिया उधेड़ कर रख दी.

इंडिगो सिक्यूरिटी कंपनी ने नौ अभ्यर्थियों को दिया ऑफर लेटर

संवाददाता। लातेहार

लातेहार की सिक्यूरिटी कंपनी इंडिगो सिक्यूरिटी फोर्स ने पलामू में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई में आयोजित रोजगार मेला में नौ युवकों को ऑफर लेटर दिया. इंडिगो के निदेशक एसएस चिश्ती ने बताया कि इंडिगो सिक्यूरिटी फोर्स स्थानीय बेरोजगार युवक व युवतियों को रोजगार देने के लिए कृतसंकल्प है. उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा युवक व युवतियों की भर्ती के लिए शिविरों का आयोजन किया जाता है. अर्हता पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को विभिन्न कंपनी व प्रतिष्ठानों में गार्ड व सुपरवाइजर आदि का ऑफर लेटर दिया जाता है. उन्होंने बताया कि श्रम नियोजन कार्यालय के तत्वावधान में लातेहार के कई नियोक्ता उक्त रोजगार मेला में भाग लेने के लिए 30 अक्टूबर को पलामू गये थे.

परीक्षा 2024 की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले 10वीं-12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए सैंपल पेपर जारी

सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षा को लेकर जारी किया मार्क्स ब्रेकअप

संवाददाता। जमशेदपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2024 की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले 10वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए सैंपल पेपर जारी कर दिया है. अब सभी को बोर्ड एग्जाम की डेट शीट का इंतजार है. फिलहाल सीबीएसई बोर्ड की ओर से कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए एक नोटिस जारी किया गया है. यह नोटिस परीक्षा के विषयवार मार्क्स ब्रेकअप (अंक विभाजन) को लेकर है. दरअसल आगामी वर्ष में बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राएं विषयवार मार्क्स ब्रेकअप को लेकर संशय की स्थिति में हैं. ऐसे में बोर्ड ने छात्रों के संशय को दूर करने की दिशा में कदम उठाते हुए विषयवार मार्क्स ब्रेकअप जारी किया है.

खास बातें
- विषयवार मार्क्स को लेकर संशय की स्थिति में छात्र
- मार्क्स अपलोड करने में हो रही हैं गलतियां

मार्क्स अपलोड करने में स्कूल कर रहे गलती

सीबीएसई बोर्ड नोटिस में कहा गया है कि छात्र-छात्राओं के प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट व इंटरनल असेस्मेंट के मार्क्स अपलोड करने में स्कूलों की ओर से भी गलतियां की जा रही हैं. इसके मद्देनजर भी प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट, इंटरनलअसेस्मेंट और थ्योरी परीक्षाओं के संचालन और स्कूलों की सहायता के लिए कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं का विषयवार मार्क्स ब्रेकअफ जारी किया गया है.

सर्कुलर में है विषयवार अंकों का उल्लेख

बोर्ड ने सर्कुलर में क्लास, विषय कोड, विषय का नाम, थ्योरी परीक्षा के लिए अधिकतम अंक, प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए अधिकतम अंक, प्रोजेक्ट असेस्मेंट के लिए अधिकतम अंक, इंटरनल असेस्मेंट के लिए अधिकतम अंक वगैरह जारी किया है. इसके साथ ही असेस्मेंट के लिए एक्सटरनल एग्जामिनर नियुक्त किया जाएगा या नहीं, प्रैक्टिकल आंसर बुक दी जाएगी या नहीं और थ्योरी परीक्षा के दौरान किसी तरह के आंसर बुक का प्रयोग किया जाएगा या नहीं इसकी भी जानकारी दी है.

सेवानिवृत्त शिक्षक छाकूनाथ को दी गई भावभीनी विदाई

संवाददाता। गुड़ाबांदा

गुड़ाबांदा प्रखंड के कोइमा पाथरपाड़ा अजंबर उच्च विद्यालय के वरीय शिक्षक छाकूनाथ हांसदा को भावभीनी विदाई दी गई. मंगलवार को वरीय शिक्षक छाकूनाथ हांसदा सेवानिवृत्त हुए. इस अवसर पर विद्यालय में एक समारोह आयोजित की गई. सेवानिवृत शिक्षक को उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. साथ ही आगे जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गई. सेवानिवृत शिक्षक छाकूनाथ हांसदा ने सभी बच्चों को आगे बढ़ने और कड़ी मेहनत करने की बात कही. साथ ही सभी सहकर्मी शिक्षक गणों को धन्यवाद दिया. इस अवसर पर पर बच्चों के द्वारा भाषण, निबंध, चित्रांकन, विदाई संगीत प्रस्तुत किया गया. मौके पर प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार भगत, गौरांग सेनापति, पद्मलाभ बेरा, प्रबंधन समिति के सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित थे.

राजनीतिक पारा गर्म : पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा- आनेवाले समय में जनता के बीच सरकार की पोल खोलेंगे

उम्मीदों के साथ दिया था समर्थन, खरी नहीं उतरी सरकार : सिंह

संवाददाता। रांची

हुसैनाबाद से एनसीपी विधायक कमलेश सिंह ने हेमंत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है. सिंह ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वे राज्यपाल को जल्द ही समर्थन वापसी का पत्र सौंपेंगे. उन्होंने कहा कि बड़ी उम्मीदों के साथ सरकार को समर्थन दिया था, लेकिन राज्य सरकार से उन्हें घोर निराशा मिली. ये सरकार राज्य की सवा तीन करोड़ जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरी है और न हुसैनाबाद की जनता को दिए आश्वासनही पूरे कर सकी है. हुसैनाबाद को जिला बनाने की मांग वे शुरू से करते रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के बार बार आश्वासन देने के बाद भी ये वादा पूरा नहीं हुआ. हुसैनाबाद जिला मुख्यालय से ये 90 किलोमीटर दूर है. यह जिला बनने की सभी अहर्ताएं पूरी करता है, लेकिन इसे जिला नहीं बनाया गया है, जिस कारण आमलोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है.

विधायक सिंह ने कहा कि बालू घाटों की बंदोबस्ती करने की मांग भी कई बार की गई, लेकिन ये भी नहीं किया गया. घाटों की बंदोबस्ती नहीं होने से पीएम आवास योजना के लाभुकों के मकान तक नहीं बन पा रहे हैं. यहां एसडीपीओ का पद प्रभार में चल रहा है. प्रखंडों में सीओ और बीडीओ की पोस्टिंग नहीं हो रही है, जिस कारण हुसैनाबाद के लोग परेशान हैं. इसलिए मजबूर होकर समर्थन वापसी का फैसला लिया गया है. बता दें कि इससे पहले कमलेश सिंह ने 31 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन आश्वासन पूरे नहीं हुए

एनसीपी के प्रदेश प्रवक्ता सूर्या सिंह ने कहा कि ये सरकार अहंकारी और तानाशाही रवैया अपना रही है. आने वाले समय में एनसीपी के कार्यकर्ता सरकार की पोल जनता के सामने खोलेंगे. मौके पर एनसीपी के प्रदेश संगठन मंत्री विनय कुमार सिंह उर्फ बिनू सिंह, महिला एनसीपी की प्रदेश अध्यक्ष कुंदन कुमारी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मन्नान खान, युवा प्रदेश अध्यक्ष आदर्श सिंह, बुद्धिजीवी मोर्चा अध्यक्ष अनिल सिंह, प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र सिंह, बोकारो जिला अध्यक्ष यशवीर सिंह, गुमला जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा, हजारीबाग जिला अध्यक्ष प्रदीप पांडेय, धनबाद जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी, बरही विधानसभा प्रभारी महेश ठाकुर समेत प्रदेश व जिलों के कई पदाधिकारी मौजूद थे.

खास बातें

- एनसीपी ने हेमंत सरकार से समर्थन वापस लिया
- हुसैनाबाद से एनसीपी के विधायक हैं कमलेश सिंह

आओ जानें

मनोहरपुर से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	यूजीडीपी	जोबा मांझी
2005	यूजीडीपी	जोबा मांझी
2009	भाजपा	गुरुचरण नायक
2014	झामुमो	जोबा मांझी
2019	झामुमो	जोबा मांझी

ब्रीफ खबरें

झामुमो प्रतिनिधिमंडल सीओ से मुलाकात की

बालूमाथ (लातेहार)। अंचल अधिकारी तृप्ति विजया कुजूर से बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल प्रखंड अध्यक्ष ऐश्वर्या उरांव के नेतृत्व में मुलाकात की. प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने सीओ से झारखंड सरकार की योजनाओं का लाभ आम आदमी तक आसानी से पहुंचाने पर विमर्श किया. अंचल अधिकारी तृप्ति विजय कुजूर ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वसत किया कि सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार के उद्देश्य के अनुरूप पहुंचाया जाएगा.

झामुमो की बैठक में संगठन मजबूती पर चर्चा

डुमरिया। झामुमो डुमरिया प्रखंड समिति की बैठक बुधवार को विधायक कार्यालय छोलागोड़ा में प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में पार्टी संगठन की स्थिति पर चर्चा हुई. साथ ही बूथ कमेटी का गठन, पार्टी सदस्यता अभियान, आपके अधिकार आपकी योजना आपके द्वार 3 कार्यक्रम की तैयारी, सोशल मीडिया, वन अधिकार पट्टे का लोगों को सहायता करना, आबुआ आवास योजना आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई.

बाबूलाल आज से 10 तक छग व एमपी में

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 2 से 10 नवंबर तक छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के प्रवास पर रहेंगे. इस दौरान वे इन दोनों राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार और जनसभा करेंगे. बाबूलाल 2 से 7 नवंबर तक छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होंगे, जबकि 8 से 10 नवंबर तक मध्य प्रदेश में विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे. प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने यह जानकारी दी.

कई राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन बुधवार को राजभवन में आठ प्रदेश एवं पांच केंद्रशासित राज्यों का स्थापना दिवस मनाया. जिसमें आंध्र प्रदेश आंध प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, केरल, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु तथा पांच केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़, दिल्ली, पुडुचेरी, लक्षद्वीप तथा अंडमान एवं निकोबार शामिल है. इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत एक है और एक रहेगा. हम एक रहकर निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हैं. हम एक रहकर मानवता की भावना को पल्लवित कर सकते हैं.

मिशन 2024 : झामुमो इस बार चार सीट पर नहीं मानेगा

झामुमो इस बार कम से कम छह सीटों पर लड़ेगा चुनाव

कौशल आनंद। रांची

झारखंड 'इंडिया' गठबंधन में खुद को झामुमो बड़े भाई की भूमिका में देख रहा है. इस लिहाज से पार्टी चुनावी तैयारी में जुट गया है. विगत दिवस पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व पर दबाव बनाया था कि झामुमो को लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक सीटों पर दावेदारी करनी चाहिए. सीटों पर अंतिम निर्णय के लिए पार्टी ने हेमंत सोरेन को अधिकृत भी कर दिया और स्पष्ट कर दिया कि हेमंत सोरेन का जो भी निर्णय होगा, वह पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए मान्य होगा. इस बैठक के बाद पार्टी ने इंटरनल रूप से अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है, जिसमें सीट चयन सबसे प्रमुख है. पार्टी इस बार कम से कम 6 सीट से कम पर मानने को तैयार होगा, इसके लिए झामुमो के पास कई तरह के लॉजिक हैं. पटना इंडिया की बैठक में हेमंत सोरेन और नीतीश कुमार ने को इस बात को रख चुके हैं अगर इस बार केंद्र से भाजपा को हराना है तो क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता देनी होगी, जो जहां मजबूत, उसके हिसाब से सीट शेयरिंग होनी चाहिए.

झामुमो दो विकल्प पर कर रहा है काम : लोकसभा चुनाव में झामुमो दो विकल्प की रणनीति पर काम रहा है. झामुमो अधिक से अधिक सात और कम से कम छह सीट की दावेदारी करेगा. छह सीट के दावेदारी का खाका के रूप में अगर सात पर बात नहीं बनी तो झामुमो और कांग्रेस छह-छह सीट पर चुनाव लड़ सकते हैं. बची दो सीट एक राजद और एक वामदल को दिया जाएगा. संभवतः तीन दिसंबर के पांच राज्यों के चुनावी मतगणना के बाद इंडिया गठबंधन की बैठक हो, जिसमें सीट शेयरिंग, संयुक्त रूप से राजनीतिक कार्यक्रम तय किए जाएं. इसमें झारखंड से झामुमो कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की अहम भूमिका होगी.

बड़ा दल होने के कारण मजबूत दावेदारी प्रस्तुत करेगा

खास बातें

- 12 सीट झामुमो-कांग्रेस रखेंगे अपने पास
- 1-1 सीट राजद और वाम के लिए छोड़ने की रणनीति
- सहयोगी पार्टियों को इस संबंध में जानकारी दे दी है

झामुमो को अपनी पुरानी सीट के अलावे और कई सीटों पर है नजर

अगर सीट शेयिरंग में झामुमो की चली तो कांग्रेस को झारखंड में तीन अहम सीट खूंटी, लोहरदगा और चाईबासा सीट छोड़नी पड़ सकती है. क्योंकि झामुमो इस बार सात सीटों में चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है. झामुमो गत लोकसभा चुनाव में दुमका, राजमहल, गिरिडीह और जमशेदपुर में चुनाव लड़ा था. जिसमें केवल राजमहल ही जीतने में सफल रहा था. वैसे झामुमो की नजर कोडरमा, गिरिडीह और गोड्डा सीट पर भी है. मगर अंतिम रूप से झामुमो को इन छह से सात सीट पर ही चयन करना होगा या फिर सीट शेयरिंग में अगर कांग्रेस अड़ी तो झामुमो को अधिक से अधिक छह सीट पर संतोष करना पड़ सकता है. मगर झामुमो किसी भी कीमत पर छह सीट से नीचे समझौता नहीं करेगा. यहां पर झामुमो और कांग्रेस दोनों को राजद और वामदल को संतुष्ट करना भी बड़ी चुनौती होगी.

जदयू और आप का लोस चुनाव लड़ने की संभावना नहीं

झामुमो सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव जदयू और आम आदमी पार्टी नहीं लड़ेगा. इसके बदले दोनों दल विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी प्रस्तुत करेंगे. इसके पीछे का तर्क यह है कि दोनों दल अभी सांगठनिक रूप से लोकसभा चुनाव लड़ने में सक्षम नहीं है. दोनों दल फिलहाल झारखंड में संगठन मजबूती और विस्तार पर फोकस करते लोकसभा चुनाव में गठबंधन को विजयी बनाने में सहयोग करेंगे. पिछले दिनों पटना में जब प्रदेश जदयू के नेता नीतीश कुमार से मिले थे तो उन्हें भी इसी बात का टिप्स दिया गया था.

झारखंड को लेकर झामुमो ने रख दिया है सीट शेयरिंग का फॉर्मूला

झामुमो से मिली जानकारी के अनुसार पटना बैठक में झामुमो की ओर से झारखंड में सीट शेरयिरंग का फर्मूला रख दिया है. इसके तहत 12 सीट झामुमो और कांग्रेस अपने पास रखेंगे. जिसे बाद में जो जहां मजबूत उसके आधार पर इसे आपस में बांटेंगे. बचे दो सीट राजद और वामदल को दिया जाएगा.

रांची लोकसभा सीट : भाजपा में कई चेहरे दिख रहे

रघुवर के राज्यपाल बनने से रांची सीट के दावेदार ले रहे चैन की नींद

प्रमुख संवाददाता। रांची

रांची लोकसभा सीट पर चुनावी सुगबुगाहट शुरू हो गई है. राजनीतिक दलों के अंदर यह चर्चा है कि इस बार कौन लड़ेगा चुनाव. सामाजिक, राजनीतिक समीकरणों के मुताबिक कई चेहरों पर चर्चा चल रही है. महागठबंधन खेमे की तस्वीर लगभग साफ है. इंडिया गठबंधन इस बार भी सुबोधकांत सहाय के नाम की चर्चा है, लेकिन भाजपा में कई चेहरों की चर्चा है. रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बनाये जाने के बाद रांची लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे भाजपा के उन नेताओं ने राहत की सांस ली है.

सीटिंग सांसद संजय सेठ को भी चैन की नींद आने लगी है. दरअसल जमशेदपुर में भाजपा के अंदरूनी कलह और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच विधायक सरयू राय की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए यह चर्चा आम थी कि रघुवर दास 2024 में रांची या चतरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. इस तरह की खबरें सामने आने के बाद रांची लोकसभा से चुनाव लड़ने का मूड बनाये हुए भाजपा नेताओं के चेहरे मुरझा गये थे, लेकिन अब उनके चेहरे खिल गये हैं.

भाजपा नेताओं को कहां से आई है गट फीलिंग : रांची के सीटिंग सांसद संजय सेठ का रिपोर्ट कार्ड अच्छा है. संसद में उनकी उपस्थिति अच्छी है. क्षेत्र से जुड़े सवालों और मुद्दों को संसद और केंद्रीय मंत्रियों के सामने मुखरता से उठाते हैं. संसदीय क्षेत्र में खूब घूमते हैं और लोगों शिकायतें भी सुनते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनकी तारीख कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं को न जाने कहां से यह गट फीलिंग आ गई है कि संजय सेठ का इस बार टिकट कटना तय है.

भाजपा के नेताओं का कहना है कि रांची संसदीय सीट के चुनाव में प्रत्याशी नहीं पार्टी की भूमिका होती है. उम्मीद है इस बार भी रांची सीट व्यपारी वर्ग से जुड़े नेताओं को ही मिलेगी. कुछ नेताओं को कहना है कि इस बार जातीय समीकरण के हिसाब से किसी कुर्मी नेता को चुनाव लड़ाया जाएगा.

रांची लोकसभा का समीकरण

रांची लोकसभा क्षेत्र में कुर्मी और आदिवासी वोटर्स के वोट निर्णायक होते हैं. करीब 40 फीसदी ओबीसी और 30 फीसदी आदिवासी वोटर्स को साधने के समीकरण के मुताबिक राजनीतिक दल प्रत्याशी का चयन करते हैं. शहरी क्षेत्र में बंगाली, मुस्लिम और मिशनरी वोटर्स की संख्या अच्छी-खासी है. इस तीनों समुदाय के वोटर्स पर भी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की नजर होती है. रांची लोकसभा क्षेत्र में मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला होता है. 1989 से 2014 तक कांग्रेस से सुबोधकांत सहाय और भाजपा रामटहल चौधरी उम्मीदवार रहे हैं. सुबोधकांत सहाय कुर्मी, आदिवासी, बंगाली और मुस्लिम वोटर्स के साथ-साथ सवर्ण वोटरों के वोट से तीन रांची के सांसद बने. वहीं रामटहल चौधरी कुर्मी वोटों से 5 बाद सांसद बने.

खास बातें

- संजय सेठ का टिकट कटने की चर्चा भी जोरों पर है
- अगला प्रत्याशी व्यापारी या ओबीसी वर्ग से हो सकता है

भाजपा में 7 नेताओं के नाम की चर्चा

रांची संसदीय सीट के लिए भाजपा से इस बार कई नाम सामने हैं. इनमें व्यापारी वर्ग से संजय सेठ, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर प्रेम मित्तल शामिल हैं. वहीं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव भी मजबूत चेहरा हैं. दो बार चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और पार्टी प्रवक्ताओं में फिलहाल विपक्ष के खिलाफ सबसे आक्रामक चेहरा हैं. कुर्मी नेता में रमाकांत महतो और जैलेंद्र महतो के नाम के चर्चे हैं. रमाकांत महतो भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रह चुके हैं. जमीन से जुड़े नेता हैं. पिछले लोकसभा चुनाव में रामटहल चौधरी का टिकट कटने के बाद प्रदेश नेतृत्व की ओर से प्रत्याशी के लिए रमाकांत महतो का भी नाम दिल्ली भेजा गया था, लेकिन उनका चयन नहीं हो पाया था.

भाजपा नवीनगर मंडल ने मतदान केंद्र समिति के साथ की बैठक

संवाददाता। पाकुड़

भाजपा नवीनगर मंडल के अध्यक्ष अरुण चौधरी के नेतृत्व में झिकरहाटी पश्चिमी व किस्मतसार पंचायत के मतदान केंद्र समिति के अध्यक्षों व प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. यह बैठक झिकरहाटी राजवंशी टोला व कदमसार मंडल आयोजित की गयी. विधानसभा के विस्तारक जयप्रकाश यादव ने नवीनगर मंडल अंतर्गत आने वाले झिकरहाटी पश्चिमी एवं किस्मतसार पंचायत के मतदान केंद्रों की समीक्षा की.

इसके बाद मतदान केंद्र समिति से इसका सत्यापन कराया, ताकि केंद्र व प्रदेश स्तर पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी समिति के माध्यम से आमजनों तक पहुंचायी जा सके.

पीएम मोदी का पुतला दहन करे भाजपा : सन्नी

पलामू। झामुमो युवा मोर्चा अध्यक्ष सन्नी शुक्ला ने भाजपा पर हमला बोला है. प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत का नहीं बल्कि पीएम मोदी का पुतला भाजपा फूंके. राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन युवाओं को नौकरी देकर उसके चेहरे पर मुस्कान बिखेर रहे हैं, वहीं भाजपा जैसी विकास विरोधी पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं. ऐसी राजनीतिक परिपाटी शुरू कर उन्होंने बहुत ही गलत परंपरा की शुरुआत की है. कभी धार्मिक मंच से चुनावी भड़काऊ भाषण, तो कभी राज्य के मुख्यमंत्री जिस दिन आपके शहर में हो उसी दिन पुतला दहन, भारत मंडपम में अतिथि देवो भवः और वसुधैव कुटुंबकम् सिर्फ लिखवा देने से चाल, चरित्र, चेहरा बदल नहीं जाता है.

कई योजनाओं का किया शिलान्यास

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

सूबे के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री सह स्थानीय विधायक बेबी देवी ने बुधवार को प्रखंड के पोरैया के भिखनीडीह के विभिन्न स्थानों में अधिष्ठापित कुल 17 चापाकल सहित डीएमएफटी मद के तहत स्वीकृत 16 योजनाओं का शिलान्यास किया. मंत्री ने जिन योजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें पोरैया के ग्राम भिखनीडीह में ढंडा देवी के घर से आगे 800 फीट पीसीसी पथ निर्माण, पहाड़पुर उप्रावि से आगे 500 फीट पीसीसी पथ निर्माण, भिखनीडीह ट्रांसफॉर्मर से आगे 300 फीट पीसीसी पथ निर्माण, पोरैया में तुलसी राय के घर से आगे दोनों साइड गार्डवॉल निर्माण, शंकरडीह के ग्राम प्रयागपुर में 500 फीटपीसीसी पथ निर्माण, पोरैया में चंद्रशेखर महतो के घर के पास 200 फीट गार्डवॉल निर्माण, पोरैया में उप्रवि पहाड़पुर का चहारदीवारी निर्माण, भिखनीडीह आंगनबाड़ी के पास पीसीसी पथ निर्माण, चैनपुर में गुलाबचंद महतो के घर से जगदीश महतो के घर तक पीसीसी पथ निर्माण, चैनपुर के यूएमएस कसमाकुरहा का चहारदीवारी निर्माण, भिखनीडीह में कदम के पेड़ के पास चबूतरा निर्माण, भिखनीडीह आंगनबाड़ी के पास चबूतरा निर्माण, ग्राम पहाड़पुर मे बरगद पेड़ के पास चबूतरा निर्माण, पोरैया के लाखेश्वर महतो के तालाब में स्नान घाट का निर्माण, कुलगो स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन की मरम्मत व रंगरोगन कार्य शामिल है. मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास के वे हमेशा तत्पर रहती हैं.

सरयू राय ने लिखी मुख्य सचिव को चिट्ठी

रांची। जमशेदपुर के विधायक सरयू राय ने मुख्य सचिव सुखदेव सिंह को चिट्ठी लिखी है. पत्र के जरिये उन्होंने सीएस से मांग की है कि धनबाद में आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसआईटी) का गठन किया जाए. सरयू ने कहा कि आतंक, हत्या, रंगदारी, दबंगई की घटनाएं असहनीय हो जाने के कारण बुधवार को व्यवसायियों के आह्वान पर धनबाद बंद किया गया. वासेपुर गैंग के आतंक से गुजर चुका धनबाद अब विदेश से संचालित आधुनिक वासेपुर गैंग-2 की दबंगई, गुंडागर्दी, हत्या और रंगदारी से त्रस्त हो गया है. धनबाद की पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है. धनबाद में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं रह गयी है.

प्रेस कांफ्रेंस वामदल का भाजपा और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला, कहा- मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत

जहां विपक्ष की सरकार, वहां एजेंसियों का दुरूपयोग : वृंदा करात

संवाददाता। रांची

मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी, पोलित ब्यूरो की सदस्य व पूर्व सांसद वृंदा करात ने कहा कि प्रदेश सरकारों पर हमले हो रहे हैं. हमले वहीं हो रहे हैं, जहां गैर भाजपा सरकार है. उन पर इल्जाम लगाया जा रहा है, परेशान किया जा रहा है. मोदी सरकार के हमले के खिलाफ आगे बढ़ने की जरूरत है.

वे बुधवार को रांची के मेन रोड विश्वकर्मा गली स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रही थीं. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी ने हर प्रदेश में एजेंसी खोल रखी है, वहां नफरत फैलायी जाती है. उन्होंने बताया कि किस तरह नफरत फैलायी जा रही है. झारखंड में आकर ट्राइबल को तोड़ रहे हैं, जो पार्टी आदिवासी को आदिवासी ना कह कर वनवासी कहे, उसका क्या कहना, उन्हें इस तरह बांटने की कोशिश हो रही. उनकी जमीन को कॉरपोरेट को देने की फिर से कोशिश हो रही है. माकपा पार्टी की वोट की संख्या को लेकर आगे बढ़ेगी. वामपंथी समेत अन्य गैर भाजपा संग मिल कर भाजपा को चुनावी मैदान में पूरी तरह तोड़ कर किनारा करने का कार्य करेगी. वृंदा करात ने कहा कि मोदी सरकार तुरंत फैसला करे कि कास्ट सेंसेस हो, हर घर में जाति की तहकीकात हो, यह हमारी मांग है. हमारी पार्टी अपने मुद्दों पर जगह-जगह संघर्ष कर रही है. स्मार्ट मीटर में काफी बढ़ कर बिल आते हैं, इसे साधारण गरीब परिवारों के घरों के बजाय बड़े अमीरों में जारी करना चाहिए. दलित व किसानों के अधिकार के लिए भी संघर्ष की जरूरत है.

खास बातें

- राजधानी रांची में संवाददाता सम्मेलन में दी जानकारी
- राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, सुफल महतो भी रहे शामिल

विधानसभा चुनावों में एमपी, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में माकपा का दावा

संवाददाता। रांची

माकपा की पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात ने कहा कि पांच प्रदेशों में विधानसभा चुनाव 5 नवंबर को हैं. इनमें राजस्थान में सीपीआई व लेफ्ट के साथ 17 सीट पर, मध्य प्रदेश में 4 सीट पर, छत्तीसगढ़ में 3 सीट पर, मिजोरम में 1 सीट पर एवं तेलंगाना में 8 सीट पर चुनाव लड़ेंगे.

राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के 14 सीटों में चुनाव लड़ने व लड़ाने की पूरी समीक्षा चल रही है. उन्होंने कहा कि राजमहल में 2014 में माकपा अपने प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारा, 2019 में भी चुनाव लड़ा, इस दौरान 80 हजार मत मिले थे. इसलिये इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में राजमहल से चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी है.

वहीं हजारीबाग में सीपीआई को समर्थन, कोडरमा में माले को समर्थन करने का निर्णय लिया गया है. वहीं अन्य 11 सीटों के बारे में उन्होंने कहा कि उन लोकसभा क्षेत्रों में गैर बीजेपी पार्टी को अपना समर्थन देकर बीजेपी उम्मीदवार को चुनावी मैदान से पछाड़ने का प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है.

राकांपा का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष से मिला, जानकारी दी

संवाददाता। निरसा

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के धनबाद जिलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश सिंह से मिलकर उन्हें धनबाद में गिरते विधि व्यवस्था व भ्रष्टाचार के संबंध में जानकारी दी. प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि शीतकालीन सत्र में धनबाद के गिरते विधि व्यवस्था के खिलाफ सदन में प्रमुखता से उठाई जाएगी. आज इस निकम्मी सरकार से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अपना समर्थन वापस लेने का पत्र राज्यपाल महोदय को सौंपा. श्री सिंह ने कहा कि धनबाद सहित पूरे प्रदेश में विधि व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है. राज्य की सरकार हर मोर्चे पर विफल है. कोयला चोरी से लेकर सारी विधि व्यवस्था फेल है. प्रतिनिधि मंडल में युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह, पप्पू कुमार, कपिल बनर्जी आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

छठ की तैयारी को लेकर एसडीएम ने की बैठक

धनवार। छठ महापर्व की तैयारी को लेकर खोरी महुआ एसडीएम सह धनवार नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय सभागार में एक बैठक की गई. बैठक में नगर प्रबंधक, छठ पूजा समिति सदस्य सहित कई प्रबुद्ध जन मौजूद थे. बैठक में मुख्य रूप से धनवार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत राजधनबार के ऐतिहासिक छठ घाट सहित अन्य छठ घाटों पर पवित्र महापर्व छठ को लेकर साफ-सफाई सहित जरूरी चीजों को लेकर विमर्श किया गया.

छठ घाटों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

गढ़वा। छठ पर्व को देखते हुए उपायुक्त शेखर जमुआर और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पेंय ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया. डीसी ने छठ घाटों के साफ-सफाई का निर्देश दिया. उपायुक्त ने फ्रेंड्स क्लब छठ घाट, स्टूडेंट्स क्लब छठ घाट, जय देवी संघ छठ घाट, टी ग्रुप छठ घाट, सहिजना छठ घाट और कल्याणपुर स्थित छठ घाट पहुंचकर स्थिति की जायजा लिया. उन्होंने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार और अन्य संबंधित पदाधिकारी को घाटों को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया.

लंबित आवास को पूर्ण करने का दिया निर्देश

बेरमो। गोमिया प्रखंड के बीडीओ महादेव महतो ने बुधवार को उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के पचमो, अमन, सूअरकटवा और सिमराबेड़ा गांव का दौरा किया और लंबित योजनाओं का जायजा लिया. प्रधानमंत्री आवास, अंबेडकर आवास, आम बागवानी का भी उन्होंने जायजा लिया. प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों को निर्देश दिया कि जो पिछले दो वर्षों से आवास निर्माण अपूर्ण है उसे यथाशीघ्र पूर्ण करें. इसके साथ ही पंचायत सचिव और रोजगार सेवक को भी निर्देश दिया कि वह लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा कराएं. इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से भी मिले और उनके समस्याओं की जानकारी ली.

राज्य में डेंगू के मिले 7 मरीज, जांच के बाद पुष्टि

रांची। राज्य में डेंगू के सात नए मरीज मिले हैं. 35 संदिग्ध मरीजों के जांच के बाद इनमें डेंगू की पुष्टि हुई है. बता दें कि देवघर में एक, धनबाद में दो, दुमका में तीन और जामताड़ा में एक मरीज डेंगू संक्रमित पाए गए हैं. वही चिकनगुनिया के भी 16 संदिग्ध मिले हैं. देवघर और धनबाद में आठ-आठ मरीज मिले. जांच के बाद किसी में भी चिकनगुनिया की पुष्टि नहीं हुई है.

एस्क्लेपियस आयुर्वेद क्लिनिक का उद्घाटन

हुसैनाबाद। जपला नवीनगर मुख्य मार्ग पर गांव दरुआ मोड़ पर एस्क्लेपियस आयुर्वेद क्लिनिक की शुरूआत हुई. भाजपा सैन्य प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक सह किसान ब्रिगेड के संरक्षक कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह ने इस क्लिनिक का उद्घाटन फीता काटकर किया. मौके पर कर्नल संजय सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में आयुर्वेद क्लिनिक खुलने से आम लोगों और गरीब के लिए मील का पत्थर साबित होगा. उन्होंने कहा कि डॉ. पच्चू कुमार रवि ने मानव सेवा के उद्देश्य से अपने कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं.

किसानों की मांग पर एसडीओ को सौंपा पत्र

चांडिल। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की चांडिल अनुमंडल कमेटी ने अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र सौंपकर किसानों के ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग की है. आशुदेव महतो के नेतृत्व में संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचा और किसानों से संबंधित मांग पत्र सौंपा. मौके पर आशुदेव महतो ने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र के किसान समस्याओं के बोझ तले दबे हुए हैं. किसानों को सिंचाई की सुविधा नहीं मिलती है.

प्रमुख पर लगाया धमकी देने का आरोप

बेंगाबाद। मधवाडीह पंचायत के मुखिया सदीक अंसारी ने प्रखंड प्रमुख पर धमकी देने का आरोप लगाया है. मुखिया सदीक अंसारी ने उपायुक्त को आवेदन देकर उचित कार्रवाई की मांग की है. साथ ही आवेदन की प्रतिलिपि प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, गांडेय विधायक एवं मुख्यमंत्री के नाम दिया गया है. मुखिया का आरोप है कि प्रखंड प्रमुख मीना देवी ने उन्हें पंचायत में सोशल ऑडिट करवा कर झूठे आरोप में फंसा देने की धमकी दी.

मंत्री ने लिया संज्ञान, प्रयाग महतो के इलाज का दिया निर्देश

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। बोकारो

जिले के कसमार प्रखंड के 70 वर्षीय मांदर वादक प्रयाग महतो के आयुष्मान कार्ड के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के मामले में सूबे के स्वास्थ्य मंत्री ने शुभम संदेश की खबर पर संज्ञान लिया है. उन्होंने अविलंब राशन कार्ड में नाम जोड़ने व आयुष्मान कार्ड बनाकर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश बोकारो डीसी को दिये हैं.

बताते चलें कि शुभम संदेश ने इस मामले को प्रमुखता के साथ बुधवार के अंक में प्रकाशित किया था. खबर छपते ही बेरमो क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता विकास कुमार गुप्ता ने इस खबर की कतरन के साथ सूबे के स्वास्थ्य मंत्री समेत अन्य मंत्रियों को ट्वीट किया.

राशन कार्ड में नाम जोड़ने का निर्देश : ट्वीट के बाद स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने तुरंत मामले पर संज्ञान लेते हुए बोकारो डीसी को ट्वीट कर मांदर वादक प्रयाग महतो को राशन कार्ड में नाम जोड़ने व स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. इधर, बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी ने जिले के आपूर्ति पदाधिकारी व सिविल सर्जन को ट्वीट कर प्रयाग महतो से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

प्रयाग महतो के पुत्र सुखदेव महतो ने बताया कि बुधवार दोपहर को बोकारो जिला कार्यालय से किसी अधिकारी ने उन्हें मोबाइल पर संपर्क कर उनके पिता की प्रोस्टेट बीमारी व राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ने पर कुछ जानकारी मांगी है. स्वास्थ्य मंत्री की ओर से मामले पर संज्ञान लेने की खबर के बाद आयुष्मान कार्ड के माध्यम से ऑपरेशन की आस जगी है.

खास बातें

- मंत्री बन्ना गुप्ता ने डीसी को एक्स पर दिये निर्देश
- सामाजिक कार्यकर्ता विकास गुप्ता ने साझा की थी खबर

आओ जानें

स्वतंत्रता से संबंधित पुस्तकें

पुस्तक	लेखक	प्रकाशन वर्ष
दी लाइफ डिवाइन	अरविंद घोष	1944
सावित्री	अरविंद घोष	1940
न्यू लैम्प्स फॉर ओल्ड	अरविंद घोष	1893
भवानी मंदिर	अरविंद घोष	1905
हिन्द स्वराज	महात्मा गाँधी	1909
गोरा	रवीन्द्रनाथ टैगोर	1910
घरे बाइरे	रवीन्द्रनाथ टैगोर	1916
भारत एक खोज	जवाहर लाल नेहरु	1946
एसेज ऑन इंडियन इकोनॉमिक्स	महादेव गोविन्द रानाडे	1906
आर्कटिक होम इन दि वेदाज	बाल गंगाधर तिलक	1903
गीता रहस्य	बाल गंगाधर तिलक	1915
दुर्गेश नंदिनी	बंकिम चंद्र चटर्जी	1865
वंदे मातरम	बंकिम चंद्र चटर्जी	1882

27 वर्षों से 26 एकड़ जमीन पर खड़े दोनों प्लांट हो रहे बेकार

बंद पड़ा है सोल्वेंट एंड टैनिन एक्सट्रैक्शन प्लांट, बना कबाड़

आशीष टैगौर । लातेहार

27 वर्षों से बंद पड़े साल्वेंट व टैनिन एक्सट्रैक्शन प्लांट की परिसंपत्तियों का बंटवारा होने के आसार अब दिखने लगे हैं. झारखंड अलग राज्य बनने के बाद से उक्त प्लांट के परिसंपत्तियों का बंटवारा नहीं हो पाया था. दोनों राज्यों के बीच जारी गतिरोध के कारण अंततः प्लांट बंद हो गया. बुधवार को लघु वन पदार्थ परियोजना, पलामू के प्रमंडलीय प्रबंधक एके मिश्रा ने प्लांट परिसर का भौतिक निरीक्षण किया. इसके बाद कयास लगाया जा रहा है कि दोनों राज्यों के बीच इस प्लांट को लेकर जारी गतिरोध दूर होंगे और परिसंपत्तियों का बंटवारा हो सकेगा. हालांकि बंद रहने के कारण इन तीन दशकों में प्लांट के उपकरण कबाड़ में तब्दील गये हैं लेकिन प्लांट की जमीन बेशकीमती है. दोनों प्लांट की कुल 26 एकड़ जमीन है. जिसमें सोल्वेंट एक्सट्रैक्शन प्लांट की 20 व टैनिन एक्सट्रैक्शन प्लांट की छह एकड़ भूमि शामिल है.

शुभम संदेश से बातचीत करते हुए मिश्रा ने बताया कि दोनों प्लांट का उन्होंने निरीक्षण किया है. इस दौरान प्लांट परिसर में अविस्थत परिसंपत्तियों का आंकलन किया गया. मशीन, कारखाना के भवन एवं अन्य अचल संपत्तियों का एसेसमेंट किया है. उन्होंने कहा कि इसकी रिर्पोट वरीय अधिकारियों को सौंपी जायेगी. हालांकि उन्होंने इससे अधिक जानकारी देने से इंकार किया. मौके पर प्लांट कर्मी अक्षेवट सिंह, अनिल श्रीवास्तव, अशोक सिन्हा, राजेश सिन्हा, रामप्रवेश बिंद, यमुना सिंह, यमुना महतो, नंदकिशोर महतो आदि उपस्थित थे.

तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किया था उद्घाटन : वन व उद्योग विकास निगम की साझेदारी वाली इस प्लांट की स्थापना वर्ष 1986 में लातेहार के रेलवे स्टेशन रोड में की गयी थी. अविभाजित बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे ने इसका उदघाटन किया था. उस वक्त उस प्लांट की परियोजना लागत लगभग दो करोड़ रुपए थी. वर्ष 1989 से यह प्लांट उत्पादन के क्षेत्र में आया. बताया जाता है कि पूरे भारतवर्ष में लोक उपक्रम के क्षेत्र में यह पहला प्लांट था. वनोत्पाद से संचालित इन दोनों प्लांट में कुल 105 पद सृजित थे.

टैनिन पाउडरों की मांग विदेशों तक थी : प्रति वर्ष 600 मिट्रिक टन हर्रे और बहेरा को लेकर टैनिन करने का वार्षिक उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित था. इस प्लांट से उत्पादित टैनिन पाउडर की मांग विदेशों तक थी लेकिन राजनीतिक साजिश के तहत विदेशी मांग के बावजूद निर्यात रोक दी गई. धीरे-धीरे इस प्लांट को सिक घोषित करने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी. वर्ष 1995 तक कारखाना को 225 लाख रुपये की हानि हो चुकी थी.

टर्म लोन लायबिलिटी के रूप में 279 लाख रुपये, बीआईसीआईसीओ की 46.57 लाख रुपये और भारतीय स्टेट बैंक की 17.81 लाख रुपये डूबने की कगार पर पहुंच चुकी थी. अक्टूबर 1997 से इसके कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया. उसके बाद से कारखाना कर्मी ट्यूशन आदि कर अपनी जीवन यापन इस आसार में कर रहे हैं कि कभी तो यह प्लांट चालू होगा.

पुनर्जीवित करने का प्रयास नहीं हो पाया सफल

झारखंड अलग राज्य बनने के बाद बिहार स्टेट टैनिन एक्सट्रैक्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने वर्ष 2000 में इस इकाई को पुनर्जीवित करने का प्रयास शुरू किया लेकिन परिसंपत्तियों के बंटवारे को लेकर अपेक्षित राजनीतिक सहयोग नहीं मिला. प्लांट कर्मियों ने झारखंड सरकार पर इसे चालू करने का काफी दबाव डाला, लेकिन इसका नतीजा कुछ भी नहीं निकला. मनिका विधानसभा क्षेत्र से तत्कालीन विधायक यमुना सिंह जब राज्य में पहले वन मंत्री बने तो लगा कि अब यह प्लांट जरूर चालू होगा लेकिन उनके कार्यकाल में भी कारखाना नहीं खुल पाया. यहां तक कि प्लांट के कर्मी बहादुर डंगवार, अक्षयवट सिंह, उपेंद्र प्रसाद सिन्हा, सिलास तिर्की, मिलन कुमार बिंद व केएम प्रसाद प्लांट कर्मियों ने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर किया, लेकिन कोई हल नहीं निकला.

कारखाना सीआरपीएफ कैंप में तब्दील हो गया है

क्षेत्र में उग्रवाद उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियान में सरकार ने इस प्लांट को सीआरपीएफ कैंप के रूप में तब्दील कर दिया. लगभग तीन दशक से यहां प्लांट सीआरपीएफ का मुख्यालय बना हुआ है. प्लांट के कीमती संयंत्र कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं.

बंगाल के टीचर ने चुरा लिया झारखंड के शिक्षक का ब्लैकबोर्ड मॉडल

सीएम ने दिया कार्रवाई का निर्देश

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के एक शिक्षक का बनाया ब्लैकबोर्ड मॉडल पश्चिम बंगाल के एक शिक्षक ने चुरा लिया है. झारखंड के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षक डॉ सपन कुमार पत्रलेख ने आरोप लगाया है कि उनके ब्लैकबोर्ड मॉडल मॉडल को बंगाल के टीचर दीप नारायण ने चुरा लिया है. इतना ही नहीं इस मॉडल को उस टीचर ने युनेस्को द्वारा आयोजित ग्लोबल टीचर प्राइज के लिए होने वाले नॉमिनेशन में भेज दिया. वहां यह मॉडल टॉप टेन में सेलेक्ट भी हो गया है. चोरी के इस मॉडल से दीप नारायण को मिलियन डॉलर पुरस्कार राशि के हकदार होंगे. अपने मॉडल की चोरी होने से दुखी डॉ सपन ने सोमवार को सीएम हेमंत सोरेन से मिल कर मामले की जानकारी दी और कार्रवाई करने का आग्रह किया. सीएम ने पदाधिकारियों को मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है.

पीएम मोदी कर चुके हैं मन की बात में डॉ सपन की तारीफ

डॉ सपन ने अप्रैल 2020 में कोरोना काल के समय दुमका जिला के जरमुंडी में ब्लैकबोर्ड मॉडल की शुरुआत की थी. गांव के बच्चों को पढ़ाने के लिए उन्होंने गांव की गलियों की मिट्टी की दीवारों पर ब्लैक बोर्ड बना कर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया था. उनकी इस पहल को काफी सराहा गया था. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नीति आयोग, दुमका डीसी ने इस पहल के लिए उनकी प्रशंसा की थी. इतना ही नहीं 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने मन की बात कार्यक्रम में डॉ सपन के इस मॉडल की सराहना की थी. डॉ सपन का दावा है कि बंगाल के टीचर दीप नारायण ने उनके बाद 2021 में ब्लैक बोर्ड मॉडल की शुरुआत की थी. उनका कहना है कि ब्लैकबोर्ड मॉडल से शिक्षक बच्चों को पढ़ा सकते हैं, लेकिन बिना उनसे अनुमति लिए उनके मॉडल को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए भेजा जाना गलत है.

लूपिन डायग्नोसिस लैब की हुई शुरुआत

हुसैनाबाद। जपला मुख्य पथ पर रेलवे क्रॉसिंग के समीप पलामू पैथोलॉजी में लूपिन डायग्नोसिस लैब का शुभारंभ हुआ. इस लैब में पूरे शरीर की जांच समेत कई तरह की जांच के लिए फ्री होम कलेक्शन बुक करने की व्यवस्था है. मौके पर पलामू पैथोलॉजी के संचालक राजेश पाठक ने कहा कि हुसैनाबाद में पूरे शरीर के साथ-साथ अन्य सभी तरह की जांच की की जरूरत थी जिसे शुरू कर दिया गया है. हुसैनाबाद और आस-पास क्षेत्रों के मरीजों को आसानी होगी.

आदेश के बाद भी जारी नहीं हुआ असिस्टेंट प्रोफेसर का रिजल्ट

संवाददाता। रांची

असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति (हो भाषा) प्रक्रिया का रिजल्ट नहीं जारी किये जाने के खिलाफ एक बार फिर झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है. दरअसल इसी वर्ष मई माह में झारखंड हाईकोर्ट की एकल पीठ ने जेपीएससी को यह आदेश दिया था कि असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति के लिए लिये गये इंटरव्यू का रिजल्ट 31 जुलाई तक जारी किया जाए. लेकिन इस आदेश के कई महीने बीत जाने के बाद भी जेपीएससी ने रिजल्ट जारी नहीं किया. जिसके बाद सरस्वती गगराई ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है. प्रार्थी ने अपनी याचिका में कहा है कि मार्च 2022 में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति के लिए इंटरव्यू लिया गया था लेकिन इंटरव्यू की प्रक्रिया खत्म होने के बाद भी रिजल्ट जारी नहीं किया गया.

पोस्टमार्टम के बाद हथिनी को वन विभाग ने दफनाया

संवाददाता। चाकुलिया

बिजली के तार की चपेट में आकर जख्मी हथिनी की लाश बुधवार की सुबह चाकुलिया प्रखंड की बड़ामारा पंचायत के ज्वालभांगा गांव के पास खेत में पाई गई थी. इसकी सूचना पाकर वन प्रमंडल पदाधिकारी ममता प्रियदर्शी घटनास्थल पर पहुंचीं. वन विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी भी पहुंचे. हथिनी के दोनों दांत को वन विभाग ने कटवा कर सुरक्षित रख लिया. हथिनी की लाश का पोस्टमार्टम बहरागोड़ा के भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार सिंह और चाकुलिया के प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार महंता ने किया. इसके बाद हथिनी की लाश को वन विभाग ने दफन करवा दिया. वन प्रमंडल पदाधिकारी ममता प्रियदर्शनी ने मामले की छानबीन की. डीएफओ ने मृत हथिनी के शरीर पर पुष्प अर्पित किया. डीएफओ ने हथिनी की कब्र पर पूजा अर्चना कर पीपल का पौधा लिया.

नए अपर नगर आयुक्त से मिले पुरेंद्र नारायण

आदित्यपुर। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को सफल बनाने हेतु आदित्यपुर विकास समिति का एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को नए अपर नगर आयुक्त आलोक कुमार(आईएएस) से मिला. इससे पूर्व पुरेंद्र नारायण सिंह ने नए अपर नगर आयुक्त को शॉल ओढ़ाकर एवं बुके प्रदान कर उनका अभिनंदन किया. पुरेंद्र नारायण सिंह ने आशा व्यक्त किया कि पिछले 5 वर्षों से आदित्यपुर नगर निगम के रुके विकास कार्यों में अब नए अपर नगर आयुक्त के नेतृत्व में तेजी आएगी. छठ पूजा को सफल बनाने हेतु आदित्यपुर-गम्हरिया विकास समिति ने अपर नगर आयुक्त से आदित्यपुर नगर निगम अंतर्गत शहरबेरा दोमुहानी छठ घाट, जमुना बांध तालाब, बेलडीह बस्ती छठ घाट, सालडीह बस्ती छठ घाट, मांझी टोला छठ घाट, नगीनापुरी चित्रकूट छठ घाट, जयप्रकाश उद्यान छठ घाट, राममरिया छठ घाट, रोड नंबर 32 छठ घाट, आदि में काम किए जाने की मांग की.

एक भी प्रॉपर्टी के रिकॉर्ड में नहीं मिला अमर बाउरी व उनकी पत्नी का नाम

एसीबी के हाथ अब तक खाली

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) भाजपा विधायक दल के नेता और नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी की संपत्ति का ब्यौरा जुटाने में लगी है. लेकिन अब तक उसके हाथ खाली हैं. पुख्ता जानकारी के मुताबिक, एसीबी को अब तक एक भी ऐसी अचल संपत्ति की जानकारी नहीं मिली है, जो अमर कुमार बाउरी या उनकी पत्नी कल्याणी देवी के नाम पर खरीदी गयी हो.

एक सप्ताह तक सभी रजिस्ट्री ऑफिस में खंगाले गये रिकॉर्ड्स : बता दें कि एसीबी ने रजिस्ट्री ऑफिस से अमर कुमार बाउरी और उनकी पत्नी के नाम पर कितनी अचल संपत्ति खरीदी गयी है, इसकी जानकारी मांगी है. वहीं एसीबी ने दोनों के पैन नंबर भी रजिस्ट्री ऑफिस को दिये हैं. एसीबी से पत्र मिलने के बाद रांची के सभी रजिस्ट्री ऑफिस में करीब एक सप्ताह रिकॉर्ड खंगाले गये. लेकिन फिलहाल ऐसे कोई दस्तावेज नहीं मिले, जिसमें अमर कुमार बाउरी या उनकी पत्नी का नाम दर्ज हो.

खास बातें

- बाउरी की संपत्ति का ब्यौरा जुटाने में लगी है एसीबी
- अब तक एक भी अचल संपत्ति की नहीं मिली है जानकारी

रघुवर सरकार में शामिल 5 पूर्व मंत्रियों के खिलाफ पीई दर्ज

बता दें कि हेमंत सरकार की कैबिनेट के आदेश के बाद रघुवर दास सरकार में शामिल पांच पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी ने पीई (प्रीमनलरी इन्क्वाइरी) संख्या 02/2023 दर्ज की है. इसके साथ ही झारखंड हाईकोर्ट में वर्ष 2020 में पंकज कुमार यादव ने रघुवर सरकार में मंत्री रहे नीलकंठ सिंह मुंडा, नीरा यादव, अमर बाउरी, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह की संपत्ति की जांच के लिए एक जनहित याचिका दाखिल की है. याचिका में कहा गया है कि रघुवर सरकार के पूर्व मंत्रियों ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है. इनकी संपत्ति में मंत्रित्व कार्यकाल के दौरान 200 प्रतिशत से लेकर 1000 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है. इसलिये उक्त सभी लोगों की संपत्ति की जांच होनी चाहिए और इनके कार्यकाल में हुए निर्णयों की जांच भी एसीबी से करवायी जानी चाहिए.

जनता दरबार में नहीं पंहुचे विधायक, लौटे ग्रामीण

डुमरिया। प्रखंड के छोलागोड़ा चौक पर स्थित विधायक कार्यालय में बुधवार को एक अजीब वाक्या देखा गया. हुआ ऐसे की विधायक कार्यालय में पोटका विधायक संजीव सरदार द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया था. इसके लिए झामुमो प्रखंड कमिटी द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से काफी प्रचार-प्रसार किया गया. दूर-दराज से ग्रामीण अपनी समस्याओं के समाधान की आस लेकर विधायक कार्यालय पंहुचे. ग्रामीणों को निराशा हाथ लगी. विधायक के स्थान पर झामुमो कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी ही विधायक कार्यालय में जन समस्याओं को सुनते देखे गये. इस संबंध में विधायक संजीव सरदार से फोन पर संपर्क किया गया. विधायक द्वारा फोन रिसीव नहीं किये जाने के कारण उनके नहीं आने के कारणों की जानकारी नहीं मिल पाई. विधायक कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक डुमरिया के ही किसी नेता द्वारा विधायक को किसी ग्रामीण के नहीं पंहुचने की सूचना सुबह को दे दी गई.

अव्यवस्था — मनमाने ढंग से सड़क के किनारे फुटपाथ पर कर लिया गया है कब्जा

अवैध रूप से चल रहे वाहनों के सेकेंड हैंड शोरूम, प्रशासन मौन

संवाददाता। जमशेदपुर

शहर में अवैध रूप से सड़क किनारे सेकंड हैंड वाहनों का शोरूम संचालित हो रहा है. मनमाने ढंग से सड़क के किनारे फुटपाथ पर कब्जा कर लिया गया है. सड़क से एकदम सटाकर पुरानी कारों को बेचने के लिए सजाकर रखा गया है. जिस कारण अक्सर हादसे भी हो रहे है लेकिन जिला प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं है. इसमें ट्रैफिक पुलिस की मिलीभगत की भी आशंका है. सुबह होते की कारों को सेकेंड हैंड शो रूम में सजा दिया जाता है. देर शाम तक कारें सड़क किनारे ही खड़ी रहती है. सभी कारों में फॉर सेल के बड़े-बड़े बोर्ड भी लगा दिए जाते है जिससे ग्राहक आकर्षित हो लेकिन ना तो जिला प्रशासन का इस ओर ध्यान जा रहा है और न ही ट्रैफिक पुलिस का.

सड़क किनारे बिक्री के लिए सजी कारें.

सड़क किनारे संचालित हैं कई सेकंड हैंड शोरूम : गोलमुरी के आरडीटाटा गोलचक्कर से बर्मामाइंस के सुनसुनिया गेट (गड़ाबासा) तक सड़क किनारे कई सेकंड हैंड शोरूम अवैध रूप से चलाए जा रहे हैं. सैकड़ों कारों को बेचने के लिए सड़क से एकदम सटाकर रखा गया है. इस सड़क से लोग रेलवे स्टेशन आना जाना करते हैं. इस सड़क को काफी व्यस्त सड़क माना जाता है. इसके बावजूद भी सड़क किनारे सेकंड हैंड शोरूम चलना पुलिस की मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है. सड़क किनारे कारों के लगे रहने से हादसे भी होते है.

ट्रैफिक पुलिस वाहनों से वसूलती है जुर्माना

यह क्षेत्र गोलमुरी ट्रैफिक थाना के अंतर्गत आता है. बीच-बीच में सड़क किनारे पुलिस अभियान चलाकर अवैध रूप से पार्किंग करने वाले बड़े-बड़े वाहनों से जुर्माना भी वसूलती है. सड़क किनारे अवैध रूप से चलाए जा रहे सेकंड हैंड शोरूम पर किसी प्रकार की कार्रवाई आज तक ट्रैफिक पुलिस की ओर से नहीं की गई है. कई बार लोग संबंधित पदाधिकारियों से शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन सेकंड हैंड शोरूम चलाने वालों पर कोई करवाई नहीं होती.

खास बातें

- स्थानीय लोगों के ट्रैफिक पुलिस की मिलीभगत आशंका
- सुबह से देर शाम तक कारें सड़क किनारे रहती हैं खड़ी

नर्सिंग होम, क्लीनिक और पैथोलॉजी की जांच के निर्देश

संवाददाता। घाटशिला

सिविल सर्जन जुझार माझी ने बहरागोड़ा दौरे के क्रम में घाटशिला प्रखंड क्षेत्र के अमाईनगर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण बुधवार को किया. निरीक्षण के क्रम में पाया कि केंद्र की एसएचओ पिछले 7 माह से छुट्टी पर हैं. उससे बात कर स्थिति की जानकारी ली तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से बात कर मामले पर ठोस निर्णय लिया जाएगा. साथ ही साथ सिविल सर्जन ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आर एन सोरेन को निर्देश दिया कि क्षेत्र में जितने भी नर्सिंग होम, क्लीनिक, पैथोलॉजी है सभी का जांच कर यह सत्यापित करें कि क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट के तहत रजिस्टर्ड हैं या नहीं साथ ही साथ तीन बिंदुओं पर जांच अवश्य करें की बायो बेस्ट की क्या व्यवस्था है फायर सेफ्टी तथा उसका कहां से एमओयू हुआ है.

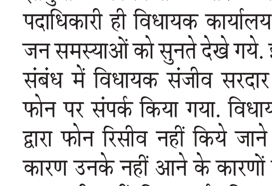

7 दिनों के अंदर इसका जवाब दें यदि इन सारी व्यवस्था संचालक द्वारा नहीं किया जाता है तो उन पर फाइन करें. फाइन भी 10 हजार से लेकर 1.5 लाख तक किया जाना है. इसलिए उन्होंने सभी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी एवं क्लिनिक संचालकों से आग्रह किया है कि वह सरकार की नजर में रहे अन्यथा ठोस कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जामताड़ा। बुधवार को पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल जामताड़ा के सौजन्य से नारायणपुर अंचल सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर जलसहिया को फील्ड टेस्ट किट से जल जांच करने का प्रशिक्षण दिया गया. मौके पर जल सहिया को गांव स्तर पर चल रहे जल जीवन मिशन के निर्माण कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. जल सहिया को बताया गया कि वर्तमान समय में घर-घर शुद्ध जलापूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर जल जीवन मिशन के तहत कार्य आरंभ किया गया है.

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हुई समीक्षा

पाकुड़। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरनवाल ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की के दौरान टीवी, एएनसी रजिस्ट्रेशन, एमटीसी केंद्र, कालाजार, संस्थागत प्रसव, एएनसी चेकअप, चाइल्ड इम्यूनाइजेशन समेत अन्य विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए. ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होनी चाहिए. अस्पताल में आने वाले मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए. हॉस्पिटल में बैठक, पेयजल, साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होना चाहिए.

बोकारो विस के मतदान केंद्रों का लिया जायजा

बोकारो। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने बोकारो विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 416 से 440 मतदान केंद्रों के विभिन्न भवनों का निरीक्षण बुधवार को किया. मौके पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) बोकारो सह अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) सह बीडीओ चास मिथिलेश कुमार उपस्थित थे.

मुखिया के खिलाफ वार्ड सदस्यों ने दिया आवेदन

गावां। प्रखंड स्थित अमतरो के वार्ड सदस्यों ने मुखिया के खिलाफ आवेदन देकर मनमानी करने का आरोप लगाया है. वार्ड सदस्यों का कहना है कि अमतरो की मुखिया प्रभा देवी द्वारा पिछले छह माह से पंचायत कार्यकारणी समिति की बैठक नहीं बुलाई गई है. पंचायत की अधिकांश योजनाएं ठप पड़ी है. वहीं विकास कार्य काफी प्रभावित हो रहा है. आवेदन में माधुरी कुमारी, श्रीकांत सिंह, सिवन्ती देवी, दुलारी देवी, मंगल बेसरा आदि वार्ड सदस्यों के हस्ताक्षर है.

विस्थापित क्षेत्र में कराएं सुविधा उपलब्ध : डीसी

गोड्डा। उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में ईसीएल से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई. उपायुक्त ने ईसीएल के अधिकारियों से राजमहल परियोजना अंतर्गत पेंडिंग पड़े कार्यों की जानकारी ली और ईसीएल के अधिकारियों के साथ पुनर्वासन स्थल में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विचार - विमर्श किया गया. उपायुक्त के द्वारा आरएनआर अप्रूव्ड प्लान, हुर्रासी प्रोजेक्ट अंतर्गत मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित रैयतों के पुनर्वासन को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए.

योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर की गई चर्चा

चांडिल। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने बैठक कर पंचायत राज अधिनियम के तहत योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की. बुधवार को चांडिल डैम आईबी में जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला परिषद सदस्य, प्रमुख, ग्राम प्रधान आदि शामिल हुए. मौके पर चर्चा करते हुए ग्राम सभा को सशक्त बनाने पर बल दिया गया. कहा गया कि योजनाओं का चयन भी ग्राम सभा के तहत होना चाहिए.

सुरक्षा को लेकर कोर्ट परिसर का निरीक्षण

जमशेदपुर। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने घाटशिला बार एसोसिएशन, न्यायिक दंडाधिकारी और जज के आवासीय कॉलोनी का निरीक्षण किया. इस दौरान संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये. बार एसोसिएशन भवन निरीक्षण के क्रम में बार की सुरक्षा और अन्य बिंदुओं की जांच की गई. साथ ही साथ व्यवहार न्यायालय परिसर का भी मुआयना किया.

औद्योगिक क्षेत्र नियर 7 फेज के हथियाडीह में उद्योग विस्तार का ग्रामीणों ने किया विरोध

घेराबंदी करने पहुंची जेसीबी को ग्रामीणों ने घेरा

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के नियर 7 फेज से सटे हथियाडीह में उद्योग विस्तार का हथियाडीह के ग्रामीणों ने जबरदस्त विरोध किया है. बुधवार को जमीन की घेराबंदी करने पहुंची जेसीबी को ग्रामीणों ने घेर लिया और उसे क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया. जमीन जियाडा द्वारा जमुना ऑटो प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित की गई है. इस जमीन को ग्रामीण खेल का मैदान बता रहे हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि जियाडा ने वर्षों पुरानी हथियाडीह फुटबॉल मैदान के जमीन को जमुना ऑटो प्राइवेट लिमिटेड को नए उद्योग लगाने के लिए आवंटित कर दिया है. बुधवार को जियाडा एवं जिला प्रशासन द्वारा जमीन की घेराबंदी और अन्य निर्माण कार्य शुरू हुए थे. जिसका वहां के स्थानीय ग्रामीणों द्वारा विरोध किया गया. निर्माण कार्य में लगे जेसीबी को रोक महिला एवं बच्चों ने घंटो विरोध किया. मौके पर जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी एसडीएम पारुल सिंह, डीएसपी हेडक्वार्टर चंदन वत्स समेत जिला पुलिस बल के जवान पहुंचे.

घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण और पुलिस के जवान.

खास बातें

- आरोप : खेल के मैदान उद्योग को हुए हैं आवंटित
- मौके पर पहुंचे एसडीएम और हेडक्वार्टर डीएसपी

ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से वे लोग इस जमीन को फुटबॉल मैदान के रूप में उपयोग करते रहे हैं, वहां उद्योग लगने से बच्चों के भविष्य पर इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा. बच्चों के खेलने के लिए जमीन तक नहीं बचेगी.

कंपनी अलग से मैदान बनाकर बनाने को तैयार

जमुना ऑटो प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जमीन उन्हें जियाडा द्वारा अलॉट की गई है, जहां उद्योग स्थापित होंगे. इन्होंने बताया कि ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं. जबकि अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों को पास में ही इसी जमीन के एक हिस्से को विकसित कर खेल का मैदान बनाकर देने को तैयार हैं, लेकिन ग्रामीण इस पर राजी नहीं हैं.

आओ जानें

भारत के प्रमुख बंदरगाह

नाम	समुद्र तट या खाड़ी	राज्य
मुंबई	अरबसागर	महाराष्ट्र
पारादीप	बंगाल की खाड़ी	ओडिशा
चेन्नई	बंगाल की खाड़ी	तमिलनाडु
विशाखापट्टनम	बंगाल की खाड़ी	आंध्र प्रदेश
कांडला	कच्छ की खाड़ी	गुजरात
मुर्मुगाव	अरबसागर	गोवा
न्हावाशेवा बंदरगाह (जवाहरलाल नेहरू)	अरबसागर	महाराष्ट्र
कोचीन	अरब सागर	केरल
एन्नौर	बंगाल की खाड़ी	तमिलनाडु
हल्दिया	कोलकाता-हुगलीनदी	पश्चिम बंगाल
तूतीकोरिन	बंगाल की खाड़ी	तमिलनाडु
न्यू मंगलोर	अरब सागर	कर्नाटक

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से 2026 तक के लिए एक्सटेंशन मांगा गया

समय पर पूरा नहीं हो पाएगा हर घर-नल योजना का लक्ष्य

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में केंद्र प्रायोजित हर घर-नल योजना की प्रगति रिपोर्ट खराब है. 31 अक्टूबर तक महज 44 फीसदी ही काम हो पाया है. ऐसे में तय लक्ष्य मार्च 2024 तक यह पूर्ण नहीं हो पाएगा. इसको देखते हुए पेयजल विभाग झारखंड ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से रिक्वेस्ट किया है कि इस योजना को कम से कम 2026 तक बढ़ाया जाए. यह रिक्वेस्ट मंत्री के माध्यम से विभाग ने किया है. 31 अक्टूबर तक झारखंड में तय लक्ष्य 61,69,152 लाख हाऊस होल्ड में से 27,61,859 लाख यानि की 44.77 प्रतिशत ही लक्ष्य हासिल किया जा सका है. जो राष्ट्रीय औसत 69.98 प्रतिशत से कम भी कम है.

योजना का फैक्ट फाइल और झारखंड की प्रगति :

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत हर घर को नल से पानी उपलब्ध कराने के लिए हर घर, नल-जल योजना 15 अगस्त 2019 को पूरे देश के लिए लांच किया.
- इस योजना के तहत जहां पर सरफेस वाटर (जैसे कोई जलाशय, नदी, तालाब या पोखर) हो, या फिर जहां सरफेस वाटर की व्यवस्था नहीं है, वहां पर बोरिंग करके सोलर प्लेट बेस्ड ओवर हेड टैंक बनाकर और पाइप बिछाकर हर घर तक नल से पहुंचाना लक्ष्य है.
- केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी 50-50 प्रतिशत. यानि की पूरी योजना पर केंद्र सरकार 50 और राज्य सरकार 50 प्रतिशत खर्च वहन करेगी.
- इसे पूरा करने का लक्ष्य मार्च 2024 रखा गया है.

"भले ही इसे लांच 2019 में किया गया. मगर इसके लांच होते ही दो साल कोरोना संक्रमण में कोई काम नहीं हुआ नहीं. न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश में काम नहीं हुआ. योजना पर धरातल में काम 2022 से हुआ. न केवल झारखंड ने बल्कि कई राज्यों ने इसकी अवधि विस्तार देने की मांग केंद्र से की है. झारखंड ने मंत्री-सचिव के माध्यम से एक सप्ताह पहले केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय को इसका विस्तार 2026 तक करने का निवेदन किया है.

(रघुनंदन शर्मा, इंजीनियर इन चीफ, पीएचईडी)

जिलावार प्रगति स्टेट्स (31 अक्टूबर 2023 तक)

जिला	लक्ष्य	अब तक हुआ पूरा	प्रतिशत
सिमडेगा	1,30,075	89,817	69.05
रामगढ़	1,42,942	96,097	67.23
लातेहार	1,79,880	1,10,938	61.67
गिरिडीह	4,82,514	2,77,474	57.51
पश्चिम सिंहभूम	3,29,576	1,86,064	56.46
चतरा	2,20,382	1,18,102	53.59
गुमला	2,04,972	1,08,805	53.08
गढ़वा	3,02,010	1,53,287	50.76
रांची	4,47,181	2,21,147	49.45
लोहरदगा	91,252	44,122	48.35
बोकारो	3,16,277	1,51,006	47.75
हजारीबाग	3,36,956	1,56,026	46.31
दुमका	2,93,373	1,35,509	46.19
धनबाद	2,78,718	1,24,155	44.55
खूंटी	1,18,881	51,282	43.14
सरायकेला-खरसांवा	1,83,862	78,363	42.62
देवघर	2,88,769	1,22,951	42.58
कोडरमा	1,45,359	59,242	40.76
साहेबगंज	2,80,639	1,07,251	38.22
पूर्वी सिंहभूम	3,53,062	1,25,247	35.48
पलामू	3,64,301	1,20,677	33.13
जामताड़ा	1,48,554	43,821	29.50
गोड्डा	3,02,773	55,035	18.18
पाकुड़	2,26,938	25,441	11.21
कुल	61,69,252	27,61,859	44.77

103 कर्मचारियों को सौंपा पदोन्नति पत्र

संवाददाता। बेरमो

सीसीएल कथारा क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष कोल इंडिया का 49वां स्थापना दिवस मनाया गया. इस अवसर पर सीसीएल कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने झंडोतोलन किया और सभी कर्मियों को बधाई दी. इसके बाद 103 कर्मचारियों को पदोन्नति पत्र भी सौंपा गया. मौके पर उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम विश्व की सबसे बड़ी कोयला कंपनी के कर्मचारी हैं, जो निर्बाध गति से कोयला आपूर्ति कर देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है. हमारे खनिकों ने कोविड जैसी विषम परिस्थिति में भी देश को ऊर्जा मुहैया कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. लगातार कोयला कर्मी इसी तरह लगन निष्ठा के साथ काम करेंगे और कोल इंडिया जो मिनिरत्न कंपनी है उसे बरकरार रखेंगे.

मगध परियोजना में कोल इंडिया का स्थापना दिवस

बालूमाथ। सीसीएल के मगध परियोजना में कोल इंडिया का 49वां स्थापना दिवस मनाया गया. समारोह की शुरुआत खान प्रबंधक मो. अकरम ने ध्वजारोहण और कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत के साथ किया. खान प्रबंधक ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी. मौके पर उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती ऊर्जा जरुरतों को काफी हद तक केवल कोयले से ही पूरा किया जा सकता है. यह किफायती लागत पर सुनिश्चित ऊर्जा प्रदान करता है. उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्पादन लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने सभी कर्मचारियों और हितधारकों से कंपनी के विकास और ऊर्जा सुरक्षित राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने और भाग लेने का आह्वान किया.

सूर्य प्रताप सिंह ने किया कार्यक्रम का संचालन : स्थापना दिवस पर महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष (कार्मिक) जयंत कुमार, उप प्रबंधक (सीएसआर) चंदन कुमार, क्षेत्रीय सलाहकार समिति के सदस्य इकबाल अहमद, अनूप स्वाइं, पीके जायसवाल, प्रदीप कुमार, मथुरा सिंह यादव, सचिन कुमार, शम्शुल हक और इंमोसा से हेमंत कुमार शामिल हुए. कार्यक्रम का संचालन सूर्य प्रताप सिंह ने किया.

एसोसिएशन ने हर्ल यूनिट प्रभारी से की मुलाकात

सिंदरी। सिंदरी की बुनियादी सुविधाओं पर एफसीआई वीएसएस इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन ने हर्ल सिंदरी यूनिट इंचार्ज उपाध्यक्ष सुरेश प्रमाणिक से बुधवार को मुलाकात की. उन्होंने छः मुद्दों को लेकर उनसे चर्चा की. इसपर हर्ल यूनिट प्रभारी ने बताया कि इन मुद्दों पर विचार किया जाएगा. एसोसिएशन अध्यक्ष सेवा सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सिंदरी के छः मुद्दों को लेकर हर्ल प्रबंधन से मुलाकात की गई है. इनमें सिंदरी में पानी के लिए जलमीनार तक समानांतर पाइपलाइन की व्यवस्था की जाए, आदि के लिए वार्ता की गई. बैठक में अध्यक्ष सेवा सिंह, उमाशंकर सिंह, आर सी प्रसाद, सुनील कुमार सिन्हा, सुरेंद्र प्रसाद शाह ने भाग लिया.

जेएनएसी ने जुबली पार्क गेट के सामने से हटाया अतिक्रमण

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) और टाटा स्टील यूआईएसएल (पुराना नाम जुस्को) की टीम ने जुबली पार्क गेट के पास बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इस दौरान टैगोर अकादमी की चहारदीवारी के आसपास अनाधिकृत रूप से लगाए गए चार-पांच ठेलों को टीम ने जब्त कर लिया.

मिली जानकारी के अनुसार यहां कुछ स्थानीय युवकों द्वारा पैसे लेकर ठेले लगवाए गए थे. इसकी शिकायत टाटा स्टील यूआईएसएल और जेएनएसी को मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई की गई. यहां कुछ दुकानदारों ने हल्का विरोध भी किया लेकिन उनकी एक न चली. वैसे साकची बंगाल क्लब से लेकर जुबली पार्क गेट तक पूर्व से कई ठेले यहां लगाए जाते हैं, जिन्हें खुद जेएनएससी के द्वारा परमिशन दिया गया है लेकिन अब नए सिरे से ठेला लगाए जाने की शिकायत मिलने पर जिला प्रशासन और टाटा स्टील ने कड़ी कार्रवाई शुरू की है.

राशन नहीं मिलने से नाराज कार्डधारियों ने किया विरोध

संवाददाता। डुमरिया

प्रखंड अंतर्गत बादलगोड़ा, कालियामकोचा, दुबलाबेड़ा, रांगामाटिया और बादलकोचा के राशन कार्डधारियों को अंगुठा पंचिंग कराने के बाद दो माह का राशन नहीं दिया गया. इससे आक्रोशित कार्डधारियों ने प्रखंड कार्यालय में राशन दुकानदार बिदू ओमोंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. प्रभारी बीडीओ चंचला कुमारी को ज्ञापन सौंपा. कार्डधारियों ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर माह में राशन दुकानदार द्वारा पंचिंग कराया गया. उसके उपरांत राशन का वितरण नहीं किया. कार्डधारियों ने प्रभारी बीडीओ चंचला कुमारी से बकाया दो माह का राशन दिलाने की मांग की. मौके पर सानो हेंब्रम, लखींद्र सरदार, महीराम सरदार, पुलीन सरदार, तोरी देवगम, कुंवर हांसदा, सीताराम हेंब्रम, तुरी पूर्ति, संतोष सरदार, लालसिंह सरदार और आदि उपस्थित थे.

स्ट्रीट लाइट व हाईमास्ट लाइट बंद, लोग परेशान

बहरागोड़ा। प्रखंड क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी चौक में स्थित हाई मास्ट लाइट विगत चार माह से भी अधिक समय से बंद है. साथ ही एनएच 18 व एनएच 49 में लगे स्ट्रीट लाइट भी कई माह से बंद हैं. इससे राहगीरों को अंधेरे में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं चौक में अवस्थित सोलर हाई मास्ट लाइट बंद होने से परेशानी और बढ़ गई है. इसी चौक से रोजाना आसपास के ग्रामीण रात को दूरगामी बस पकड़ कर आना-जाना करते हैं. इसमें महिलाओं से लेकर बच्चों तक को अंधेरे में खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता है. चौक में अंधेरा रहने के कारण खड़े रहने वाले लोगों को सांप, बिच्छू का भी डर सताता रहता है. विभागीय पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि का इस ओर ध्यान नहीं देने से लोगों में काफी आक्रोश है.

क्वार्टर तोड़ने का विरोध, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा मोटर्स द्वारा आजाद मार्केट के सामने कंपनी क्वार्टर तोड़े जाने के विरोध में कान्वाई चालक संघ ने बुधवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंप कर कंपनी द्वारा अवैध रुप से क्वार्टर को तोड़ने के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की. इस संबंध में संघ के नेता ज्ञानसागर प्रसाद ने कहा कि टाटा मोटर्स द्वारा अपना स्टॉक यार्ड बनाने के लिए आजाद मार्केट के सामने स्थित कंपनी क्वार्टर तोड़ने के लिए कर्मचारियों को नोटिस दिया गया है. जिससे कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है.

दुकानदारों के समक्ष हो सकती है भुखमरी की स्थिति : प्रसाद ने कहा कि स्टॉक यार्ड बनाने के लिए टाटा मोटर के पास हुडको एवं जोजोबेड़ा में बहुत जमीन रहने के बावजूद आजाद मार्केट के समाने के कंपनी क्वार्टर को तोड़ने का निर्णय लिया गया है. क्वार्टर के टूटने से सैकड़ों दुकानदारों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी. यहां कई वर्षों पुराना शिव मंदिर है, महत्वपूर्ण टेल्को गुरुद्वारा, तार कंपनी गुरुद्वारा है, बच्चों के लिए प्रमुख स्कूल शिक्षा निकेतन, लेडी इंदर सिंह, गुलमोहर, गुरुद्वारा हाई स्कूल के साथ सबूत कल्याण संघ हैं.

क्वार्टर के टूटने से यह क्षेत्र विरान हो जाएगा. ज्ञानप्रसाद ने कहा कि इस संबंध में ना तो यूनियन द्वारा कोई आवाज उठाया जा रहा है और ना ही कोई राजनीतिक दल द्वारा ही कुछ बोला जा रहा है. कान्वाई चालक पूरी ताकत के साथ कंपनी के इस कार्य का विरोध करेगा. मुख्यमंत्री को भी इससे अवगत कराया जाएगा. प्रतिनिधि मंडल में हरिशंकर प्रसाद, वीरेंद्र पाठक, विवेक कुमार, बीके राय, भगवान सिंह, संतोष कुमार, त्रिलोचन सिंह, आईबी राजू शामिल थे.

ज्ञापन सौंपने के क्रम में संघ के सदस्य.

गोलमुरी पुलिस लाइन में सीढ़ियों से गिरकर आरक्षी की मौत

जमशेदपुर। गोलमुरी थाना अंतर्गत पुलिस केंद्र में सीढ़ियों से गिरकर बुधवार को आरक्षी जोहन सिंह (39) की मौत हो गई. जोहन मूल रूप से पलामू जिले के लेसलीगंज का रहने वाला था और जमशेदपुर जिला पुलिस बल में तैनात था. वह सुबह 8 बजे सीढ़ियों से उतर रहा था इसी दौरान सीढ़ियों से गिर पड़ा. सहकर्मियों ने उसे आनन-फानन में टीएमएच पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है. इधर, घटना के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया. जोहन सिंह के पार्थिव शरीर को गोलमुरी पुलिस केंद्र ले जाया जाएगा जहां उसे गार्ड ऑफ ऑनर दिया जायेगा. परिजन शव को अपने साथ गांव लेकर चले जायेंगे.

बदलाव — फूलो झानो आशीर्वाद योजना से जुड़कर जानो गोडसेरा ने बदली जिंदगी

हड़िया बेचना छोड़ शुरू की आजीविका, 75 हजार हुई आय

संवाददाता । आदित्यपुर

फूलो झानो आशीर्वाद योजना से जुड़कर सरायकेला जिले की धोबोडीह गांव की महिला जानो गोड़सेरा ने अपनी जिंदगी बदल डाली है. आज वह हड़िया-दारू बेचना छोड़कर आजीविका से जुड़ी हैं और बत्तख पालन कर 75000 हर वर्ष कमा रही है. वो कहती हैं कि फूलो झानो आशीर्वाद योजना ने उसकी जिन्दगी बदल कर रख दी है.

जानो गोड़सेरा एक वर्ष पूर्व सेचा सुविधा एसएचजी ग्रुप से जुड़ी थी. वह गोविंदपुर आजीविका महिला संकुल संगठन की सदस्य बनी. दरअसल जानो गोडसोरा को फूलो झानों योजना का लाभ मिला है. वो कहती हैं कि एसएचजी ग्रुप में शामिल होने से पहले मैं एक साधारण गृहणी थी. गांव में मजदूरी करती थी. परिवार में पति-पत्नी दो बच्चे हैं. अकेले पति की कमाई से बहुत मुश्किल से घर चलता था. तब वह 2016 में महिला समूह से जुड़ी. जानो गोड़सेरा कहती हैं कि एसएचजी ग्रुप में शामिल होने के बाद मैंने समूह से 10,000 का ऋण लिया और उस पैसे से हमने बत्तख एवं मुर्गी पालन आरंभ किया. गांव की आजीविका पशु सखी से समय-समय पर टीकाकरण और दवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की.

खास बातें

- गांव की दूसरी महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा स्रोत
- एसएचजी ग्रुप में शामिल होकर लिया 10,000 रुपये का ऋण
- पशु सखी से समय-समय पर ली टीकाकरण की जानकारी

आजीविका के लिए बड़ा बत्तख 1500 प्रति पीस और छोटे बत्तख 500 प्रति पीस के हिसाब से एवं अंडे 10 दर से बेचते हैं. देसी मुर्गी 450 के दर से बेचकर सालाना 75000 तक आमदनी हो रही है. वो बताती हैं कि समूह में जुड़ने से पहले अनेक तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता था. ग्राहकों के गंदे व्यवहार का भी सामना करना पड़ता था.

गांव में दीदी के परिवार को सम्मान के दृष्टि से नहीं देखा जाता है. योजना से जुड़ने के बाद हड़िया- दारु बेचना छोड़ दिया. अब आजीविका गतिविधियों से जुड़कर सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रही हूं.

3 दिन हड़ताल : 7, 8 और 9 नवंबर को रहेगी बिजली गुल

संवाददाता। आदित्यपुर

7, 8, 9 नवंबर को विद्युतकर्मी बिजली गुल करेंगे. यह घोषणा झारखंड राज्य बिजली कामगार यूनियन ने बुधवार को की है. यूनियन के सदस्यों ने बुधवार को विद्युत अधीक्षण अभियंता कार्यालय आदित्यपुर पर 20 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन कर प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी है. प्रथम चरण में 3 दिवसीय हड़ताल पर जाने की घोषणा की है. बार-बार केवल बिजली बोर्ड वार्ता करती है, लेकिन उसे इम्प्लीमेंट नहीं करती है. कई बार एग्रीमेंट किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

इसको लेकर यूनियन के महामंत्री रामकृष्णा सिंह ने कहा कि वे मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखेंगे कि राज्य की स्थापना दिवस पर 50 फीसदी मांगों को भी पूरा करें तभी कर्मचारियों को हम समझा सकेंगे. प्रेसवार्ता में महामंत्री रामकृषणा सिंह, सह महामंत्री के एन सिंह, मुकुल, चंद्र किशोर पासवान, सुनील सिंह, कय्यूम अंसारी, अगस्त गोप, राजकुमार, गोपेश कुमार, उज्जवल मिश्रा, राखी कुमारी आदि शामिल थे.

उन्होंने बताया कि उनकी मुख्य मांग 6 फीसदी ऊर्जा भत्ता, डेजिंगनेशन मैपिंग में सुधार, ग्रेजुएट कर्मचारियों को लिपिक में पदोन्नति, 10 साल से बंद ओवर टाइम शुरू करना, हेड लाइन मेन को ग्रेड पे का लाभ देना जैसी मांगें शामिल हैं. इस हड़ताल में यूनियन के पूरे राज्य के करीब 4 हजार बिजली कर्मी शामिल होंगे.

▼ ब्रीफ खबरें

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, एक घायल

चाकुलिया । चाकुलिया-धालभूमगढ़ मुख्य सड़क पर सुनसुनिया जंगल में बुधवार सुबह जोड़िशा से अपने घर भातकुंडा जा रहे बाइक सवार नकुल नायक (28 वर्ष) सड़क दुर्घटना में घायल हो गये. बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई. संयोग था कि नकुल नायक बाइक से कूद गया. नकुल नायक ने बताया कि वह जोड़िसा अपने रिश्तेदार के घर आया था. सुबह वह अपने घर जा रहा था, तभी बाइक अनियंत्रित हो गई और साल पेड़ से टकरा गई. इससे वह घायल हो गया.

रेलवे ट्रैक से सिर कटा शव बरामद

लातेहार । बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड के बरवाडीह थाना क्षेत्र के उकामाड़ गांव के घोराकराम टोला में रेलवे ट्रैक (254/6/8) से एक युवक का सिर कटा शव बरामद हुआ है. सूचना मिलने पर बरवाडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुटी है. आसपास के क्षेत्रों में गुमशुदा लोगों की तलाश की जा रही है. अभी तक शव की पहचान नहीं हो पायी है. उसने कत्थे रंग की हाफ पैंट पहने हुए है.

बोकारो में चेन छिनतई का आरोपित गिरफ्तार

बोकारो । शहर थाना पुलिस ने चेन छिनतई के मामले के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है. साथ ही उसके पास से चोरी की गई 6 ग्राम सोने की चेन के साथ एक काला रंग के बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी बरामद हुआ है. इस संबंध में सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 19 सितंबर को सेक्टर 3ए के आवास संख्या 767 निवासी संतोष वर्णवाल की पत्नी से सोने के चेन छीन ली गई थी. गिरफ्तार आरोपित मोहनडीह गांव निवासी शहादत अंसारी है.

मैक्स पिकअप के धक्के से दो घायल

चक्रधरपुर । गोईलकेरा थाना क्षेत्र के महादेवशाल अंडरपास में एक मैक्स पिकअप मालवाहक गाड़ी के धक्के से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है की डेरुवां से मोटरसाइकिल पर शंकर सिंह व विक्रम हेम्ब्रम दो व्यक्ति गोइलकेरा की ओर जा रहे थे. इसी दौरान मनोहरपुर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार मैक्स पिकअप मालवाहक गाड़ी ने मोटरसाइकिल को धक्का मार दिया. इससे मोटरसाइकिल सवार दोनों व्यक्ति गिरकर गंभीर रूप घायल हो गए.

वैन ने दो मजदूर को मारा धक्का, घायल

घाटशिला । गालूडीह थाना क्षेत्र के उल्दा गांव के समीप बुधवार को फोरलेन के डिवाइडर पर पेंटिंग का काम कर रहे मजदूर के ऊपर वैन से धक्का लगने के कारण दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों घायलों को तत्काल अनुमंडल अस्पताल लाया गया. अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आर एन सोरेन प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. डिवाइडर पर 9 मजदूर काम कर रहे थे.

पुलिस के हत्थे चढ़ा अवैध लॉटरी का कारोबारी

हजारीबाग । हजारीबाग पुलिस ने बुधवार की शाम पेलावल थाना अंतर्गत लॉटरी के अवैध व्यापारी को लेकर हिरासत में लिया है. साथ ही उसके परिवार के कुछ सदस्यों और कंप्यूटर ऑपरेटर को भी पकड़ा. पूछताछ के बाद उस पर कार्रवाई की तैयारी की जाने की बात कही जा रही है. हालांकि इस बात की पुष्टि पेलावल थाना पुलिस नहीं कर रही है. जानकारी के अनुसार हजारीबाग क्षेत्र में सबड़ा अवैध लॉटरी का गोरखधंधा चलता है. इसके तार दूर-दूर तक फैले हुए हैं.

दवा समझकर खा लिया कीटनाशक, मौत

गोड्डा । मेहरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिघाड़ी गांव में अपने ससुराल आए एक युवक ने सिर दर्द होने पर अनजाने में कीटनाशक दवा खा ली. हालत बिगड़ने पर परिजन उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. सूचना पर सहायक अवर निरीक्षक नंदीजी यादव अस्पताल पहुंचे और मृतक की पत्नी रेखा देवी से घटना की जानकारी ली. मृतक मनोज मंडल (40) साल का था.

युवक की हत्या मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार, गए जेल

संवाददाता । जमशेदपुर

परसुडीह थाना अंतर्गत गदड़ा में आशु केवट (22) नामक युवक की चाकू मार कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया. गिरफ्तार आरोपियों में गदड़ा बिहारी टोला का रहने वाला सूरज जायसवाल और उसका भाई शुभम जायसवाल शामिल है.

मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि मामूली विवाद में दोनों भाइयों ने मिलकर आशु केवट की हत्या कर दी थी. वहीं, उसके साथी भोला पूर्ति उर्फ नायडू पर भी चाकू से हमला किया था. घटना के बाद दोनों फरार हो गए थे. बाद में छापामारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया.

मामले का खुलासा करते सिटी एसपी.

क्या था पूरा मामला

सिटी एसपी ने बताया कि 30 अक्टूबर की रात सूरज जायसवाल बाहर से घर लौट रहा था. तभी उसने देखा कि आशु केवट और भोला पूर्ति ट्रांसफार्मर से बिजली का फेज चेंज कर रहे है. यह देख सूरज ने उन्हें लाइन कटने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी. इसे लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया. इतने में सूरज का छोटा भाई शुभम वहां चाकू लेकर पहुंचा और दोनों ने मिलकर आशु केवट की छाती पर चाकू से हमला कर दिया. बीच बचाव करने आये भोला पर भी चाकू से वार किया गया, जिससे दोनों जख्मी हो गए. घटना के बाद दोनों घायलों को सदर अस्पताल ले जाया गया. जहां से टीएमएच रेफर कर दिया गया. वहां से आशु को रिम्स भेज दिया गया, जहां इलाज के क्रम में 31 अक्टूबर की सुबह चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. छापेमारी दल में थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा, एसआई रवींद्र सिंह, अरुण कुमार महतो समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे.

आओ जानें

देश में सीनियर सिटीजन के साथ कितने हुए अपराध

आंध्रप्रदेश	: 2430	मध्यप्रदेश	: 4184
अरुणाचल प्रदेश	: 3	महाराष्ट्र	: 6163
असम	: 2	मणिपुर	: 10
बिहार	: 251	ओडिशा	: 157
छत्तीसगढ़	: 1349	पंजाब	: 228
गोवा	: 40	राजस्थान	: 437
गुजरात	: 4088		
हरियाणा	: 384		
हिमाचल प्रदेश	: 166		
झारखंड	: 9		
केरला	: 683		

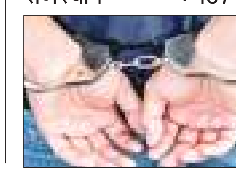

हर माह 12 लूट और 140 दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं राज्य में

झारखंड में हर महीने हो रही 150 लोगों की हत्या

सौरभ सिंह । रांची

राज्य के डीजीपी हर महीने जिले के एसपी के साथ अपराध नियंत्रण की समीक्षा बैठक कर रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ झारखंड में हर महीने 150 लोगों की हत्या, 12 लूट और 140 लोगों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं. पिछले आठ महीने के दौरान राज्य के अलग-अलग जिलों में 1196 हत्या, 1097 दुष्कर्म, 348 लूट, 21 फिरौती के लिए अपहरण और 77 डकैती की घटनाएं हुई है.

संगठित आपराधिक गिरोह के निशाने पर झारखंड के कारोबारी : झारखंड के कारोबारी संगठित आपराधिक गिरोह के निशाने पर हैं. आये दिन अलग-अलग कारोबार से जुड़े लोगों की हत्याएं हो रही है या फिर उनसे लेवी की मांग की जा रही है. लेवी का पैसा नहीं देने पर कारोबारियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है. इन अपराधियों के निशाने पर सबसे अधिक कोल परियोजना और रेलवे साइडिंग से जुड़े कोयला कारोबारी हैं. पिछले कुछ महीनों की बात करें तो कोयला और अन्य कारोबार से जुड़े लोगों से लेवी वसूली की कई घटनाएं सामने आयी है. लेवी नहीं देने पर कई लोगों की गोली मारकर हत्या भी कर दी गयी. इसके अलावा अलग-अलग आपराधिक संगठनों ने वर्चस्व बनाने के लिए गोलीबारी की घटनाओं को भी अंजाम दिया.

आपराधिक गिरोह में अहम भूमिका निभा रहे हैं बिहार, छत्तीसगढ़ व बंगाल के अपराधी : झारखंड में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोह में बिहार, छत्तीसगढ़ और बंगाल के 28 अपराधी अहम भूमिका निभा रहे हैं. ये सभी अपराधी अखिलेश सिंह, अमन साहू, अमन सिंह, प्रिंस खान, अमन श्रीवास्तव और भोला पांडेय गिरोह से जुड़े हुए हैं. इनमें से सबसे अधिक अमन साहू और अखिलेश सिंह गिरोह में दूसरे राज्य के अपराधी जुड़े हुए हैं.

ये प्रमुख आपराधिक गिरोह हैं सक्रिय

- अखिलेश सिंह : जमशेदपुर
- अमन साहू : रांची, लातेहार, रामगढ़ और हजारीबाग.
- अमन सिंह : धनबाद, बोकारो.
- अमन श्रीवास्तव : रामगढ़, हजारीबाग, लातेहार.
- प्रिंस खान : धनबाद.
- विकास तिवारी : रामगढ़ और हजारीबाग.
- सुजीत सिन्हा : लातेहार और पलामू.

हाल के महीनों में हुई हत्या व गोलीबारी की घटनाएं

- 23 जनवरी 2023 : रामगढ़ जिला के भुरकुंडा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने कोयला कारोबारी गज्जू साहू की गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग की थी.
- 22 जनवरी 2023 : धनबाद के कतरास में अपराधियों ने कोयला कारोबारी मनोज यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी.
- 15 मार्च 2023 : धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के बागसुमा बहादुरपुर निवासी कोयला कारोबारी बंटी चौधरी के आवास पर अपराधियों ने गोलीबारी की थी.
- 09 मई 2023 : हजारीबाग के बड़कागांव स्थित ऋत्विक कंपनी के प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर शरत कुमार की अमन साहू गिरोह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी.
- 14 सितंबर 2023 : रांची शहर के कांके इलाके में अपराधियों ने जमीन कारोबारी अवधेश कुमार पर अंधाधुंध फायरिंग की थी. उन्हें सात गोलियां मारी गई थी.
- 29 अक्टूबर 2023 : धनबाद के बैंक मोड़ के पास मोटर पार्ट्स कारोबारी को अपराधियों ने मारी गोली.
- 24 अक्टूबर 2023 : कड़ी सुरक्षा के बीच अपराधियों ने कोतवाली थाना क्षेत्र के किशोरगंज चौक पर दिनेश सिंह उर्फ बिक्की नाम के युवक को गोली मार दी थी.
- 19 अक्टूबर 2023 : राजधानी रांची में दुर्गा पूजा की सुरक्षा को धत्ता बताते हुए अपराधियों ने इटकी थाना क्षेत्र के गड़गांव में तीन युवकों दीपक सिंह, भोमा सिंह और नरेश को गोली मारी थी.
- 01 अक्टूबर 2023 : रांची के लापुंग थाना क्षेत्र के हुलसू गांव में अपराधियों ने एके-47 से फायरिंग कर बालू कारोबारी राजेश साहू की हत्या कर दी थी, जबकि इस घटना में सहयोगी संदीप घायल हो गए थे. इस मामले में किसी अपराधी की गिरफ्तारी नहीं हुई है.
- 28 सितंबर 2023 : रांची के ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के उर्गुटू की घटना में अज्ञात अपराधियों ने वहां के पूर्व मुखिया पर हमला किया. हत्या के इरादे से किये हमले में अपराधियों को कामयाबी नहीं मिली. मिस फायर होने से पूर्व मुखिया की जान बाल-बाल बची. मौके से पुलिस को एक जिंदा गोली मिली थी.
- 27 सितंबर 2023 : रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र के एलएन मिश्रा कॉलोनी के अपराधियों ने मनीष कुमार नाम के युवक को गोली मार दी थी. इस मामले में अपराधी गिरफ्तार हो चुके हैं.

बगड़ू थाना क्षेत्र के निरहू करंज मोड़ के पास मिला शव

सड़क किनारे मिला छात्रा का शव

संवाददाता । लोहरदगा

जिले के बगड़ू थाना क्षेत्र के निरहू करंज मोड़ के पास बुधवार को सड़क किनारे एक छात्रा का शव मिला है. शव की पहचान निरहू गांव निवासी मोकिम खान की बेटी रुफी खातून (12 वर्ष) के रूप में हुई है. ग्रामीणों ने बुधवार सुबह सड़क के किनारे छात्रा का शव देखा. इसके बाद बगड़ू थाना की पुलिस को इसकी जानकारी दी.

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया. छात्रा की हत्या की गई है या फिर उसने आत्महत्या की है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी छात्रा

जानकारी के अनुसार रुफी खातून कक्षा 8 (सरकारी स्कूल) की छात्रा थी. वह मंगलवार को घर में स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी. दोपहर में उसकी छुट्टी हो जाती थी. परिजन उसके लौटने का इंतजार करते रहे. लेकिन रात तक वह घर नहीं आयी. परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की. लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया. वहीं बुधवार सुबह उसका शव सड़क किनारे से बरामद किया गया.

हथियार के साथ चार बदमाश गिरफ्तार

चतरा । पुलिस ने पिस्टल के साथ चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सदर थाना क्षेत्र के छोटकी देवरीया से सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में आदित्य यादव, बब्लू यादव, श्रवण प्रजापति और प्रदीप यादव शामिल है. सभी अपराधी सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं. एसपी राकेश रंजन को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि छोटकी देवरिया स्थित बब्लू यादव के घर में कुछ लड़के पिस्टल के साथ आपराधिक घटना को अंजाम देने की प्लानिंग कर रहे हैं. जिसके बाद सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बब्लू यादव के घर पर छापेमारी की और चार अपराधियों को देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया.

लॉ कॉलेज की छात्रा की मां से मारपीट, एसपी से शिकायत

संवाददाता । जमशेदपुर

को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में फाइल इयर की छात्रा स्वेता महतो की मां को कॉलेज के शिक्षक द्वारा थप्पड़ मारने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है. इस मामले को लेकर छात्रा बुधवार को एसएसपी कार्यालय पहुंची और लिखित शिकायत की. छात्रा ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है. मामले को लेकर छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल छात्र नेता हेमंत पाठक के नेतृत्व में एसपी के पास पहुंचा था. छात्रा ने बताया कि कॉलेज ने बिना किसी पूर्व सूचना के कोल्हान विवि द्वारा तय वायवा की तिथि को बदल कर 13 अक्टूबर कर दिया, तय तिथि के समय वह शहर से बाहर थी.

वापस लौटी तब तक वायवा की तिथि बीत चुकी थी. छात्रा ने कहा कि वे परीक्षा नियंत्रक के कहने पर पुनः वायवा कराने की अनुमति देने की मांग को लेकर प्राचार्य के पास गयी थी. इसी दौरान कॉलेज के शिक्षक संजीव कुमार बिरुली उनका वीडियो बनाने लगे. मना करने पर शिक्षक ने मां से मारपीट की. इस घटना में स्वेता की मां को कान में चोट आई है. छात्रा ने आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की है.

पांच लाख का अफीम बरामद, दो गिरफ्तार

संवाददाता । हजारीबाग

गुप्त सूचना के आधार पर हजारीबाग पुलिस ने अफीम के दो अवैध कारोबारियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत जबरा तालाब, इंटर साइंस कॉलेज के समीप अफीम की बिक्री करने के उद्देश्य से आ रहे हैं. सूचना पर हजारीबाग एसपी मनोज रतन चोथे के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया. छापेमारी दल ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा. उनके पास से एक हरे रंग के प्लास्टिक में नशीले मादक पदार्थ अफीम करीब 1.7 किग्रा बरामद हुआ. इस संबंध में दोनों व्यक्तियों से पूछे जाने पर बताया गया कि वह खूंटी में अफीम की खेती कर बिक्री करते हैं. बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब पांच लाख रुपए प्रति किग्रा आंकी गई है. दोनों आरोपी लोहर मुंडा और मगन सिंह मुंडा खूंटी जिले के रहने वाले हैं.

मनोहरपुर में आपसी रंजिश में वृद्ध की हत्या, आरोपी फरार

संवाददाता । मनोहरपुर

मनोहरपुर थाना में आपसी रंजिश में एक वृद्ध की हत्या कर दी गई है. घटना मनोहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव अरवाकोचा बोदरा टोला की है. विदित हो कि मृतक 81 वर्षीय सेलाई बोदरा व उसी टोला के 40 वर्षीय व्यक्ति विशु बोदरा के साथ मंगलवार करीब 8:30 बजे रात आपसी रंजिश के चलते दोनों में कहा सुनी हो गई. इस दौरान विशु बोदरा ने उस पर डंडे से सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इससे उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई.

मौके से विशु बोदरा फरार हो गया. बुधवार की सुबह घटना की सूचना पाकर मनोहरपुर पुलिस घटनास्थल अरवाकोचा बोदरा टोला पहुंची और मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया है. मनोहरपुर पुलिस मृतक की पत्नी बुधनी जामुदा के फर्द बयान पर हत्याकांड का मामला दर्ज किया है. वहीं, इस हत्याकांड में अभियुक्त फरार विशु को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस सभी संभावित ठिकानों में छापामारी कर रही है. जानकारी के मुताबिक मृतक सेलाई बोदरा और विशु बोदरा दोनों मृतक के भतीजा सिकंदर जामुदा के घर के बाहर रात में हंडिया पी रहा था. इसी दौरान मृतक की पत्नी बुधनी जामुदा भी वहां आ गई. हंड़िया पी रहे पति सेलाई बोदरा और विशु बोदरा दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो रही है. इस दौरान विशु बोदरा ने सामने रखे डंडे से सेलाई बोदरा के सिर पर वार कर दिया. इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

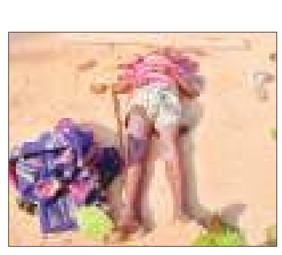

छह राज्य मिलकर साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए बनाएंगे रणनीति

रांची । रांची में छह राज्य मिलकर साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए सात और आठ नवंबर को रणनीति बनाएंगे. बैठक में झारखंड पुलिस के साथ-साथ बिहार, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और यूपी पुलिस के अधिकारी शामिल होंगे. बैठक के दौरान झारखंड के सभी क्षेत्रीय डीआईजी अपने-अपने क्षेत्राधिकार के जिलों में की गई कार्रवाई की जानकारी देंगे. साथ ही साइबर अपराध पर नकेल कसने व सजा दिलाने की पहलुओं पर विस्तृत चर्चा होगी. बैठक में पुलिस के जांच पदाधिकारियों के साथ न्यायिक पदाधिकारी भी शामिल होंगे. झारखंड सीआईडी की टीम ने झारखंड और संबंधित राज्यों से जुड़े साइबर अपराधियों का डोजियर तैयार किया है. डोजियर को बैठक में भाग लेने वाले संबंधित राज्यों को सौंपा जाएगा. इसी तरह दूसरे राज्यों की पुलिस भी राज्य के उन साइबर अपराधियों की सूची सौंपेगी, जो झारखंड से दूसरे राज्यों में साइबर अपराध को अंजाम देते हैं.

नकटी गांव के खेत में मिला एक युवक का शव, हड़कंप

संवाददाता । चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड की कराइकेला थाना क्षेत्र के नकटी गांव स्थित धान की खेत में एक युवक का शव बुधवार को मिला. बताया जाता है की नकटी छऊ नृत्य मैदान के समीप खेत में ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा. इसके बाद इसकी सूचना पंचायत के मुखिया मिथुन गागराई को दी.

सूचना मिलने पर मुखिया व स्थानीय संख्या में ग्रामीण शव देखने पहुंचे. जहां शव की पहचान नकटी गांव निवासी 20 वर्षीय नित्यानंद गागराई के रूप में की गई. वहीं मौके पर पुलिस ने शव उठाकर चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. इधर, मामले कराईकेला थाना के अधिकारियों ने बताया कि युवक की हत्या गले में रस्सी डालकर व गला दबाकर की गई. मामले को लेकर जांच-पड़ताल की जा रही है. वहीं, नित्यानंद गागराई युवक की एक और क्षेत्र में चर्चा है कि किसी युक्ति के साथ कुछ दिनों पहले छेड़छाड़ की गई थी जिसके कारण युवक की हत्या की गई है.

महिला ने ट्रेन से कट कर ली खुदकुशी

देवघर । जसीडीह-रोहिणी स्टेशन के बीच अमरपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक से महिला का शव बरामद हुआ. जसीडीह स्टेशन प्रबंधक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पायी है. पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला मान रही है.

ईंट कारोबारी से लूट मामले में 3 गिरफ्तार

देवघर । हथियार के बल पर ईंट कारोबारी से नकदी लूटने वाले अपराधियों में 3 देवघर पुलिस के हत्थे चढे.हैं. देवघर पुलिस की ओर से बुधवार के दिन प्रेस वार्ता कर इनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की गई हैं. पकड़े गए अपराधियों में मुस्कान खातून उर्फ मुस्कान खातून उर्फ मुस्कान खान कुशवाहा, देवानंद कुशवाहा उर्फ देवा कुशवाहा और अजहरुद्दीन शेख शामिल हैं. इनमें से अजरुदीन नगर थाना क्षेत्र के हिरणा का रहने वाला है. पुलिस गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ कर रही है.

शिकंजा सप्ताह में तीन दिन थाना प्रभारी करेंगे पैदल मार्च, सुरक्षा का करायेगी एहसास

शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पैदल गश्त शुरू

संवाददाता । जमशेदपुर

जिला पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए कार्रवाई शुरू की गई है. इसके तहत शहरी इलाकों के थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में पैदल गश्त करेंगे. इसके लिए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने निर्देश जारी किया है. बुधवार को खुद सिटी एसपी साकची गोलचक्कर पहुंचे और इस अभियान की शुरुआत की.

इस दौरान किनारे खड़े ऑटो चालकों को फटकार लगाईं गई और जुर्माना वसूला गया. उनके साथ साकची थाना प्रभारी संजय कुमार व थाना के पुलिस बल मौजूद थे. सिटी एसपी ने बताया कि लोगों में पुलिस के प्रति सुरक्षा का भाव बढ़ाने और असामाजिक तत्वों में भय का माहौल पैदा करने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया जा रहा है. इसके तहत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में सप्ताह में दो से तीन दिन एक से डेढ़ किलोमीटर पैदल गश्त करेंगे. इसके लिए पहले से ही एक माह का समय-सारिणी एसपी कार्यालय से जारी कर दिया जाएगा. फिलहाल शहर के कुल 153 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां पुलिस पैदल गश्त करेगी.

साकची में गश्त करते सिटी एसपी व अन्य पुलिस पदाधिकारी.

स्कूल-कॉलेज के आसपास होगी गश्ती

एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि पैदल गश्ती की परंपरा लगभग समाप्त हो चुकी है. अब इसे फिर से शुरू करते हुए रूटिंग गश्त के अलावे इस पर विशेष रूप से जोर दिया जा रहा है. अड्डाबाजी वाले स्थल, संवेदनशील स्थानों के अलावे स्कूल-कॉलेज के आसपास थाना प्रभारी गश्त करेंगे. आमजन से भी फीडबैक मिलने पर उक्त इलाके में पुलिस पहुंचेगी और पैदल मार्च करेगी. थाना प्रभारी अपने-अपने इलाकों में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने से लेकर अतिक्रमण हटाने तक की कार्रवाई करेंगे. इसके लिए संबंधित विभाग से भी मदद ली जायेगी.

पंचशील में अधिवक्ता के घर 2 लाख की चोरी, शिकायत दर्ज

संवाददाता । हजारीबाग

कटकमदाग थाना क्षेत्र के पंचशील कॉलोनी में अधिवक्ता के घर ताला तोड़कर चोरी करने का मामला सामने आया है. इस संबंध में भुक्तभोगी अधिवक्ता सत्य प्रकाश ने कटकमदाग थाने में चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है. आवेदन में कहा है कि पंचशील कॉलोनी स्थित उनके घर में मंगलवार की रात करीब 1:30 से 3:30 बजे तक घर के मेन गेट का ताला तोड़कर तीन लोगों ने तीनों कमरों का आलमीरा तोड़कर करीब दो लाख के सामान उड़ा ले गए. उसमें सीसीटीवी कैमरा, राउटर, एचपी का लैपटॉप, अमेरिकन ट्रांजिस्टर, बेग सहित उसमें रखे चार्जर और जूते चोरी कर लिए.

अधिवक्ता ने आवेदन में कहा है कि इससे पूर्व में भी उनके घर में पहले भी दो बार चोरी हो चुकी है. कटकमदाग थाने में एफआईआर भी दर्ज कराया. लेकिन आज तक न तो चोर पकड़ा गया और न ही कोई जांच रिपोर्ट आई. इससे चोरों का मनोबल बढ़ गया. इधर, थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति ने कहा कि चोरी होने की सूचना मिली है. पुलिस घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच कर रही है. थाना में आवेदन आने के बाद कार्रवाई की जाएगी.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय सामान्यतः अच्छा है. आत्मबल में वृद्धि होगी. भाई बहन का सहयोग का समय है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृषभ कोई नया कार्य करने का योग है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन मानसिक सुख मिलेगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा. अपनों से विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. अन्न जल का दान करें.

सिंह यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. किसी से कोई बहस से बचें साथ ही प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी.

कन्या पिता से लाभ होगा. कार्य में सफल रहेंगे, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आपके कार्य के प्रभाव से आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी का कोपभाजन बन सकते हैं. जल दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. व्यापार से अच्छे लाभ का योग है. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा.

धनु समय उत्तम है. अपनों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर मौसमी रोग से कुछ परेशानी हो सकती है. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. श्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. अन्न दान करें.

कुंभ संतान के कार्य पर ध्यान दें. परीक्षा का सुंदर परिणाम होगा. पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. मंदिर में दर्शन पूजन करें.

मीन किसी से बेकार की बहस हो सकती है. माता को कष्ट होगा. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी.

चार हजार लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

जमशेदपुर। साकची बाजार स्थित श्री श्री साकची शिव मंदिर में जन सेवा कार्य के तहत बुधवार को स्व. विनोद कुमार अग्रवाल की द्वितीय पुण्यतिथि पर मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रसाद (सुजी का हलवा, पुड़ी, पुलाव और आलु-चना की सब्जी) का वितरण किया गया. लगभग 4,000 (चार हजार) से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया. इसका आयोजन शिव मंदिर कमेटी के लालचंद अग्रवाल एवं बबलू अग्रवाल द्वारा अपने पिता विनोद कुमार अग्रवाल की याद में किया गया.

पोट्टी श्रीरामुलु को दी गई श्रद्धांजलि

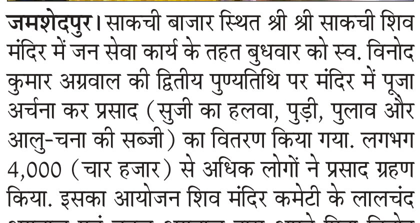

जमशेदपुर। बिष्टुपुर के क्यू रोड स्थित आंध्र भक्त कोलाटा समाजम गणेश पूजा मैदान में समाजम के सदस्यों ने स्वर्गीय पोट्टी श्रीरामुलु की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके बाद दो मिनट मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई. इस दौरान सदस्यों ने उनके संघर्ष एवं बलिदान को याद किया. रयाली श्री राम, ए वेंकटेश्वर राव, ई धर्म राव ने उनके त्याग और बलिदान पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने कहा कि राज्य गठन के लिए उन्होंने 58 दिन आमरण अनशन किया था. इस दौरान वे शहीद हो गये. अंततः आंध्र प्रदेश अलग राज्य बना. इस दौरान समाजम के अध्यक्ष सीएच शंकर राव और सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे.

परंपरा : श्रीरामरेखाधाम विकास समिति की बैठक में लिया गया सर्वसम्मत निर्णय

रामरेखाधाम में 25 से तीन दिवसीय मेला, तैयारियां शुरू

संवाददाता। सिमडेगा

झारखंड के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में एक सिमडेगा का श्रीरामरेखा धाम है, जहां कार्तिक माह की पूर्णिमा के अवसर पर ऐतिहासिक मेले आयोजन किया जाता है. इस बार मेले का आयोजन 25 से 28 नवंबर तक चलेगा. यह सर्वसम्मत निर्णय श्रीरामरेखाधाम के महंत अखंड दास की अध्यक्षता में रामरेखा धाम विकास समिति की वार्षिक बैठक में किया गया, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं. इस बैठक में वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया. इसके बाद मेले को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी. बिजली, पेयजल, पार्किंग, श्रद्धालुओं के संचालन और मंदिर परिसर की व्यवस्था आदि की जिम्मेवारी सभी को सौंपी गयी.

मेले में प्लास्टिक के उपयोग पर बैन: बैठक में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर मेला में प्लास्टिक के उपयोग पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया है. दुकानदार से प्लास्टिक का उपयोग न करने, होटल संचालकों से आसपास के जंगलों से लकड़ी की कटाई न करने और गैस चूल्हा का उपयोग करने की अपील की गयी. ताकि धार्मिक स्थल की स्वच्छता और सुंदरता बनी रहे. बैठक में रामरेखा धाम विकास समिति के सदस्य सहित आसपास के गांव के सैकड़ों लोग मौजूद थे. बता दें कि रामरेखाधाम, केंद्र सरकार के श्रीराम सर्किट परियोजना का हिस्सा है. जिसका कार्य पूरा होने पर विश्व पटल पर इसे अलग पहचान मिलेगी. पर्यटन के रास्ते इससे जिले के विकास को भी गति मिल सकेगी.

खास बातें
- पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह किया गया बैन
- केंद्र की श्रीराम सर्किट परियोजना का हिस्सा है रामरेखा धाम

चेतावनी: हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य ने किया आगाह

मंदिरों व धर्मशालाओं को जागीर न समझें : संजीव

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड में मंदिरों, मठों और धर्मशालाओं को लोग जागीर समझ बैठे हैं, जिसका कहीं कोई लेखा-जोखा नहीं है और न ही इसके ऊपर सरकार का नियंत्रण होता है. लोग फर्जी कमेटी या अपने मनमुताबिक कमेटी बनाकर संचालन करते हैं. उक्त बातें झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य संजीव तिवारी ने कही. उन्होंने परिसदन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि लोग मंदिर, मठ व धर्मशाला को अपना चारागाह न समझें. बोर्ड में अपना पंजीयन अवश्य करायें. इसे लेकर एक माह पूर्व से ही राज्य के सभी प्रमुख मंदिर, मठ व धर्मशाला के संचालकों को पत्र के माध्यम से पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है, लेकिन कुछ लोगों को छोड़कर अधिकांश लोगों ने पंजीयन नहीं कराया हैं. वैसे लोगों को पुनः आगाह करना चाहते हैं कि 10 दिनों के अंदर अपना पंजीयन करा लें, वरना स्थानीय लोगों की एक कमेटी बनाकर संचालन करने की जवाबदेही सौंप दी जायेगी.

बेच दी गयीं कुछ धर्मशालाएं:
उन्होंने कहा कि झारखंड के देवघर व धनबाद में कुछ धर्मशालाओं को बेचने का काम भी किया गया है. साथ ही कई धर्मशालाओं के मूलरूप को परिवर्तित करते हुए मॉल बना दिया गया है. वैसे लोगों पर सरकार द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी. उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद के राम जानकी मंदिर के जमीन को भी बेच दिया गया है. पूरे झारखंड में विवाद चल रहा है, जिसे निपटाने के लिए न्यास बोर्ड द्वारा प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि मेदिनीनगर के बाजार क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में चढ़ावे का पैसा दबंगों द्वारा ले लिया जाता है. मंदिर की देखरेख या पुजारियों के हितों को नहीं देखा जाता है.

मंदिरों के पुजारियों का कराया जाएगा जीवन बीमा
उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मंदिरों के पुजारियों का बोर्ड द्वारा जीवन बीमा कराया जाएगा. साथ ही पुजारियों के मानदेय को लेकर बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रखा जायेगा. श्री तिवारी ने यह भी कहा कि मंदिर में आने जाने वाले आगंतुकों को यदि कोई परेशानी होती है तो मंदिर प्रबंधक पर कार्रवाई की जायेगी. प्रेस वार्ता में मनोज गुप्ता, सुनील तिवारी, मुन्ना सिन्हा मौजूद थे.

आओ जानें
सूरजकुंड धाम, हजारीबाग

परिचय – झारखंड का प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थल है सूरजकुंड, जहां पर्यटकों का तांता लगा रहता है.

स्थान– सूरजकुंड हजारीबाग शहर से लगभग 72 किलोमीटर दूर जीटी रोड पर स्थित है.

स्थिति– इस स्थान पर एक प्राचीन मंदिर भी स्थापित है, जो मां दुर्गा को समर्पित है. लोग कुंड में स्नान करने के बाद इस मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं. हरे-भरे जंगल पहाड़ों और नदियों से घिरा हुआ यह खूबसूरत स्थान एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है, जो यहां पर आने वाले सैलानियों को मंत्रमुग्ध करता है.

साल में एक बार मेला– मकर संक्रांति के समय यहां सूरजकुंड धाम में विशाल मेला आयोजित होता है तथा इस समय यहां पर काफी भीड़ होती है. इसलिए यह स्थान हजारीबाग के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है.

विशेषता– सूरजकुंड इस मामले में अनूठा है कि इसमें गर्म पानी मिलता है. यहां पानी का सामान्य तापमान 169 –190 डिग्री फारेनहाइट है. दो गर्म झरनों के अलावा, एक ठंडा वसंत भी है. उच्च सल्फर सामग्री के कारण पानी का चिकित्सीय प्रभाव होता है. ऐसी मान्यता है कि उस गर्म पानी में स्नान करने से त्वचा संबंधी सभी रोग ठीक हो जाते हैं. यहां पर स्थित इन कुंडो के नाम राम कुंड, सीता कुंड, लक्ष्मण कुंड, सूर्य कुंड और ब्रह्मा कुंड हैं जिसका जल हमेशा गर्म रहता है तथा यहां पर आने वाले दर्शनार्थी इस कुंड में स्नान करते हैं.

रवींद्र भवन में 37वां पुस्तक मेला 24 से

जमशेदपुर। टैगोर सोसाइटी द्वारा साकची रवीन्द्र भवन में 37वां जमशेदपुर पुस्तक मेला का आयोजन 24 नवंबर से 3 दिसंबर तक किया जायेगा. यह जानकारी टैगोर सोसाइटी के महासचिव आशीष चौधरी ने दी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष हिंदी, अंग्रेजी, बंगला भाषा सहित अन्य भाषा के लगभग 70 प्रकाशक आयेंगे. मेला में 200 स्टॉक लगाए जायेंगे. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर बुक फेयर का पुस्तक प्रेमियों को इंतजार रहता है. पिछले वर्ष पुस्तक मेला में उम्मीद से ज्यादा लगभग एक करोड़ रुपए की खरीददारी लोगों ने की थी.

महायज्ञ के लिए महिलाओं का जुटान

संवाददाता। मेदिनीनगर

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा समिति की ओर से यज्ञ स्थल हाउसिंग कॉलोनी में महिला प्रकोष्ठ की बैठक में आयोजित की गई . बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद सदस्य सह महिला प्रकोष्ठ की संयोजक मीना गुप्ता ने की. मौके पर महिला संयोजक मीना गुप्ता, अंजू सांगा, श्वेता तिवारी, रानी शर्मा ने उपस्थित सभी महिलाओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया.
उपस्थित सभी महिलाओं ने कलशयात्रा को भव्य और विशाल बनाने पर चर्चा की. इस दौरान डोर टू डोर कैंपेन, प्रतिष्ठित एवं प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं से संपर्क और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया गया. मौके पर महायज्ञ समिति की मीना गुप्ता ने बताया कि महिलाओं के लिए कलश की व्यवस्था की गई है. इतना ही नहीं, एकरूपता के लिए महिला कलशयात्रियों के बीच 2000 साड़ियों का वितरण भी किया जाएगा. वहीं पलामू में आयोजित महायज्ञ की चर्चा महाजन श्री के मुख से देश-विदेश के मंचों पर हो, उसके लिए सुझाव एवं सलाह देने का आग्रह किया गया. इस दौरान शिव चर्चा, गायत्री परिवार, कई अन्य समिति एवं संगठन की महिलाओं ने भजन संध्या में सम्मिलित होने एवं महायज्ञ में महिलाओं को सुव्यवस्था मुहैया कराने में हरसंभव मदद का भरोसा दिया. मौके पर पुष्पा तिवारी, सुजाता सिंह, संजू शुक्ला, रेणु देवी, वार्ड पार्षद चंचला चंद्रवंशी, पूर्व पार्षद किरण अग्रवाल, भाजपा नेत्री उषा मखड़िया आदि महिलाएं मौजूद थीं.

खास बातें
- कलश यात्रा को भव्य और विशाल बनाने का निर्णय
- कलशयात्रियों के बीच होगा 2000 साड़ियों का वितरण

केसर-चंदन से खाटू नरेश का शृंगार

संवाददाता। रांची

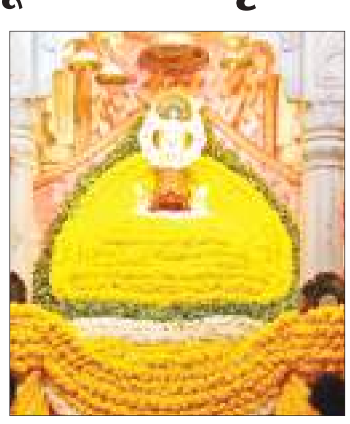

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में खाटू नरेश का भव्य केसर चंदन तिलक शृंगार किया गया. शरद पूर्णिमा के दिन ग्रहण होने के करण खाटू नरेश का महास्नान एक्कम के दिन प्रातः किया गया था. उसके बाद से ही बाबा भक्तों को श्यामल रूप में दर्शन दे रहे थे. राजस्थान के सीकर जिला स्थित खाटूधाम में भी बुधवार को बाबा श्याम का केसर चंदन तिलक शृंगार किया गया. खाटू धाम की परंपरा के अनुसार ही हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में सभी शृंगार एवं कार्यक्रम आयोजित होते हैं.
मंदिर के प्रथम आचार्य रत्नाकर शर्मा, मंत्री श्यामसुंदर शर्मा एवं मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा श्याम का भव्य शृंगार किया. कोलकाता से मंगाए गए विशेष गुलाब, गेंदा, रजनी, तथा तुलसी की मोटी-मोटी मालाओं से खाटूनरेश का शृंगार किया गया. गुलाब के रूह से बाबा का मसाज करके पंचमेवा भोग का प्रसाद चढ़ाकर संध्या 4:30 बजे से दर्शन के उपरांत भक्तों के बीच पंचमेवा प्रसाद का वितरण किया गया. इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया, अनिल नारनोली, स्नेह पोद्दार, अरविंद सोमानी, रौनक पोद्दार आदि उपस्थित थे.

सुहागिनों ने रखा करवाचौथ व्रत

संवाददाता। जमशेदपुर

जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में अखंड सुहाग का प्रतीक करवा चौथ का पर्व बुधवार को श्रद्धा, उत्साह और परंपरा के साथ मनाया गया. इस दौरान सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र व सुहाग की रक्षा के लिए निर्जला व्रत रखा. पूरे दिन निर्जला व्रत कर शाम में सोलह शृंगार कर महिलाओं ने सामूहिक रूप से करवा चौथ की पूजा की. इस दौरान किसी ने शादी के जोड़े में सज-संवरकर पूजा की तो किसी ने गहरे लाल रंग के परिधान पहनकर चुनरी ओढ़कर पूजा की. इस मौके पर महिलाओं ने निर्जला उपवास रख कर चौथ माता की कथा सुनी, चांद को देखकर अर्घ्य दिया और छलनी से चांद को देख कर चौथ माता से अपने पति की लंबी आयु की कामना की. देर रात चांद का दीदार कर और पतियों के हाथों से जल ग्रहण करने के बाद सुहागिनों ने व्रत तोड़ा. इससे पहले दिनभर भूखी प्यासी रहकर व्रत का संकल्प निभाया.

कई जगहों पर जुटीं सुहागिन महिलाएं
खासकर नवविवाहिताओं में व्रत को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला. व्रत को लेकर युवतियों व महिलाओं ने अपने हाथों में मेंहदी रचाई तथा सोलह शृंगार कर दिनभर निर्जल और निराहार रही. शाम को भगवान शिव-पार्वती, गणेश, कार्तिकेय एवं चन्द्र भगवान की पूजा अर्चनाकर कथा सुनी तथा चंद्रमा की पूजा कर अर्घ्य दिया. इस मौके पर पतियों ने अपनी पत्नियों को उपहार भेंट किया. शहर के काशीडीह स्थित दुर्गा मंदिर, रिफ्यूजी कालोनी स्थित श्रीकृष्ण मंदिर व गोलमुरी स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में उत्तर प्रदेश व पंजाबी समाज की महिलाओं ने करवा चौथ की कथा सुनी.

मनाया गया शहीद दामू टुडू का 26वां शहादत दिवस

घाटशिला। तारामणि स्मारक प्लस 2 उच्च विद्यालय काड़ाडुबा परिसर में ज़िला परिषद सदस्य देवयानी के नेतृत्व में शहीद दामू टुडू का 26 वां शहादत दिवस बुधवार को मनाया गया. समारोह में शहीद की पत्नी रानो टुडू, पुत्र भोगान टुडू, विद्यालय के प्रधानाध्यापिका हेमलता सिंह , शिक्षक, छात्र व ग्रामीणों ने शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किया. शहीद दामू टुडू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने कहा कि केन्दोपोशी गांव निवासी मुथुर टुडू और बाल्ही टुडू का पुत्र दामू टुडू सीआरपीएफ यूनिट 133 बटालियन का जवान था. 1 नवम्बर 1997 को मणिपुर में उग्रवादियों से लोहा लेते हुए शहीद हो गया था. उन्होंने कहा कि धन्य है ऐसे माता पिता जिन्होंने दामू टुडू जैसे वीर पुत्र को जन्म दिया.

सराहनीय छठ घाट और सूर्य मंदिर के पहुंच पथ के लिए उठाया अनूठा और सराहनीय कदम

लातेहार में एक दिहाड़ी मजदूर ने दान में दे दी अपनी जमीन

आशीष टैगोर। लातेहार

कहते हैं कि आस्था पर किसी का जोर नहीं है. अगर मन में ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा व अटूट विश्वास हो तो कुछ भी असंभव नहीं है. ऐसा ही एक मामला यहां देखने में आया है. शहर के चटनाही के जवाहर नवोदय विद्यालय रोड में छठ घाट व निर्माणाधीन सूर्य मंदिर तक पहुंच पथ के लिए गणेश भुइयां (पिता स्व पचु भुइयां) ने अपने घर के सामने से छह फीट की जमीन दान दे दी. बता दें कि गणेश भुइयां दिहाड़ी मजदूर है और एक ठेला चलाकर अपने एवं परिवार का भरण पोषण करता है.

समिति ने पैसे देकर मांगी थी जमीन : दरअसल सूर्यनारायण पूजा समिति के सदस्यों ने गणेश भुइयां को छठ घाट व सूर्य मंदिर तक जाने के लिए उनके घर का अगला हिस्सा कीमत लेकर देने का आग्रह किया तो उसने भूमि की कीमत लेने से इनकार कर दिया. गणेश ने कहा कि वह सार्वजनिक हित में अपने घर के आगे से छह फीट की जमीन दान देगा. उसने कहा कि वह यहां वर्षों से रह रहा है और छठ घाट जाने की परेशानी से अच्छी तरह अवगत है. उसका छठी मइया व सूर्य भगवान पर अटूट आस्था है. इसके बाद गणेश ने खुद ही आगे बढ़कर अपने घर का छप्पर हटाने में लग गये. लोगों ने गणेश भुईयां के इस कार्य की खुले दिल से प्रशंसा की. कहा कि अगर मन में कुछ देने की इच्छा हो तो गरीबी भी आड़े नहीं आती है. गणेश भुइयां के पास देने के लिए कुछ नहीं था, सिर्फ उसकी जमीन थी और उसने इसे दान देकर एक मिसाल कायम की है.

खास बातें
- एक ठेला चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है गणेश भुइयां
- पूजा समिति जमीन का दाम देने को थी तैयार, पर गणेश ने लेने से किया इन्कार

समिति ने आभार प्रकट किया
सूर्यनारायण पूजा समिति, लातेहार के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने गणेश भुइयां के इस कार्य की सराहना की है. उन्होंने कहा कि गणेश भुइयां ने अपने घर का अगला हिस्सा दान देकर एक मिसाल कायम की है. इससे अब छठ घाट व निर्माणाधीन सूर्य मंदिर तक पहुंचना आसान हो जायेगा. पहले यह पथ संकीर्ण था. अब जमीन मिल जाने से यह पथ थोड़ा चौड़ा हो जायेगा. उन्होंने बताया कि सूर्यनारायण पूजा समिति छठ घाट के पास दो करोड़ की लागत से सूर्य मंदिर का निर्माण करा रही है. जहां पर गणेश भुइयां का घर है.

भैरव थान तक सड़क का शिलान्यास

संवाददाता। घाटशिला

विधायक रामदास सोरेन ने बुधवार को बंगाल सीमा के समीप कानीमोहली भैरव थान पूजा स्थल पर क्लब भवन तथा 500 फीट बंगाल सीमा तक पीसीसी पथ का शिलान्यास नारियल फोड़ कर किया. उन्होंने कहा कि काफी दिनों से ग्रामीणों की मांग थी कि पूजा स्थल पर पूजा के बाद सामान रखने में काफी परेशानी होती थी एवं बंगाल सीमा तक सड़क काफी जर्जर है, उसे आज पूरा किया गया. यह कार्य विधायक निधि से किया जाएगा. इसकी कुल लागत 16 लाख रुपये है. साथ ही साथ उन्होंने कहा कि अनटायर्ड फंड से 2000 फीट पीसीसी सड़क की स्वीकृति मिल गई है. जल्द ही इसका भी काम में शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि भैरव थान पूजा स्थल के समीप जाहेर थान की घेराबंदी तथा सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया जाएगा ताकि यह एक दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित किया जा सके. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष वकील हेंब्रम, दामपाड़ा क्षेत्रीय कमेटी अध्यक्ष भरत मुर्मू, खुदीराम हांसदा, दसमत सोरेन, शिमांतो पाल, दिलीप मान्ना, पुजारी कान्हु टुडू, धीरेंद्र पातर सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें
- झारखंड-बंगाल की सीमा पर स्थित है कानीमोहली भैरव थान
- विधायक रामदास ने नारियल फोड़ कर रखी आधारशिला

जीना हुआ मुहाल महंगाई रोके सरकार

मिडिल क्लास...

महंगाई और सब्जियों के दामों में बेतहाशा वृद्धि से मध्य वर्ग की मुश्किलें बढ़ी

न घर के न घाट के

हाल के दिनों में सामान और सब्जियों के दामों में जिस तरह वृद्धि हुई है, मध्य वर्गीय परिवार की मुश्किलें बढ़ गई है. उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि अपने बजट को कैसे संतुलित करें. बच्चों की पढ़ाई, बीमारी का इलाज, घर का किराया जैसे जरुरी चीजों में कटौती भी नहीं कर सकते. छोटी मोटी बचत कर वे अपने सपनों को पूरा करते हैं. पर इस समय खाने के सामान से लेकर सब्जियों के दाम इस कदर बढ़े हैं कि उनके बचत के पैसे भी खर्च हो जा रहे हैं. वे कहते हैं कि घर कैसे चलेगा इसकी चिंता हमेशा बनीं रहती है. सरकार की ओर से पिछड़ी और आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाई जाती है. पर मध्यवर्ग के लिए सरकारी स्तर पर ऐसी कोई योजना नहीं है. वास्तव में यही वह वर्ग है जिसे हर तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है. मान-मर्यादा, घर-परिवार, बाहर सब कुछ देखना पड़ता है. पर इस वर्ग की स्थिति ' न घर के रहे न घाट के ' वाली कहावत को सही रुप से चरितार्थ करती है. इस वर्ग के सदस्यों का कहना है कि सरकार की ओर इनके लिए भी कुछ योजनाएं चलाई जानी चाहिए ताकि इन्हें बढ़ती महंगाई से राहत मिल सके. ये कहते हैं कि आयकर में छूट, रियायत फीस पर बच्चों की पढ़ाई, बीमारी का इलाज जैसी सुविधाएं सरकार तो दे ही सकती है. सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में मध्य वर्ग के सदस्यों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

चक्रधरपुर

बढ़ती महंगाई के कारण ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है : अमित

चक्रधरपुर निवासी अमित कुमार ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण मध्यम वर्ग के लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है .घर का बजट बिगड़ गया है .पिछले कुछ साल में रसोई गैस के दाम में हुई वृद्धि के साथ साथ जरूरत के अन्य सामानों के दाम में तेजी से इजाफा हुआ है .प्राइवेट नौकरी होने की वजह से आय में बढ़ोत्तरी नहीं हो रही है . आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सरकार द्वारा कई प्रकार की सुविधाएं भी दी जाती है, लेकिन मध्यम वर्ग के लोगों को किसी प्रकार का लाभ नहीं मिल पाता है .सरकार को मध्यम वर्ग के लोगों के लिए भी योजनाएं चलाई जानी चाहिए .

सब्जियों के दाम छू रहे आसमान खर्च के कारण बचत नहीं : सरिता

चक्रधरपुर निवासी सरिता देवी ने कहा कि सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं . महंगाई के कारण अब रसोई में हरी सब्जियां भी नहीं दिखाई देती हैं . अक्टूबर, नवंबर के महीने में सब्जियों के दाम काम होते हैं लेकिन इस बार दाम कम होने के बजाय बढ़े हुए हैं . ऐसे में घर परिवार चलाना भी मुश्किल हो गया है . बढ़ती महंगाई से किसी प्रकार की राहत नहीं मिल पा रही है .घर बनाने की योजना पिछले दो साल से है, लेकिन प्रत्येक महीने अतिरिक्त खर्च होने की वजह से पैसा जमा भी नहीं हो पाता है .

महंगाई से हर कोई त्रस्त है, बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित : राजेश कुमार

चक्रधरपुर के जामिद गांव निवासी राजेश कुमार ने कहा कि महंगाई बढ़ने से जरूतें कम करनी पड़ रही है .पर्व- त्योहार भी साधारण तरीके से ही मनाना पड़ता है .महंगाई से हर कोई त्रस्त है . खासकर मध्यम वर्ग के लोगों को महंगाई का ज्यादा सामना करना पड़ रहा है . खाद्यान्न सामान के दामों में हर दिन वृद्धि हो रही है .महंगाई के कारण बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है .

किरीबुरू

मजबूरी में जरूरत के बावजूद कम सब्जी खरीद रहे हैं : सुधीर रजक

ठेका मजदूर सुधीर रजक का कहना है कि पहले कुछ पैसा खर्च कर काफी सब्जियां लाते थे . लेकिन आज जरुरत के बावजूद काफी कम मात्रा में सब्जियां ला पा रहे हैं . खाद्य पदार्थो व सब्जियों की कीमत इतनी बढ़ गई है कि घर चलाना मुश्किल हो रहा है . बतौर सप्लाई मजदूर 12 से 15 हजार रुपए मिलते हैं . इतने कम पैसों में जब हमें परिवार पालने में इतनी परेशानी हो रही है तो उन गरीब व बेरोजगारों का क्या होता होगा जिनके पास आय के श्रोत काफी कम है . सरकार महंगाई पर जल्द नियंत्रण लगाये . बाजारों में सरकारी दुकानें खोलवाये .

इस महंगाई में नुकसान की भरपाई कर पाना संभव नहीं : राज किशोर शाह

छोटे स्तर के सब्जी बिक्रेता राज किशोर शाह ने बताया कि वह खुद एक सब्जी बिक्रेता हैं . वह मध्यम स्तर के दुकानदारों से सब्जी खरीदकर बेचते थे . लेकिन जब से सब्जियों की कीमत में भारी वृद्धि हुई है तब से वह सब्जी बेचना बंद कर दिये हैं . इतनी महंगी सब्जी अगर बच कर बर्बाद हो जाये तो इस नुकसान की भरपाई कर पाना हमारे लिये संभव नहीं है . उसने बताया कि महंगाई ने हमें आर्थिक व मानसिक रुप से परेशान कर दिया है . हमें कोई दूसरा रोजगार या काम भी नहीं मिल रहा है कि वहां से कुछ पैसा मिले . बेरोजगारी व महंगाई ने कमर तोड़ दी है .

बढ़ी कीमतों से घर का बजट गड़बड़या, परेशानी बढ़ी : बसंत

दर्जी का काम करे वाले बसंत प्रसाद ने कहा कि खाद्य पदार्थो व सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने घर का बजट खराब कर रख दिया है . आज का दौर ऑन लाइन मार्केटिंग का है . लोग कपड़ा सिलाने काफी कम आते हैं . फटे-पुराने कपड़े सिलकर जैसे-तैसे गुजारा कर हो रहा है . इस पर सब्जियों व खाद्यान्न की कीमतों में भारी वृद्धि ने परेशान कर दिया है . बचत की जगह कर्ज बढ़ता जा रहा है . समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें,कैसे करे . अब हमारी उम्र मेहनत भरा कार्य करने की भी नहीं रही .

खाद्य पदार्थ व सब्जियों की कीमत बढ़ने से भारी दिक्कत : ताज मोहम्मद

ताज मोहम्मद का कहना है कि खाद्य पदार्थ व सब्जियों की कीमत बढ़ने से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है . खासकर प्याज, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च की कीमतों में भारी वृद्धि की वजह से बिक्री काफी कम हो गयी है . उनका कहना है कि किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु में पहले से सेलकर्मी घट गये हैं . बेरोजगारी की समस्या चरम पर है . खाद्य पदार्थों के साथ-साथ शिक्षा व चिकित्सा सेवा भी काफी महंगी हो गई है . समझ में नहीं आ रहा है कि गणित का कौन फार्मूला लगाकर घर को व्यवस्थित तरीके से चलाया जाए .

घर चलाना मुश्किल हो गया है, सारी व्यवस्था चरमराई : तुषार प्रधान

तुषार प्रधान ने बताया कि राशन व सब्जियां महंगी होने से घर चलाना मुश्किल हो रहा है . आय के अनुसार हर माह घर का बजट बनाते हैं . इसमें शिक्षा, राशन, बच्चों का दूध व आहार, दवा, सब्जियां, पेट्रोल, मोबाइल व टेलीविजन रिचार्ज के अलावे कुछ आवश्यक खर्च शामिल रहती है . लेकिन अचानक सभी चीजें महंगी होने से घर की सारी व्यवस्था चरमारा गई है . अब राशन व सब्जियों के खर्च में कुछ कटौती कर स्थिति को बैलेंस करना पड़ रहा है .

गिरिडीह

मुश्किल हो रहा घर का खर्च चलाना बच्चों की पढ़ाई पर असर : नरेश राणा

गावां प्रखंड के नरेश राणा ने कहा कि महंगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है . इससे घर का बजट बिगड़ गया है . खाद्य सामग्री और हरी सब्जियों की कीमतें लगातार बढ़ रही है . घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है . इस स्थिति में बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है . आमदनी सीमित है और खर्च दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है . अब समझ में नहीं आ रहा है कि घर का खर्च कैसे चलेगा .

महंगाई आसमान पर , सरकार अंकुश लगाए : ललन कुमार राय

जमुआ प्रखंड के ललन कुमार राय का कहना है कि पिछले कई महीनों से महंगाई की मार का दंश झेल रहे हैं . खाद्य सामग्री में आटा, दाल,तेल, मशाला,प्याज के साथ_साथ ही हरी सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही है . कीमतों के बढ़ने से पर्याप्त सामान खरीदना मुश्किल हो रहा है . केंद्र और राज्य सरकार को बढ़ती महंगाइ की दिशा में अंकुश लगाने के बारे में सोचना चाहिए .

महंगाई में मध्य वर्ग को सबसे ज्यादा परेशानी : अप्पू सिन्हा

डुमरी प्रखंड के अप्पू सिन्हा ने कहा कि महंगाई तेजी से बढ़ती जा रही है . मध्यमवर्गीय परिवार को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है . बढ़ती महंगाई ने रसोई का जायका बिगाड़ कर रख दिया है . भोजन की थाली से पौष्टिक आहार और हरी सब्जियां गायब हो रही है . जिस रफ्तार से महंगाई बढ़ रही है उस अनुपात में लोगों की आय नहीं बढ़ पा रही है . जिससे कठिनाई बढ़ गई है .

दिनों दिन बढ़ रही है सामान की कीमतें : कुंदन कुमार सिंह

धनवार प्रखंड के कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि सभी सामान की कीमतें दिनों दिन बढ़ती जा रही है . खाद्य सामग्रियों के दाम में वृद्धि होने से मध्यम वर्गीय परिवार को खासा परेशानी हो रही है . घर में खाद्य सामग्री को लाना मुश्किल हो रहा है . खाने की थाली से दाल और हरी सब्जियां गायब हो गई है . महंगाई और बढ़ी तो आने वाले दिनों में मुश्किले और बढ़ जाएगी .

जामताड़ा

बाजार में पहले जैसी भीड़ नहीं,कम हो रही खरीददारी : गौतम मंडल

नारायणपुर बाजार के दुकानदार गौतम मंडल का कहना है कि महंगाई के कारण व्यापार भी प्रभावित हो रहा है . त्योहार से पहले खरीदारी के लिए अब पहले जैसी भीड़ बाजार में नहीं दिखती . पहले लोग त्योहार पर भरपूर खरीदारी करते थे . मगर, अब मात्र पर्व मनाने भर के लिए खरीदते हैं . इससे दुकानदारों की हालत खराब हो गई है . महंगाई की वजह से लोग सामान कम खरीद रहे हैं .

हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं रसोई का बजट गड़बड़ाया : मनान

नारोडीह निवासी मनान अंसारी बताते हैं एक तो काम धंधा प्रभावित है .ऊपर से अब बढ़ती महंगाई ने परेशान किया है .हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं . इससे रसोई का बजट भी गड़बड़ाने लगा है . आने वाले दिनों में चीजें और महंगी होगी . साथ ही बच्चों की फीस, बीमारी का इलाज करना मुश्किल हो जाएगा . सब्जियों की बढ़ी कीमत ने परेशानी ओर बढ़ा दी है .

हर चीज के लिए सोचना पड़ रहा है आने वाले दिन बुरे होंगे : मिलु मंडल

नारायणपुर निवासी मिलु मंडल बताते हैं कि आमदनी सीमित है, लेकिन महंगाई दिन पर दिन बढ़ रही है . खाद्य पदार्थों के दाम लगभग दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं . हर चीज के दाम बढ़ने से त्योहार मनाने को लेकर सोचना पड़ रहा है . पूजा के समय से महंगाई बढ़ी हुई है . आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगी . ऐसे में घर चलाना मुश्किल हो रहा है . सरकार को इस दिशा में सोचने की जरुरत है .

महंगाई पूरी तरह बेलगाम, सरकार इसे नियंत्रित करे : लखन कुमार

दलदला निवासी लखन कुमार का कहना है कि महंगाई पूरी तरह से बेलगाम हो चुकी है .इससे सबसे ज्यादा प्रभावित मध्यमवर्गीय परिवार है . त्योहारी सीजन में आसमान छूती खाद्य सामग्री के दामों ने अब सोचने को मजबूर कर दिया है कि घर किस तरह से चलेगा . इस दिशा में सरकार को सोचना चाहिए कि किस तरह इस पर नियंत्रण किया जा सके .

देवघर

पढ़ाई पर खर्च प्राथमिकता, महंगाई में बजट गड़बड़ाया : मनिका देवी

गृहिणी मनिका देवी का मानना है कि इस समय घर चलाना काफी मुश्किल हो रहा है . पढ़ाई पर खर्च करना प्राथमिकता है . इस समय निजी स्कूल में बच्चों को पढ़ाना कितना मुश्किल है यह किसी से छिपी नहीं है . दूसरी ओर रसोई में काम आने वाली वस्तुओं के दाम बढ़ने से घर का बजट बिगड़ गया है . अब पहले की तुलना में कम में ही काम चलाना पड़ रहा है .

सब्जी और राशन की चीजें महंगी खाने का जायका बिगड़ा : शिउली

शिउली मंडल कहतीं है कि निजी तौर पर आस पास के बच्चों को पढाने के साथ साथ सामाजिक कार्यों में हाथ बटाती हूं . इस समय राशन की चीजें काफी महंगी हो गई है . आम तौर पर जाड़े के मौसम में सब्जियां ज्यादा और सस्ती मिलती हैं . पर इस समय सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं . टमाटर, प्याज के दामों में काफी वृद्धि हो गई है . जिससे खाने का जायका बिगड़ गया है .

कुछ जरूरी चीजों को नकारा नहीं जा सकता है : साजल महतो

किसान परिवार से आने वाले और एक प्राइवेट कंपनी में कोरियर का काम करने वाले साजल महतो का कहना है कि साग सब्जी और राशन के अलावे अब कुछ जरूरतें ऐसी भी हैं जिसे नकारा नहीं जा सकता है . जैसे दुपहिया वाहन पर चलना और मोबाइल में नेट का इस्तेमाल करना .लेकिन ऐसे में राशन और साग सब्जी की कीमत आसमान छूने से खाने का बजट गड़बड़ा गया है .

महंगाई में मध्य वर्ग के लिए असमंजस की स्थिति : पंजियारा

जाने माने चित्रकार एवं कला शिक्षक नरेन्द्र पंजियारा की माने तो साग सब्जी और खाद्य पदार्थो के मूल्यो में वृद्धि होने से मध्यवर्गीय परिवार पर चौतरफा असर पड़ता है .चूकि ज्यादा वेतन भोगी लोगों की जेब पर इन वस्तुओं के दाम बढने से ज्यादा असर नहीं पड़ता है . क्योंकि केन्द्र और राज्य दोनों की सरकारें महंगाई भता देती है . लेकिन एक मध्यवर्गिय परिवार के सामने असमंस किसी स्थिति पैदा हो जाती है .

हजारीबाग

घर चलाना हो रहा मुश्किल : संदीप खलखो

हजारीबाग के सिंदूर निवासी व्याख्याता संदीप खलखो कहते हैं कि महंगाई से घर चलाना मुश्किल हो गया है . पेट्रोल से घर का बजट नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं . बाइक चलाना कम कर दिए हैं . कॉलेज जाने के लिए मित्रों के साथ बाइक शेयर कर रहे हैं . आगे अन्य चीजों में भी कटौती किए बिना घर का बजट संतुलित नहीं होगा .

बाजार में खाना बंद कर दिया : जगेश्वर रजक

आर्यापुरी निवासी जगेश्वर रजक कहते हैं कि बाजार की चीजें खाना बंद कर दिया . समोसा, चॉप, पकौड़ा, लिट्टी चोखा और चाय अब सपना हो गया . बच्चे कभी जिद करते हैं, तभी बाजार का सामान खिलाते हैं . इससे बचत कर घर चला रहे हैं . महंगाई का असर इस कदर है कि घर चलाना मुश्किल हो गया है .

थाली से गायब हो रही सब्जियां : मनीष रंजन

जेएमएम पब्लिक स्कूल पदमा के प्राचार्य मनीष रंजन कहते हैं कि मुश्किल से घर-परिवार चल रहा है . महंगाई सब पर हावी है . ऐसे में स्कूल फीस बढ़ाना भी मुश्किल है . पहले वह कार से स्कूल आते थे, लेकिन अब बाइक का सहारा ले रहे हैं . कुछ पेट्रोल बच जा रहा है . इसके अलावा तीन-चार की जगह एक ही सब्जी से काम चला रहे हैं . वह भी जो सबसे सस्ती सब्जी है, उसी को भोजन में उपभोग करते हैं .

घर आना-जाना कम कर दिया : मयंक कुमार

चौपारण निवासी लिपिक मंयक कुमार कहते हैं कि उनकी पोस्टिंग चाईबासा में है . पहले महीने में चार बार घर आ जाते थे . लेकिन अब माह में एक बार घर आते हैं . इससे बस का किराया बच रहा है . इसके अलावा भोजन में भी कटौती कर दी है . किसी भी विलासिता संबंधी चीजों का उपभोग नहीं करते हैं . कभी-कभी मिठाई वगैरह खा लेते थे . अब वह भी बंद कर दिए हैं . दो पैसे बचाकर घर चलाना है, नहीं तो इस महंगाई में जीना आसान नहीं है .

लातेहार

महगांइ पर नियंत्रण जरूरी: रामप्यारे प्रसाद

तेली समाज के जिला अध्यक्ष रामप्यारे प्रसाद ने कहा कि महगांई पर नियंत्रण जरूरी है . खाने पीने की सामानों के अलावा अन्य जरूरी सामानों की दामों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है . आम आदमी का बजट गड़बड़ा गया है . लोगों को अपने खर्चो में कटौति करनी पड़ रही है . जिनके घर में पढ़ने वाले बच्चे हैं, उनके यहां तो और अधिक परेशानी हो रही है .

दूध के दामों में बेतहाशा वृद्धि: भोला

मनिहारी का काम करने वाले भोला प्रसाद सुरभी ने कहा कि विगत के वर्षों मे दूध की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है . दूध का जो पैकेट 40 रूपये लीटर मिलता था, आज वह 60 रूपये लीटर बिक रहा है . इसके अलावा खाने पीने की वस्तुओं के दामों मे भी रोज वृद्धि हो रही है . सरसो का तेल, दाल व अन्य खाद्य पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं .

बिचौलिये उठा रहे हैं लाभ: अनूप

सहायक अध्यापक अनूप प्रसाद ने कहा कि सब्जियों मे मूल्य वृद्धि का लाभ बिचौलिये उठा रहे हैं . भंडारियों ने प्याज का स्टॉक कर बाजार में एक कृत्रिम आभाव पैदा कर दिया है, जिस कारण आज प्याज के दाम बढ़ गये हैं . बिचौलिये गांवों में जा कर किसानों से सस्ते दामों में फसलों को खरीद रहे हैं और महंगे दामों में बाजार में बेच रहे हैं . सरकार व प्रशासन को इस पर संज्ञान ले कर कार्रवाई करना चाहिए . इस समय महंगई से हर कोई परेशान है . घर कैसे चले इसे लेकर उनकी चिंता बढ़ गई है . सरकारी स्तर पर महंगाई रोकने के लिए प्रयास किए जाने की जरुरत है .

धनबाद

महंगाई के हिसाब से कमाई नहीं : सुमन दे

धनबाद मनईटांड़ के रहने वाले सुमन दे ने कहा कि जिस हिसाब से महंगाई बढ़ रही है उस हिसाब से कमाई नहीं है .जिससे घर परिवार चलाना काफी मुश्किल हो गया है .अब चिंता यह सता रही है कि इस महंगाई में बच्चों की पढ़ाई कैसे होगी . अगर कोई बीमार हो जाएगा तो उसका इलाज कैसे होगा . सरकार इस पर जल्द हस्तक्षेप कर कुछ ऐसा करे कि मिडिल क्लास फैमली पर टेक्स का बोझ न पड़े .

महंगाई बढ़ी, पर सुविधा नहीं : संजय कुमार

धनबाद के भुदा निवासी संजय कुमार ने कहा कि मिडिल क्लास फैमली न घर के हैं न घाट के हैं . क्योंकि बड़े लोगों के पास पैसे की भरमार है और लोअर क्लास फैमली को सरकार सारी सुविधाएं दे रही है . ऐसे में बढ़ती महंगाई ने मिडिल क्लास फैमली की कमर तोड़ दी है . उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण मिडिल क्लास परिवार अपने बच्चों के भविष्य के बारे में भी नहीं सोच सकते हैं, क्योंकि वह इस महंगाई में सेविंग नहीं कर सकते हैं और सेविंग नहीं होगा तो भविष्य की चिंताओं का हल कैसे होगा . सरकारी स्तर पर भी इस दिशा में प्रयास किए जाने की जरुरत है . ताकि लोगों की मुश्किलें कम हो .

मिडिल क्लास के बारे में नहीं सोच रही : मंटू सिंह

झरिया के जामाडोबा निवासी मंटू सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा खाने पीने सहित अन्य सामग्रियों में टेक्स लगाने के कारण महंगाई चरम पर है . सरकार मिडिल क्लास फैमली के बारे में नहीं सोच रही है . अगर यही हाल रहा तो मिडिल क्लास परिवार का भविष्य अंधकार में चला जायेगा . क्योकि इस बढ़ती महंगाई में मिडिल क्लास परिवार खाने के अलावा कुछ नही सोच सकता . हाल के दिनों में खाने पीने के सामान के साथ साग-सब्जियों के दाम जिस तेजी से बढ़े हैं, लोगों की आय उतनी नहीं बढ़ी . ऐसे में उनके लिए मुश्किल होना स्वाभाविक है . हालांकि सरकार को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए ताकि महंगाई पर काबू पाया जा सके .

बोकारो

घर- बाहर का बजट बिगड़ा, पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है: नरेश हजाम

बोकारो जिले के कसमार में सैलून चलाकर जीविकोपार्जन करनेवाले नरेश हजाम का कहना है कि महंगाई से घर ही नहीं, बल्कि बाहर का भी बजट बिगड़ गया है . बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर उनकी परवरिश में महंगाई बाधक बन रही है . घर बाहर हर जगह खर्च में कटौती करनी पड़ रही है, तभी किसी तरह घर का खर्च मैनेज कर पा रहे हैं . रसोई गैस भी लगातार महंगी ही रही है, इधर एक महीने पहले दो सौ रुपये सस्ता हुआ, इससे थोड़ी राहत जरूर हुई है, लेकिन हरी सब्जियों से लेकर दूध, फल व खाद्य सामग्री के भाव में बढ़ोतरी से परेशानी बढ़ी है .

लगातार बढ़ रही महंगाई से आम आदमी का बुरा हाल : सरोज कुमार

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के बहादुरपुर निवासी एनजीओ कर्मी सरोज कुमार अड्डी ने बताया कि लगातार बढ़ रही महंगाई से आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है . खासकर सब्जियों व खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत से घर चलाने में काफी परेशानी हो रही है . बच्चे को पढ़ाना अभी प्राथमिकता है, इसलिए महंगाई में घरेलू व विलासिता के खर्च में कटौती करनी पड़ रही है . उन्होंने कहा कि सरकार को बढ़ती महंगाई को रोकने की दिशा में त्वरित पहल करनी चाहिए, ताकि आम आदमी को राहत मिल सके .

महंगाई का सबसे ज्याद असर गरीबों पर : कुमारी किरण

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड की गर्री निवासी सामाजिक कार्यकर्ता कुमारी किरण ने बताया कि महंगाई का सबसे ज्यादा असर हम गरीब तबके के लोगों पर पड़ रहा है . जिनकी मासिक आय ज्यादा है, वे महंगाई से नहीं डरते . लेकिन कम आय वाले लोगों को राशन से लेकर घरेलू खर्च में कटौती करनी पड़ रही है . उन्होंने बताया कि कुछ दिनों तक टमाटर ने रुलाया, अब प्याज के दाम में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है . मध्यमवर्गीय परिवार के लोगों के लिए महंगाई ने जीना दूभर कर दिया है . पता नहीं महंगाई कब कम होगी .

महंगाई से आम ही नहीं खास भी परेशान हैं : प्रसेनजीत कुमार

बोकारो जिले के दांतू निवासी कृषि स्नातक व्यवसायी प्रसेनजीत कुमार ने बताया कि महंगाई से सिर्फ आम आदमी ही नहीं, बल्कि खास लोग भी परेशान होते हैं . राशन व सब्जियों की खपत हर घर में होती है . इस स्थिति में इन पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि से सबका बजट गड़बड़ा जाता है . बाजार में इन दिनों सब्जियों की कीमत में काफी बढ़ोतरी हो गयी है, इससे सब्जी उत्पादन करनेवाले किसानों को कम, बल्कि उन किसानों से कम दाम में सब्जी लेकर महंगे दामों में सब्जी बेचने वाले व्यापारी वर्ग के किसानों को ज्यादा मुनाफा हो रहा है .

पाकुड़

दूध,फल में कटौती करनी पड़ रही है ताकि कुछ राहत हो : मनोज यादव

मनोज यादव का कहना है कि महंगाई चरण सीमा पर है . घर का बजट गड़बड़ा गया है . जो दाल 120 रुपए किलो मिलती थी, वह 175 रुपए किलो हो गयी है . जो सब्जी 30 रुपए किलो मिलती थी वह 60 रुपए हो गयी है . वहीं तेल की कीमतों में भी भारी उछाल आया है . प्याज एवं टमाटर 60 रुपए से लेकर 80 रुपए प्रति किलो हो गए हैं . फल के दाम भी दोगुना हो गए हैं . ऐसे में प्राइवेट नौकरी करने वाले एवं हम जैसे गरीब लोगों के लिए घर चलाना बहुत मुश्किल हो गया है . दूध और फल में कटौती करना पड़ रहा है .

महंगाई इस कदर बढ़ी कि जिंदगी बदहाल हो गई है : ईला देवी

ईला देवी का कहना है कि महंगाई इस कदर बढ़ी है कि घर का सारा बजट गड़बड़ा गया है . फल सब्जी दूध मसाले चावल दाल एवं अन्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल आ गया है . जिसके कारण आम लोग एवं गरीब लोगों की जिंदगी बदहल हो गई है . मुश्किल से 6 से दस हजाह रुपए कमाने वाले लोगों के घर का बजट खराब हो गया है . फल,सब्जी खाना मुश्किल हो गया है .

रुला रहे हैं सब्जियों के भाव, घर चलाना मुश्किल : अभिराम घोष

अभिराम घोष का कहना है कि हम लोग दिनभर दुकानदारी करते हैं, लेकिन महंगाई इतनी है कि पैसे की बचत नहीं हो पाती है . मुश्किल से दिनभर रोजगार कर हर माह दस हजार रुपए या प्रतिदिन 300 से 350 रुपए कमा पाते हैं . उसमें घर चलना मुश्किल हो गया है . दूध की कीमत 60 रुपए प्रति किलो हो गयी है . तेल की कीमत 160 रुपए प्रति किलो, सब्जियों के दाम में भी उछाल आया है . 60 प्रति किलो से कम कोई सब्जी नहीं मिल रही है . टमाटर प्याज ने तो मानो रुला दिया है . ऐसे में घर चलना कठिन हो गया है .

कीमतों में उछाल के कारण घर का बजट गड़बड़ा गया है : सुकुमार राय

सुकुमार राय का कहना है कि मैं ठेला चलाता हूं एवं 500 रुपए प्रतिदिन कमा लेता हूं . उसके बावजूद भी घर का बजट गड़बड़ा गया है . फल एवं दूध छोड़ ही दिया है . महंगाई इस कदर बढ़ी है कि बच्चों की स्कूल फीस देंगे या फिर खाना खाएंगे . फल एवं सब्जी तेल,दाल की कीमतों में बेतहाशा उछाल आया है . जिसके कारण घर का बजट चरमरा गया है .

सीमित कमाई से महंगाई से बढ़ गई है मुश्किलें : होपना टुडू

होपना टुडू ने कहा कि महंगाई बढ़ने के कारण घर का बजट तार तार हो गया है दूध फल सब्जी सोचना भी दुश्वार हो गया है .एक तरफ महंगाई जान ले रही है एवं दूसरी ओर बीमारी . हम लोग की कमाई हर दिन 300 से 500 रुपए है . उसी में खाना-पीना, बच्चों की पढ़ाई और ट्यूशन फी, सभी कुछ करना पड़ता है . लेकिन महंगाई इस कदर बढ़ी है कि बजट ही फेल हो गया है . सबजी 60 रुपया प्रति किलो हो गया है .फल डेढ़ सौ रुपया प्रति किलो, दाल 175 रुपए प्रति किलो, तेल 160 रुपए प्रति किलो हो गया है, ऐसे में हम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है . महंगाई चरम पर है . केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार से अनुरोध करेंगे कि महंगाई पर कंट्रोल करे ताकि हम आमजन जीवन यापन कर सके .

बढ़ती महंगाई पर नौकरी पेशा और मिडिल क्लास लोगों की राय

आदित्यपुर

महंगाई से मिडिल क्लास परिवार का इस समय बुरा हाल : नरेंद्र प्रसाद

आदित्यपुर के अधिवक्ता और अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद बढ़ती महंगाई और सब्जियों की कीमतों में उछाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहते हैं कि इस महंगाई में खासकर नौकरी पेशा और मिडिल क्लास फैमिली का बुरा हाल है . मिडिल क्लास को अपना घर चलाना मुश्किल हो गया है . बच्चे की पढ़ाई और रहन सहन को मेंटेन करने में घर का बजट बिगड़ जा रहा है . वह कहते हैं कि इसके अलावा सोसाइटी में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए बहुत सोचना पड़ता है . अभी जिस कदर हरी सब्जियां महंगी हो रही है, आलू ,प्याज की कीमतों में उछाल आ रहा है . ऐसे में मिडिल क्लास फैमिली को स्टेटस मेंटेन करने, बच्चों को ऊंची शिक्षा देने के लिए ऋण का सहारा लेना पड़ता है, जो उनके लिए बोझ बन जाता है . पैकेट वाले दूध की कीमत एक साल में 62 रुपये प्रति लीटर हो गया है . कोई भी हरी सब्जियां लें 40 रुपए से प्रति किलो से कम नहीं है . दुकानदार तो किलो नहीं पाव की कीमत ग्राहकों को बता रहे हैं . ऐसे में हम मिडिल क्लास फैमिली को समाज में रहना मुश्किल हो रहा है .

अभी तो बहुत मुश्किल से घर चला पा रहे हैं : शशांक कुमार गांगुली

प्याज, हरी सब्जियों और दूध जैसे आवश्यक चीजें की आसमान छूती महंगाई के सवाल पर आदित्यपुर के सुवर्णरेखा परियोजना के कर्मचारी नेता शशांक कुमार गांगुली कहते हैं कि हमलोग किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं . यह बताने लायक नहीं है . गांगुली कहते हैं कि केवल अनाज के ही नहीं आज के परिवेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की कीमतें बेतहाशा बढ़ी है . महंगाई के अनुपात में लोगों कीआय नहीं बढ़ी है . अगर कुछ बढ़ी है तो बेरोजगारी . हम सरकारी नौकरी करने वालों की स्थिति ठीक नहीं है, तो प्राइवेट सेक्टर के लोग जिनका आय बहुत कम है वह कैसे गुजारा करते होंगे . बाजार में हर चीज महंगी है . आज हरी सब्जियां और दूध तो हर दिन महंगे हो रहे हैं . हम लोग तो रिटायर पर्सन हैं . पेंशन के सहारे घर चलाते हैं, बहुत मुश्किल से घरबार चल पा रहे हैं .

धनबाद में बाजार बंद, दुकानें बंद... अभूतपूर्व बंदी

संवाददाता। धनबाद

कोयलांचल में बढ़ते अपराधिक मामलों से उग्र होकर बुधवार को तमाम व्यवसायी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए. व्यापारियों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं. बंदी अभूतपूर्व रही. बंदी का असर पूरे दिन देखा गया. जगह-जगह पुलिस प्रशाशन के खिलाफ रैली निकाली गई. वहीं, खिलाफ में नारे भी लगे. बैंक मोड़ चैम्बर, पुराना बाजार चैम्बर, सरायढेला चैम्बर, हीरापुर पार्क मार्केट चैम्बर, एल सी रोड चैम्बर, बरटांड चैम्बर, बड़वाअड्डा चैम्बर, झरिया चैम्बर समेत सभी 55 चैम्बर की दुकानें बंद रखी गईं. बाजार समिति ने भी समर्थन देते हुए दुकानें बंद रखीं.

पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं व्यापारीः एक तरफ व्यापारी संघ बुधवार को अनिश्चितकालीन बंदी की तैयारी में था तो वहीं पुलिस मंगलवार की रात से ही ताबड़तोड़ छापेमारी कर अपराधियों की गिरफ्तारी कर रहा था, जिसका नतीजा रहा कि चार से अधिक अपराधियों की गिरफ्तारी भी हुई लेकिन व्यापारी संघ इससे संतुष्ट नहीं दिखा. जिला चैम्बर के महासचिव अजय नारायण लाल ने कहा की अब गिरफ्तारी से बात नहीं बनेगी. अब जब तक पुलिस प्रशासन हर एक व्यापारियों को सुरक्षा की गारंटी नहीं देगा, तब तक हड़ताल जारी रखा जाएगा. कहा की व्यापारियों को जब तक पुलिस आश्वस्त नहीं कर देगी की अब उनपर गोली नहीं चलेगी और धमकी नहीं मिलेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा.

100 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावितः व्यापारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से ज़िले में 100 करोड़ से अधिक के कारोबार प्रभावित होने का अनुमान लगाया गया. जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स के महासचिव अजय नारायण लाल ने कहा की व्यापक बंदी से 100 करोड़ से अधिक का व्यापार प्रभावित हुआ है. केवल पुराना बाजार के बंद होने से 12 से 15 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है. वहीं जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका ने बंदी को सफल बताते हुए कहा कि सर्राफा बाजार में करीब 15 करोड़ का व्यवसाय प्रभावित रहा.

मेडिकल दुकानें भी रहीं बंद

व्यवसाय संगठन के अनिश्चितकालीन हड़ताल को केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने भी समर्थन दिया था. जिसका नतीजा रहा की जिले के सभी दवा दुकानें बंद रही. इससे मरीजों को वक्त पर दवा मिलना मुश्किल हो गया. हालांकि अस्पताल के मेडिकल स्टोर खुले रहे. जिससे ना केवल इनडोर मरीजों बल्कि बाहर से दवा लेने आए लोगों को भी राहत मिली.

पेट्रोल पंप रहा संचालित

अनिश्चित कालीन हड़ताल को पेट्रोलियम डीलर एसोसिशन का नैतिक समर्थन मिला था. जिस वजह से जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालित रही. आम दिनों की भांति ही वाहनों में पेट्रोल और डीजल भरा गया. एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा की अगर व्यापारियों की मांग नहीं मानी गई तो पेट्रोल पंप भी बंद कार दिए जाएंगे.

अस्पताल के ओपीडी रहे बंद

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर प्राइवेट अस्पताल के ओपीडी बाधित रही. हालांकि कुछ अस्पतालों में ओपीडी सेवा मरीजों को मिली लेकिन अधिकांश बंद रहे. दूसरी ओर इमरजेंसी सेवा संचालित रही और गंभीर मरीजों का इलाज किया गया.

यातायात व्यवस्था पर असर नहीं

भले ही हड़ताल की वजह से व्यापार ठप रहा लेकिन यातायात व्यवस्था पर इसका असर नहीं दिखा. आम दिनों की भांति ही सड़कों पर वाहन सरपट दौड़ते रहे. सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही. बैंक मोड़ से लेकर हीरापुर और सरायढेला से लेकर स्टील गेट तक जाम की समस्या से वाहन चालक जूझते रहे.

जिले भर में हड़ताल का दिखा व्यापक असर

दुकानें बंद कर सड़क पर उतरे व्यापारी

सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ दिखाया रोष

जिले के सभी व्यापार संगठनों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

धनबाद जिले के मोटर पार्टस कारोबारी दीपक अग्रवाल पर रंगदारी के लिए फायरिंग कर उनको घायल करने के मामले त्वरित कार्यवायी एवं उनको और उनके परिवार को समुचित सुरक्षा प्रदान करने की मांग के साथ फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा है की इस घटना से व्यवसायी वर्ग में काफी भय उत्पन्न हो गया है और अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है. संगठन इस घटना की घोर निंदा करता है. संघ ने सीएम से आग्रह किया है की साथ ही व्यवसायी के आर्थिक क्षति के लिए उचित आर्थिक सहायता मिले. इसमें संलिप्त सभी अभियुक्तों की तत्काल गिरफतारी सुनिश्चित की जाए एवं उनको सजा दिलाने के लिए उचित न्यायायिक कदम उठाए जाए.

बंद रहीं सिंदरी की सभी दुकानें

सिंदरी। धनबाद जिला में गिरती कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए जिला चेम्बर ऑफ कामर्स के बेमियादी बंदी के समर्थन में सिंदरी चेम्बर ने भी सिंदरी के बाजारों को बंद कराया. सिंदरी शहरपुरा बाजार को छोड़कर बुधवार को गौशाला, कांड्रा सहित सभी शोरूम और प्रतिष्ठान खुले रहे और व्यापार हुआ. इसमें धनबाद नवनिर्माण संघ अध्यक्ष वेदप्रकाश ओझा ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बहाल करने की मांग जिला चेम्बर से की. सिंदरी चेम्बर ऑफ कामर्स अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू ने कहा कि सिंदरी शहरपुरा बाजार में दवा दुकानों सहित अन्य दुकानें बंद रखी गईं. व्यापारियों ने गिरती कानून व्यवस्था का विरोध प्रकट किया है. जिला चेम्बर के आव्हान पर पूर्ण बंदी की गई है. जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) सचिव वेदप्रकाश ओझा ने बताया कि बुजुर्गों, महिलाओं सहित बीमार व्यक्तियों की स्वास्थ्य सुविधा को ख्याल में रखते हुए दवा दुकानों सहित ओपीडी की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए. उन्होंने जिला प्रशासन को बधाई का पात्र बताते हुए कहा कि पूर्व में भी धनबाद में हुई कई अपराधिक घटनाओं पर प्रशासन लगाम लगाई है.

व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद का दिखा मिलाजुला असर

गोमो। धनबाद जिला में माफियाओं द्वारा लगातार व्यावसायिक से मांगी जा रही रंगदारी, टैक्स, व्यवसायियों व प्रतिष्ठानों में मारे जा रहे बम-गोली, जैसी आपराधिक घटनाओं के विरोध पर धनबाद जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अनिश्चितकालीन बाजार, प्रतिष्ठान बंद के आह्वान पर बुधवार को रेल नगरी गोमो में बंद का मिला-जुला असर देखा गया. गोमो का मुख्य पुराना बाजार सदानंद झा रेलवे मार्केट लोको बाजार, आज़ाद नगर में व्यवसायिक प्रतिष्ठान आंशिक रूप से बंद रही. दवा,मीट, चाय-नाश्ता, पूजा भंडार, सैलुन आदि छोटी दुकानें आम दिनों की तरह खुली रहीं. चैंबर ऑफ कॉमर्स गोमो के पदाधिकारी उमेश सिंह आफाक खान, अनूप वर्णवाल, रूपेश गुप्ता, राजीव सोनी आदि सदस्यों ने बंद को सफल बनाने के लिए सड़क पर उतरकर खुली दुकानों को बंद कराया.

बंद का कतरास-बाघमारा में दिखा जोरदार असर

कतरास। धनबाद में हुए गोली कांड के विरोध में कतरास एवं बाघमारा क्षेत्र में में अनिश्चितकालीन बंदी काफ़ी असरदार रहा. इस मौके पर कतरास-बाघमारा क्षेत्र में दवा दुकान समेत अन्य सभी प्रमुख दुकानें एवं प्रतिष्ठान बंद रहे. कतरास चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं बाघमारा चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के तत्वाधान में बाईक जुलुस आदि के जरिये कतरास-बाघमारा के सभी दुकानदार रोड पर उतरकर अपनी चत्तानी एकता का परिचय दिए तथा व्यापारी एकता का नारा लगाकर अपनी आवाज़ बुलंद की. कतरास में प्रदीप गुप्ता, भोला शर्मा, शिबू सेन गुप्ता, मनबोध स्वर्णकार, राजू साव, संजय साव, धनजी सिंह, संतोष प्रमाणिक, बिशु शर्मा, विनय लोहानी, मिंटू डे एवं बाघमारा में विनायक मित्तल, सज्जन खंडेलवाल, दिनेश ठक्कर, राजकुमार खण्डेलवाल, सत्यनारायण पाण्डेय, सन्नी बर्मा, हीरा यादव, निकेत चौधरी, मुकेश वर्णवाल, महेश चौधरी, संजय चंद्रवंशी, ओमप्रकाश वर्णवाल, टोनी चौधरी, संजय केसरी, सोनू शर्मा इत्यादि सक्रिय रहे

निरसा में व्यवसायियों का आंदोलन

निरसा। वासेपुर के प्रिंस खान के गुर्गे द्वारा रंगदारी नहीं देने पर बैंक मोड़ स्थित कार सेंटर के संचालक दीपक अग्रवाल पर फायरिंग किये जाने के विरोध में धनबाद जिला चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स के आह्वान पर बुधवार सुबह से ही निरसा विधानसभा क्षेत्र के तमाम व्यवसाययों ने अपनी अपनी दुकानों को बंद कर दिया है. इस दौरान व्यवसाययों ने धनबाद जिला पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की. व्यवसायों का साफ तौर पर कहना है कि जब तक सरकार और जिला प्रशासन व्यवसायियों को सुरक्षा को लेकर सुनिश्चित नही करेगी तब तक बंदी रहेगी. धनबाद जिला चेम्बर्स ऑफ कामर्स के आदेश पर अनिश्चितकालीन बंदी किया गया है. व्यवसायों का कहना है कि पिछले दो सालों से धनबाद जिला में अपराधी घटना चरम पर है लगातार दिनदहाड़े व्यवसाय की गोली मारकर हत्या की जा रही है. खुलेआम दूरभाष पर रंगदारी मांगी जा रही है. धनबाद पुलिस हर बार सुरक्षा का भरोसा दिलाती है, लेकिन कुछ ही दिनों में अपराधी गोलीबारी शुरू कर देते हैं. अपराधियों के आतंक एवं जिला पुलिस की शिथिलता के कारण व्यवसाय डरे सहमे है. व्यवसायों का घर से निकलना बंद हो गया है. जब तक सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती आंदोलन जारी रहेगा.

व्यवसायी अग्रवाल पर फायरिंग मामले में 7 अपराधी गिरफ्तार हुए

धनबाद। व्यवसायी दीपक अग्रवाल पर फायरिंग मामले में धनबाद पुलिस ने 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया है. बुधवार को एसएसपी संजीव कुमार ने पुलिस लाइन में पत्रकार वार्ता कर यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि रंगदारी को लेकर प्रिंस खान के गुर्गो ने दीपक अग्रवाल पर गोली चलाई थी. इसमें शामिल सभी चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. अपराधियों के पास से पांच हथियार और 15 गोलियों के अलावा घटना के लिए उपयोग की गयी बाइक भी बरामद कर ली है. उन्होंने बताया इस कांड के अनुसंधान के लिए पुलिस की अलग-अलग कुल 12 टीमें बनाई गयी थीं. अनुसंधान के क्रम में पूर्व में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें राहुल सिंह, पिंटू महतो और विकास सिंह शामिल हैं, इन तीनों में से दो जमुई और एक धनबाद के चिरकुंडा का रहनेवाला है. इनकी योजना जिले में लगातार आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की थी. ये आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में ही थे, तभी पुलिस की टीम ने इन्हें जीटी रोड से गिरफ्तार कर लिया.

हथियार सप्लाई करनेवाला, कांड का साजिशकर्ता भी पकड़ा गया: पुलिस की जांच आगे बढ़ी. इसके बाद व्यवसायी दीपक अग्रवाल पर गोली चलानेवाले मोहम्मद छोटू समेत चार अपराधियों को गिरफ्तारी किया गया. चार अपराधियों में छोटू के अलावा रिहान राजा उर्फ राजा उर्फ आर्यन खान, आतिफ अली और साहिल अंसारी शामिल है. एसएसपी ने बताया कि घटना में गोली चलानेवाला से लेकर बाइक चलाने वाला, हथियार सप्लाई करनेवाला और कांड का साजिशकर्ता सभी पकड़े गये हैं. एसएसपी संजीव कुमार ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी अपराधी अपराध की नीयत से अगर काम करेगा तो पुलिस उसे नहीं छोड़ेगी. कहा कि घटना के दिन ही एटीएस ने तीन अपराधियों को पकड़ा था.

एसएसपी ने व्यवसायियों को दिया आश्वासनः धनबाद एसएसपी ने व्यवसायियों को आश्वासन देते हुए कहा कि भय मुक्त वातावरण बनाया जा रहा है आप खुल कर व्यापार करें. रंगदारी अथवा धमकी भरा फोन आने पर व्यवसायी पुलिस को तुरंत सूचना दें. कहाकि भयमुक्त वातावरण देने के लिए धनबाद पुलिस तत्पर हैं.

पेज एक का शेष...

विभाग और ग्रामीणों के....

कुजूरूम गांव के ग्राम प्रधान लालू उरांव बताते हैं कि इस पुनर्वास योजना के धरातल पर उतरने से पहले ही, पलामू व्याघ्र परियोजना से संबंधित वन विभाग एवं ज़िला प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के 28 जनवरी 2019 (डब्ल्यूपी (सिविल) - 202/1995 आईए नंबर 3934/2015) के फ़ैसले का हवाला देकर लाटू और कुज़रोम के ग्रामीणों को 5 एकड़ ज़मीन देने से मना कर रहे हैं. प्रशासन का कहना है कि विस्थापित ग्रामीणों को केवल उतनी ही ज़मीन मिलेगी, जितनी ज़मीन (व्यक्तिगत) से वे बेदख़ल किए जा रहे हैं. उदाहरण के तौर पर अगर, किसी व्यक्ति की लाटू गांव में 0.5 एकड़ ज़मीन है, तो उसे विस्थापित जगह पर उतनी ही ज़मीन मिलेगी (न कि 5 एकड़).

आदेश को तोड़ मरोड़ कर किया जा रहा पेश : जेरोम जेराल्ड कुजूर

सामाजिक कार्यकर्ता जेरोम जेराल्ड कुजूर कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने 28 जनवरी 2019 के आदेश में, केंद्रीय प्राधिकृत समिति (सीईसी) की सिफ़ारिशों को माना है. जिसमें कहा गया कि जिस जगह पर लोगों का पुनर्वास किया जाना है, उस जगह की कुल सीमा (क्षेत्रफल अनुसार) ख़ाली की गई जगह (लाटू और कुज़रोम गांव) का कुल क्षेत्रफल सीमा से अधिक नहीं हो सकता है. इस आदेश में कहीं भी ग्रामीणों की व्यक्तिगत ज़मीन का ज़िक्र नहीं है. वन विभाग ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को जो पत्राचार किया था, उसमें बताया था कि पुनवार्सित जमीन क़रीब 750 एकड़ है. जो ज़मीन के कुल क्षेत्रफल क़रीब 827 एकड़ से कम है. लेकिन, अब ज़िला प्रशासन एवं वन विभाग न केवल राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकार के निर्देशों का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी तोड़ मरोड़ कर पेश कर रहा है. इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि विभाग ग्रामीणों को विस्थापित तो करना चाहता है, पर उन्हें सही तरीके से पुनर्वासित नहीं करना चाहता. ऐसे में ग्रामीण खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं.

राज्य सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी, कहा- मोटी रकम लेकर बेच दी गई सीटें

छात्रों ने लगाया परीक्षा में धांधली का आरोप

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग के गांधी मैदान में बुधवार को विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया है. साथ ही ऐलान किया है कि तीन नवंबर को राजभवन के सामने पूरे राज्य भर से विद्यार्थी पहुंच कर विशाल धरना देंगे. छात्रों ने सरकार पर आरोप लगाया कि हाल में जितनी भी परीक्षाएं हुई हैं, उनमें धांधली की गई है और सीटों को बेच दिया गया है. इनमें जेई से लेकर नगर निगम तक की परीक्षा शामिल है. छात्रों का यह भी कहना है कि निर्धारित समय में भी परीक्षा नहीं ली जा रही है और डेट पर डेट बढ़ाया जा रहा है. 2015 में जो फॉर्म भराया गया था, वह परीक्षा आज तक नहीं ली गई है. जिस परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, उसमें भी अनियमितताएं हो रही हैं. छात्रों ने जेएसएससी से आयोजित नगर पालिका अंतर्गत विभिन्न पदों की परीक्षा पर भी सवाल खड़ा किया है. छात्रों का कहना है की परीक्षा के पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो चुका था. मोटी रकम देकर सेट बेच दी गई. इस कारण परीक्षा रद्द कर फिर से परीक्षा लेने की मांग की.

तीन नवंबर को राजभवन के समक्ष होगा छात्रों का प्रदर्शन

राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हजारीबाग मटवारी स्थित गांधी मैदान में गोलबंद विद्यार्थी.

खास बातें

- परीक्षा नहीं हो रही सिर्फ डेट बढ़ाया जा रहा है
- निर्धारित समय में भी नहीं ली जा रही है परीक्षा

एसएससी का परीक्षा मात्र दिखावा

रांची से पहुंचे छात्र नेता मनोज कुमार ने कहा कि एसएससी जो परीक्षा ले रहा है, वह दिखावा मात्र है. झारखंड के विद्यार्थी पास नहीं होते हैं, बल्कि जो कोलकाता और पटना में हैं, वह पास हो रहे हैं. पूरी परीक्षा में धांधली हो रही है. जेएसएससी को भंग कर सेंट्रल सर्विस कमीशन से परीक्षा ली जाए. उन्होंने छात्रों से अपील की है कि तीन नवंबर को राजभवन पहुंचकर धरना दें. सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसने आंखें बंद कर ली हैं. अगर यही हाल रहा तो 2024 में युवा इस सरकार से आंख बंद कर लेगी, तो क्या हो सकता है, यह समझ जा सकता है.

बहाली के नाम पर हो रही धांधली

गांधी मैदान पहुंचे छात्र अखिल कुमार ने कहा कि 2015 में जो फॉर्म भर गया था, वह आज तक नहीं लिया गया. उसमें 8.50 लाख से अधिक फॉर्म भरे गए हैं. कहा जा रहा है कि सेंटर प्रखंड में भी दिया जाएगा. प्रखंड में छात्र पहुंच भी नहीं पाएंगे. फर्जी एमआर सीट पर बहाली कर दी जाएगी. वहीं खुशबू ने भी सरकार से मांग की है कि बहाली को रद्द करें. फिर से परीक्षा आयोजित की जाए. खुशबू का यह भी कहना है कि पिछले कई सालों से छात्र तैयारी कर रहे हैं, लेकिन बहाली के नाम पर सरकार परीक्षा तो ले रही है, लेकिन उसमें धांधली ही धांधली है.

क्वार्टर फाइनल में प्रताप क्रिकेट क्लब

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा बी-डिवीजन लीग के अंतर्गत बुधवार को खेले गए मैच में प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा ने फ्रेंडस कोल्टस चाईबासा को एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से पराजित कर क्वार्टर फाईनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है. जबकि फ्रेंडस कोल्टस की टीम अपने दोनों मैच हारकर प्रतियोगिता से लगभग बाहर हो गई है. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंडस कोल्टस की टीम ने निर्धारित 30 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए. विकेटकीपर बल्लेबाज सचिन सिंह दो चौकों एवं चार छक्कों की मदद से सर्वाधिक 46 रन बनाए और अंत तक आउट नहीं हुआ. अन्य बल्लेबाजों में यशराज एवं सुमित प्रजापति ने 34-34 रन तथा देवराज ने 10 रन बनाए. प्रताप क्रिकेट क्लब की ओर से कैफ अब्बास ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 12 रन देकर पांच बल्लेबाजों को पैविलियन की राह दिखाई. जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्रताप क्रिकेट क्लब ने 22.1 ओवर में मात्र दो विकेट खोकर प्राप्त कर लिया. उद्‌घाटक बल्लेबाज अनीस कुमार दास ने छह चौकों एवं दो छक्कों की सहायता से 58 नाबाद रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी. ललित बी सिंह ने 37 एवं चक्रधर ने 36 रनों की पारी खेलकर अनीस का अच्छा साथ दिया. वहीं चंदन कुमार कुमार 22 रन बनाकर नाट आउट रहा.

फ्रेंडस कोल्टस की ओर से राज कुमार नायक एवं सुमित प्रजापति को एक-एक सफलता हाथ लगी.

विधिक सेवा पहुंचेगी अब गांव-गांव तकः सचिव

चाईबासा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के तत्वावधान में बुधवार को न्यायालय परिसर से चलंत लोक अदालत का शुभारंभ किया गया. सचिव राजीव कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर उन्होने कहा कि आज से आरंभ होने वाले चलंत लोक अदालत के द्वारा अगले एक माह तक संपूर्ण ज़िले में गांव गांव तक विधिक सहायता प्रदान किया जाना है. इसके अलावा लोगों की समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन भी लिए जायेंगे. प्रथम दिन तांबो चौक में जागरुकता अभियान चलाया गया और लोगों को कई आवश्यक कानूनी जानकारी दी गई. मौके पर प्राधिकार के सदस्य विकास दोदराजका, सहायक अमित कुमार, पी एल वी संजय निषाद, मो शमीम, पीएलवी रविकांत ठाकुर आदि उपस्थित थे.

सराहनीय बच्चों का अनुशासन और संस्कार देखकर हर कोई शिक्षक दीपक की तारीफ कर रहे

बीहड़ में शिक्षा का अलख जगा रहे पारा शिक्षक दीपक

राजीव उरांव। चंदवा

चंदवा प्रखंड के डुमारो पंचायत के सुदूरवर्ती गांव ढोंटी की बीहड़ में पारा शिक्षक दीपक भगत शिक्षा का अलख जगा रहे हैं. बीहड़ जंगल के बीच स्थित इस स्कूल की व्यवस्था, साफ-सफाई और बच्चों के अनुशासन और संस्कार सराहनीय है. वर्तमान में इस स्कूल में कुल 59 बच्चे नामांकित हैं. जो हर रोज साफ-सुथरा ड्रेस पहनकर स्कूल आते हैं. सबसे पहले प्रार्थना करते हैं और फिर पढ़ाई शुरू करते हैं. बच्चे मध्याह्न भोजन से पहले हाथ धोते हैं और फिर एक साथ बरामदे में बैठकर प्रणाम कर भोजन करते हैं. बच्चों का अनुशासन और संस्कार देखकर हर कोई शिक्षक दीपक भगत की सराहना करता है.

बता दें कि स्कूल की नींव दीपक टाना भगत ने सन् 2003 में अभियान विद्यालय के रूप में रखा था. शुरुआत में स्कूल में बच्चों का नामांकन करना और उनकी उपस्थिति बढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था. पर शिक्षक दीपक ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को बखूबी निभाया. गांव में घूम-घूमकर बच्चों का नामांकन कराया. उनके परिजनों से बच्चों को रोज स्कूल भेजने की अपील की. जिसका नतीजा हुआ कि आज स्कूल में 59 बच्चे नामांकित हैं. सभी बच्चे खुशी-खुशी रोज स्कूल आते हैं और स्वच्छ वातावरण में अच्छी शिक्षा लेकर जाते हैं. दीपक ने कड़ी मेहनत और लगन से स्कूल परिसर को सजा-संवार दिया. स्कूल परिसर में लहलहाती फूलों की क्यारियां उनके लगन और मेहनत को दर्शा रही है. दीपक को शुरुआत में सरकार की तरफ से एक हजार रुपये मानदेय के रूप में मिलता था.

खास बातें

- स्कूल परिसर और बच्चों का अनुशासन काबीलेतारीफ
- परिजनों से बच्चों को रोज स्कूल भेजने की अपील की

गांव के बच्चों को शिक्षित करने का लक्ष्य हो रहा पूरा : दीपक

पारा शिक्षक दीपक भगत कहते हैं कि स्कूल खुले आज लगभग दसवां साल गुजर गये. इस दौरान बहुत उतार-चढ़ाव आये, पर वह अपने लक्ष्य से भटके नहीं. दीपक कहते हैं कि मैं अपने कार्य से संतुष्ट हूं. गांव के बच्चों को शिक्षित करने का मेरा लक्ष्य प्राप्त होता नजर आ रहा है.

झारखंडी हक-अधिकारों की लड़ाई में साथ दें : जयराम

संवाददाता। बरकट्ठा

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति हजारीबाग जिला के तत्वाधान में '60/40 नाय चलतो' लेकर बदलाव संकल्प महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने बुधवार को बरकट्ठा प्रखंड के कपका बाजार मैदान में कहा कि झारखंडी हक-अधिकारों की लड़ाई में साथ दें. देर शाम तक उसको सुनने के लिए युवाओं की टोली डटी रही. उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति होती है और जिस दिन वह चाह ले, उसी दिन सत्ता पलट सकती है. उन्होंने कहा कि झारखंड के स्थानीय नियोजन, पुनर्वास और ओबीसी आरक्षण एक मसला है. सरकार को इसे गंभीरता से विचार कर नीति बनाना चाहिए. यह आंदोलन तब तक नहीं रुकेगा जबतक सरकार विधेयक को झारखंडी भावनाओं के अनुरूप नहीं बनाती.

▼ ब्रीफ खबरें

राजदेव हत्याकांड की मुख्य गवाह का निधन

पटना । सिवान के बहुचर्चित पत्रकार राजदेव रंजन हत्याकांड मामले की सुनवाई को बड़ा झटका लगा है. इस केस की मुख्य गवाह बादामी देवी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया. बादामी देवी को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने राजदेव रंजन हत्याकांड में मुख्य गवाह के रूप में कोर्ट में प्रस्तुत किया था. एक नवंबर को ही इस मामले की सुनवाई की तिथि तय थी. उल्लेखनीय है कि पत्रकार की बदमाशों ने 13 मई, 2016 को गोली मारकर हत्या कर दी थी. जांच के क्रम में सीबीआई ने यह पाया था कि राजदेव ने खबर प्रकाशित किया था.

चाकूबाजी में तीन लोग घायल

छपरा । छपरा में नशेड़ियों के द्वारा आपसी विवाद में हुई चाकूबाजी की घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं. घटना शहर के नगर थाना क्षेत्र के साढा ढाला रेल ओवर ब्रिज के नीचे की है. इस घटना में एक युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है, जिसे इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है. वहीं, दो लोगों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है. ऑटो चालक मोहन राय पैदल ही अपने घर नगरपालिका चौक जा रहा था, तभी साढा ओवर ब्रिज के नीचे पहले से मौजूद कुछ नशेड़ी युवकों के द्वारा माचिस की मांग की गई.

पूर्व सांसद के बेटे ओसामा की कोर्ट में हुई पेशी

पूर्वी चंपारण । सिवान के पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पेशी के लिए मोतिहारी कोर्ट लाया गया. ओसामा पर बीते अगस्त माह में उसके बहन के ससुराल में मारपीट और फायरिंग का आरोप है.जिसको लेकर उन पर मोतिहारी नगर थाना में केस दर्ज कराया गया था.इस मामले को लेकर आज उनकी पेशी सीजीएम कोर्ट में हुई.जहां कोर्ट के निर्णय के बाद उसे वापस सिवान पुलिस लेकर चली गई. उल्लेखनीय है कि विगत दिनो ओसामा को लेकर कोर्ट ने प्रोडक्शन वारंट जारी किया था.

20-25 हजार नये युवाओं को ही नौकरी मिली : प्रशांत किशोर

संवाददाता । मधुबनी

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार में दौरे पर निकले हुए हैं. बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमने बिहार में 10,000 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा था, लेकिन सीतामढ़ी से आने तक करीब 55 हजार लोग जन सुराज के साथ जुड़ना चाहते हैं. अभी हर प्रखंड से करीब 2-3 हजार लोग जन सुराज से जुड़ना चाहते हैं. बिहार के लोग सब जानते हैं, लोग को वो बताने की जरूरत नहीं है. इस दौरान पीके ने बिहार में हुई शिक्षक भर्ती को लेकर बड़ा दावा किया है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को नवनियुक्त शिक्षकों को पटना के गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र सौंपने वाले हैं. प्रशांत किशोर ने खुलासा करते हुए कहा कि नियुक्ति कोई बढ़ाई नहीं गई है. पहले से नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी बनाने का काम हो रहा है. सरकार से ये सवाल पूछा जाना चाहिए कि बिहार में 1 लाख 25 हजार लोगों में बिहार के कितने नए लोगों को नौकरी मिली? उन नए लोगों में बिहार के कितने लोग हैं? ये पहले से नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी बनाने के लिए कुछ लोगों को अपग्रेड किया जा रहा है. 1 लाख 25 हजार लोगों में बिहार के कितने नए अभ्यर्थियों को रोजगार दिया जा रहा है ये सूची सरकार को जारी करनी चाहिए. बिहार के नए युवाओं में मुश्किल से 20-25 हजार नए युवाओं को ही नौकरी मिली है. सरकार को नियुक्ति पत्र देने दीजिए. इसकी संख्या मैं दो से चार दिनों में जारी करूंगा.

अपना वोट रोजगार, खेती के नये अवसर के लिए दें : आगे कहा कि बिहार की जनता कभी जात-पात के नाम, कभी धर्म के नाम पर, कभी पुलवामा के नाम पर, लालू यादव से डर कर बीजेपी को, बीजेपी के डर से लालू यादव को वोट देते आई है. विकल्प न रहने पर लोग वोट करते हैं. आप अपना वोट शिक्षा, रोजगार, खेती के नए अवसर के लिए दें. उन्होंने कहा कि जन वितरण प्रणाली में अनाज कम मिल रहा है. स्थानीय विधायक से लेकर सबका कमीशन है. मनरेगा में कोई सक्रिय काम नहीं दिख रहा. स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के 1 लाख 24 हजार लोगों को इसका लाभ मिलना था, लेकिन वो नहीं हुआ. स्वास्थ्य व्यवस्था प्राइवेट के जिम्मे है. सरकार का कुछ अभी तक नहीं दिखा. मधुबनी की सभी पंचायत घूमने के बाद यहां की स्थिति पर विशेष बात करूंगा. अभी जातीय सर्वे हुआ है इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है. अगर सरकार उसके डेटा का सही आकलन कर इस्तेमाल करे तो कोई दिक्कत नहीं है.

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पर हमला करते हुए पीके ने कहा कि सरकार के 60% बजट के मालिक दो लोग नीतीश और तेजस्वी हैं. सबसे पहले आप अपना विभाग छोड़िए, दूसरों को दीजिए. जेडीयू को लोकसभा में पांच सीट नहीं आएगी ये मैं लिख कर दे सकता हूं. तेजस्वी के पिता के समय से जापान देश है कोई आज नहीं बना है. कुछ लेकर आएं तो अच्छी बात है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- बिहार में शेरशाह सूरी का मकबरा बिहार में कहां है – सासाराम
- सेन वंश का संस्थापक कौन था – सामंत सेन
- स्टेलनेस स्टील किसकी मिश्रित धातु है – क्रोमियम और आयरन
- बिहार में पहली बार विधानसभा चुनाव कब हुआ – 1937
- कांच के निर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्रियां – बालू, सोडा, चूना-पत्थर
- थीपुसम त्यौहार किस समुदाय के द्वारा मनाया जाता है – तमिल
- गौतम बुद्ध के पिता का क्या नाम था – शुद्धोधन
- मड़ई त्यौहार किस प्रदेश का आदिवासी त्यौहार है – छत्तीसगढ़
- जोवाई हिल स्टेशन किस राज्य में स्थित है – मेघालय
- चोल वंश का अंतिम राजा कौन था – राजेंद्र तृतीय

सीएम ने शिक्षक भर्ती में अनियमितता को किया खारिज, बोले

बड़े पैमाने पर नियुक्तियां हुईं सबलोग अच्छे से काम करेंगे

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में एक लाख 20 हजार 336 शिक्षकों की भर्ती में अनियमितता के आरोपों को खारिज कर दिया. सभी अभ्यर्थियों को गुरुवार को नियुक्ति पत्र मिलने वाले हैं. बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार पर बुधवार को मीडिया से बातचीत में सीएम ने कहा कि आपलोग जानते हैं कि आजतक कितना बढ़िया से यहां काम हुआ है. जब वे लोग साथ में थे तो कभी इस तरह की बात नहीं बोलते थे, अब उटपटांग बातें करते हैं. उनलोगों को ऊपर से कहा जाता है कि यहां बहुत बढ़िया काम हो रहा है. इसलिए खिलाफत करो, दुष्प्रचार करो. उन्होंने कहा कि बिहार में बहुत अच्छा काम हो रहा है. बहुत अच्छे ढंग से बहाली होती है. सबकुछ यहां पर निष्पक्ष तरीके से होता है. इस बार हमने ही बीपीएससी से सबकुछ करवाया है. इतने बड़े पैमाने पर नियुक्तियां हो रही हैं. सबलोग बहुत मेहनत से अच्छे से काम करेंगे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आपलोगों से नाराज नहीं हैं. हम आपलोगों की प्रशंसा करते हैं. आपलोगों के साथ केंद्र के द्वारा जो अन्याय हो रहा है, उससे हम खुश नहीं हैं. हम तो आपलोगों के पक्षधर हैं. हम तो बराबर कहते हैं कि जब आपलोगों को उनलोगों से मुक्ति मिल जाएगी तो फिर आपलोगों को अपना अधिकार मिल जाएगा. हम कभी आपके खिलाफ नहीं हैं. आपलोग जो चाहते हैं वह करने नहीं दिया जाता है. हम हमेशा आपलोगों के हित में बोलते हैं.

इससे पहले सीएम ने 13934.89 करोड़ रुपये की लागत से ऊर्जा प्रक्षेत्र की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण, कार्यारंभ एवं शिलान्यास किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2020 में कोरोना का दौर आने से काम में कुछ बाधाएं आयीं लेकिन अब काम काफी तेजी से किया जा रहा है. मेरी इच्छा है कि प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य वर्ष 2024 तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सब जगह पूर्ण करा दें. इसके लिए जितने पैसे की जरूरत होगी, राज्य सरकार उपलब्ध करायेगी.

उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ी तो एडिशनल बजट भी लाया जाएगा. यह बहुत अच्छा काम है. इसलिए इसे तेजी से कराएं. यह काम पूर्ण हो जाएगा तो मुझे बेहद प्रसन्नता होगी. बिजली की आपूर्ति पावर सब स्टेशन के माध्यम से की जाती है. जरूरत के मुताबिक पर्याप्त संख्या में पावर सब स्टेशन लगाने के साथ उसमें सुधार का काम भी किया जा रहा है. आप सभी ठीक ढंग से काम कर रहे हैं. इसके लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं.

10 वर्षों से गायब लड़की को अकबरपुर पुलिस ने किया बरामद

नवादा । जिले में अकबरपुर थाने के रुन्निपुर गांव से 2013 से ही गायब लड़की गुड़िया उर्फ सुमन पिता नंदू मांझी को अकबरपुर के थाना प्रभारी अजय कुमार ने बरामद कर बुधवार को उनके परिजनों से मिलाया. मां-पिता दस वर्ष बाद बेटी को देखकर फूट-फूट कर रोई. परिजनों ने बताया कि नौवीं क्लास में पढ़ती थी वो कही चली गई थी. उसकी मां सुषमा देवी के द्वारा इसी थाने के माखर गांव के तीन मुस्लिम लड़के मो. ईशा, मो भोला और गांव के राहुल कुमार पिता तुलसी सिंह को आरोपित करते हुए अपहरण का कोर्ट में परिवाद दर्ज किया था. लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी. वर्ष 2019 में कोर्ट परिवाद पर अकबरपुर थाना कांड संख्या 32 /19 दर्ज किया गया. लगभग दस वर्षों से कांड लंबित चला आ रहा था. इसके बाद पता चला की फतेहपुर थाना गया में एक लड़का और दो महिला के बीच लड़ाई-झगड़ा के कारण से उन्हें फतेहपुर थाना लाया गया है. लड़का गया का रहनेवाला सीडी चौधरी ने दो शादी किया है. पहली पत्नी बीएमपी में सिपाही है, जो मधुबनी में पदस्थापित है. दूसरी पत्नी गुड़िया उर्फ सुमन है जो अकबरपुर की रुनीपुर की रहने वाली है. गया के चंदौती थाना अंतर्गत एक जमीन खरीदकर सीडी चौधरी मकान बनाकर गुड़िया को रहने लाया था. तब ये समाचार उसकी दूसरी पत्नी को मालूम हुआ, तो वह अपने मां-बाप-भाई के साथ वहां पहुंची और मारपीट शुरू कर दी.

पटना में शराब बेचने को लेकर दो गुटों में फायरिंग

टहलने निकले बुजुर्ग की गोली लगने से मौत

संवाददाता । पटना

पटना में दो गुटों में गोलीबारी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई है. मामला आलमगंज थाना क्षेत्र के पटनदेवी कॉलोनी के हरी बाबू गली का है. जहां देर रात अपराधियों के दो गुटों में शराब बेचने को लेकर गोलीबारी हुई जिसमें 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई.

वहीं गोलीबारी की घटना में दो अपराधी भी घायल हो गए. गंभीर रूप से घायल दोनों अपराधियों को इलाज के लिए एनएमसीएच में भर्ती कराया गया है. अमन कुमार नाम के अपराधी का एनएमसीएच में इलाज चल रहा है, वहीं, दूसरे अपराधी अतुल कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया है. गोलीबारी की सूचना मिलते ही पटनासिटी के सहायक पुलिस अधीक्षक समेत विभिन्न थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच कर रहा है. पटना सिटी के सहायक पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने बताया कि मृतक बुजुर्ग की पहचान शिवनाथ मिस्त्री के रूप में की गई है जो बढ़ई का काम करते थे. मामले में आगे की जांच की जा रही है. घायल अपराधियों की पहचान आलमगंज थानाक्षेत्र निवासी अमन कुमार और अतुल कुमार के रूप में की गई है. बताया जा रहा है कि इलाके में अवैध शराब की बिक्री को लेकर देर रात अपराधियों के दो गुट आपस में भिड़ गए. देखते ही देखते दोनों गुटों में जमकर गोलीबारी होने लगी, जिसमें गोली लगने से 70 वर्षीय बुजुर्ग शिवनाथ मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई.

बालू माफिया का कहर

ट्रैक्टर से कुचलकर होमगार्ड जवान की हत्या, आरोपी फरार

संवाददाता । औरंगाबाद

जिले में इन दिनों बालू माफिया का कहर जारी है. मामला एनटीपीसी खैरा थाना क्षेत्र का है, जहां बालू लदे ट्रैक्टर को रोकने के क्रम में एक होम गार्ड को अपनी जान गंवानी पड़ी है. होमगार्ड जवान रामराज महतो मदनपुर थाने के चिल्मी कोयरी बिगहा गांव के रहनेवाले थे. सदर एसडीपीओ मोहम्मद अमानुल्लाह खान ने बताया कि मंगलवार की रात में बरेम ओपी में पदस्थापित एएसआई राजेश कुमार को कांकेर रोड में ट्रैक्टर से अवैध बालू ढुलाई की सूचना मिली थी. एनटीपीसी खैरा थाना के गश्ती पदाधिकारी अपने बल के साथ बड़ेम ओपी के पदाधिकारी राजेश कुमार के अनुसार माधे गांव के रोड में ट्रैक्टर को आगे से घेरने का प्रयास करने लगे. घेरने के क्रम में ही अवैध बालू लदा ट्रैक्टर गृह रक्षक रामराज को कुचलकर फरार हो गया. होम गार्ड जवान को आनन-फानन में पुलिस ने एनटीपीसी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

बीपीएससी के बाहर सहायक अभियंता अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

पटना । बीपीएससी गेट के बाहर आए दिन किसी न किसी बात को लेकर छात्रों का प्रदर्शन देखने को मिलता है. सहायक अभियंता के अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा. दरअसल बीपीएससी कार्यालय गेट पर बिहार के विभिन्न जिले और यूपी से पहुंचे सहायक अभियंताओं ने रिजल्ट को लेकर प्रदर्शन किया और कहा कि जब तक उनका मेरिट लिस्ट नहीं जारी होता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा. बता दें कि बीपीएससी में सभी चयनित सहायक अभियंता 2 साल से दर-दर भटकने को मजबूर हैं. मार्च 2019 में विज्ञापन जारी किया गया था, जिसकी परीक्षा मार्च 2022 में आयोजित की गई थी

कारोबार

विमान ईंधन 5.8 फीसदी सस्ता हुआ

नई दिल्ली । दिवाली से पहले सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने एटीएफ में 6,854.25 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 5.8 फीसदी की कटौती की है. विमान ईंधन की कीमत में लगातार चार बार बढ़ोतरी के बाद यह कटौती की गई है. नई दरें लागू हो गई हैं. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में विमानन टरबाइन ईंधन की कीमत 6,854.25 रुपये कम होकर 1,18,199.17 रुपये प्रति किलीटर से 1,11,344.92 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है.

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत

नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं. अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक हुई है. इस बैठक के पहले वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए. हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुए. एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है. अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व बुधवार को फैसला लेने वाला है.

कमर्शियल सिलेंडर 102 रुपये हुआ महंगा

नई दिल्ली । दीपावली से पहले तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस की कीमत में 101.50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की है. हालांकि, घरेलू रसोई गैस के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया गया है. नई दर बुधवार से लागू हो गई है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1,731 रुपये से बढ़कर 1,833 रुपये हो गया है. मुंबई में इसकी कीमत 1,684 रुपये से बढ़कर 1,785.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है.

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 283 अंक टूटा, निफ्टी 19000 के नीचे

एजेंसी । नयी दिल्ली

दबाव बरकरार

- सरकारी बैंकिंग व रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बढ़ोत्तरी
- भारतीय कंपनियां विदेशी शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होंगी

घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ. बुधवार को सेंसेक्स 283.60 (0.44%) अंकों की गिरावट के साथ 63,591.33 के स्तर पर जबकि निफ्टी 90.45 (0.47%) अंक फिसलकर 18,989.15 के लेवल पर बंद हुआ. बाजार पर दबाव आईटी, मेटल, ऑटो और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों से बना. वहीं दूसरी ओर मीडिया, फार्मा, सरकारी बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी दिखी. इससे पहले मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 237 अंक कमजोर होकर नीचे 63,874 के स्तर पर बंद हुआ था.

विदेशी शेयर बाजारों में सीधे लिस्ट हो सकेंगी भारतीय कंपनियां : भारतीय कंपनियां कुछ शर्तों के साथ विदेशी शेयर बाजारों में सीधे सूचीबद्ध हो सकेंगी. कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी कानून के तहत संबंधित धाराओं को अधिसूचित कर दिया है. नियमों को अधिसूचित किया जाना बाकी है. वर्तमान में स्थानीय कंपनियां विदेशों में अमेरिकी डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआर) और ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट (जीडीआर) के जरिये सूचीबद्ध होती रही हैं. सेबी ने हांगकांग के साथ-साथ जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी, स्विटजरलैंड के अन्य प्रमुख एक्सचेंजों सहित कई देशों में मजबूत मनी-लॉन्ड्रिंग नियमों के साथ स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्धता की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया था. मंत्रालय की ओर से 30 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के अनुसार, कंपनी (संशोधन) अधिनियम 2020 (2020 का 29) की धारा एक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार उसके द्वारा अक्टूबर 2023 के 30वें दिन को उस तारीख के रूप में निर्धारित करती है जिस दिन से उक्त अधिनियम की धारा पांच के प्रावधान लागू होंगे. भारतीय कंपनियों को विदेशी शेयर बाजारों में प्रत्यक्ष रूप से सूचीबद्ध कराने के नियमों को अभी अधिसूचित किया जाना बाकी है.

कच्चा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड का भाव 88 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96 .72 रुपये, डीजल 89 .62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106 .31, डीजल 94 .27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106 .03 रुपये, डीजल 92 .76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102 .63 रुपये और डीजल 94 .24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0 .04 डॉलर यानी 0 .05 फीसदी की गिरावट के साथ 87 .41 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है. वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड 0 .12 डॉलर यानी 0 .15 फीसदी की उछाल के साथ 81 .14 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है.

मंगलवार को मुंबई में जियो वर्ल्ड प्लाजा के लॉन्च पर चमके सितारे

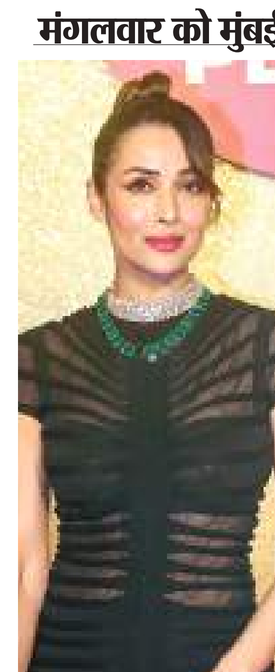

अभिनेत्री
मलायका अरोड़ा

अभिनेता
रणवीर कपूर

अभिनेत्री
रशिमका

बढ़ोत्तरी वित्त मंत्रालय की ओर से दी गयी जानकारी, दूसरी बार सर्वाधिक संग्रह

अक्टूबर में 1.72 लाख करोड़ हुआ जीएसटी कलेक्शन

एजेंसी । नयी दिल्ली

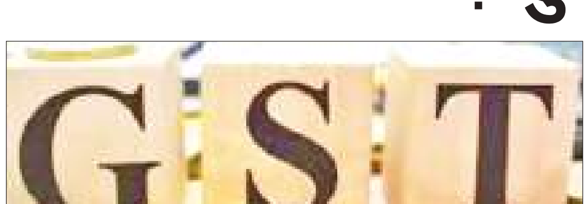

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1.72 लाख करोड़ पर पहुंच गया. एक साल पहले अक्टूबर 2022 में जीएसटी संग्रह 1.52 लाख करोड़ रहा था. वित्त मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी. वहीं अप्रैल 2023 के बाद अक्टूबर माह में दूसरी बार जीएसटी कलेक्शन सर्वाधिक रहा है. इससे पहले अप्रैल 2023 में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रहा था.

अक्टूबर महीने में सरकार को जीएसटी कलेक्शन से 1,72,003 करोड़ की कमाई हुई है. इसमें 30,062 करोड़ सीजीएसटी और 38,171 करोड़ एसजीएसटी का शामिल है. इसके अलावा आईजीएसटी 91,315 करोड़ है. आईजीएसटी में 42,127 करोड़ माल के इंपोर्ट से प्राप्त हुआ है. वहीं सेस का 12,456 करोड़ में माल के इंपोर्ट का 1,294 करोड़ है. अक्टूबर में ग्रॉस जीएसटी रेवेन्यू पिछले वर्ष के समान तिमाही की तुलना में 13 फीसदी अधिक है.

वित्त वर्ष 2023-24 में किस माह कितना हुआ कलेक्शन : वित्त वर्ष 2023-24 औसतन जीएसटी कलेक्शन 1.66 लाख करोड़ रुपये रहा है. ह पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है. अप्रैल में 1,87,035 करोड़, मई 1,57,090 करोड़, जून में 1,61,497 करोड़, जुलाई में 1,65,105 करोड़, अगस्त में 1,59,069 करोड़, सितंबर में 1,62,712 करोड़ और अक्टूबर 1,72,003 करोड़ रहा है.

यूपीआई से अक्टूबर में 17.16 लाख करोड़ का हुआ रिकॉर्ड लेन-देन

नयी दिल्ली । यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए लेन-देन में लगातार इजाफा हो रहा है. यूपीआई ने अक्टूबर में कुल 17.16 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1141 करोड़ लेन-देन प्रोसेस किया है. यह लगातार तीसरा महीना है, जब यूपीआई के जरिए 1000 करोड़ से ज्यादा लेन-देन किया गया है. भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 'एक्स' पोस्ट पर बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर में कुल 17.16 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1141 करोड़ लेन-देन किए गए हैं. सितंबर में यूपीआई से 15.80 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1,056 करोड़ लेन-देन हुए थे. अगस्त में 15.76 लाख रुपये मूल्य के 1058 करोड़ लेन-देन यूपीआई के जरिए किए गए थे. एनपीसीआई के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में यूपीआई प्लेटफॉर्म ने कुल 139 लाख करोड़ रुपये मूल्य के कुल 8,376 करोड़ लेन-देन को प्रोसेस किया था. उससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में 84 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 4,597 करोड़ लेन-देन प्रोसेस किए गए थे.

वित्त मंत्री तीन दिवसीय दौरे पर श्रीलंका पहुंचीं

भाषा । नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को सुबह तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर श्रीलंका पहुंचीं. सीतारमण के कोलंबो एयरपोर्ट पर पहुंचने पर श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने गर्मजोशी से स्वागत किया. वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण 3 दिवसीय आधिकारिक दौरे पर बुधवार को श्रीलंका पहुंचीं. सीतारमण का कोलंबो स्थित कटुनायके एयरपोर्ट पर श्रीलंका के जल आपूर्ति और संपदा अवसंरचना विकास मंत्री जीवन थोंडामन ने गर्मजोशी से स्वागत किया. इस अवसर पर पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडामन, विदेश राज्यमंत्री थरका बालासूर्या और सांसद मारुथापंडी रामेश्वरन मौजूद रहे. मंत्रालय के मुताबिक सीतारमण इस यात्रा के दौरान श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिलों के आगमन के 200 साल पूरा होने के अवसर पर श्रीलंका सरकार द्वारा आयोजित 'नाम टू हंड्रेड' सम्मेलन को संबोधित करेंगी. इस समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने भी शामिल होंगे. वित्त मंत्री इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण वार्ताओं और राजनयिक विचार-विमर्श में भी शामिल होंगी.

हैकिंग से उभरा विवाद

पेगासस के बाद अब फोन निर्माता कंपनी एप्पल के अलर्ट मेल सूचना और विपक्षी नेताओं की जासूसी करने के आरोप से एक बार फिर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. विपक्ष के कुछ नेताओं ने एक्स पर सूचना दी कि उन्हें एप्पल से एक अलर्ट मेल मिला है, जिसमें राज्य प्रायोजित हैकिंग करने की बात का उल्लेख है. अचरज तो यह है कि जिन नेताओं को एप्पल से मेल मिले हैं, वे विपक्षी दलों से जुड़े हैं और उनमें ज्यादातर अडानी और मोदी सरकार पर हमलावर रहे हैं. बाद में भाजपा ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को भी एप्पल का एक ऐसा ही मेल मिला है. बाद में इसी मामले को उठाते हुए राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि अडानी पर बात करने वाले नेताओं की जासूसी सरकार करा रही है. तथ्य जो भी हो, जरूरत है कि इस तरह के पूरे प्रकरण की पूरी जांच की जाए. भारत ही वह देश है, जहां चंद्रशेखर की सरकार जासूसी के आरोप में ही चली गयी थी. विपक्षी नेताओं पर निगरानी रखने का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, यह तथ्य अब कई जानकार भी कहने लगे हैं. केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने विवाद खड़ा होने के बाद कहा है "सरकार एप्पल के अलर्ट से सियासी तूफान पैदा करने वाले मुद्दे को लेकर काफी चिंतित है और इसकी जांच के लिए वह इसकी तह तक जाएगी. विपक्षी नेताओं और मुखर पत्रकारों के फोन में पेगासस साफ्ट वेयर की मौजूगी का विवाद पहले भी राजनीतिक तूफान पैदा कर चुका है. संसद का एक पूरा सत्र पेगासस विवाद की भेंट भी चढ़ा. बावजूद पेगासस के सवाल को हल्के अंदाज में लिया गया और उस विवाद को अपनी ही मौत मार देने की जमीन तैयार कर दी. इस बार भी नेताओं के साथ कुछ पत्रकारों को भी एप्पल ने मेल भेजा है. यानी इस सवाल का जवाब अब जरूरी हो गया है, जो भी मोदी सरकार की नीतियों का मुखर विरोधी है, उसी के साथ बार-बार पेगासस या फिर अब राज्य प्रायोजित हैकिंग प्रयास के मामले क्यों उठते हैं. इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. किसी भी लोकतंत्र में इस तरह एक स्वतंत्र माहौल की जरूरत होती है, जिसमें निगरानी को बहुत खतरनाक प्रवृत्ति माना जाता है. हालांकि एप्पल को भी चाहिए कि वह सामने आ कर पूरे प्रकरण में अपना पक्ष रखे. केंद्र सरकार को भी अब गंभीरता से विचार करना चाहिए कि वह पारदर्शी लोकतंत्र के इस तरह के विवाद की न्यायिक जांच कराए, ताकि सभी पक्षों को संतुष्ट किया जा सके. भारत में पारदर्शिता को दुर्लभ वस्तु बनने से बचाने का दायित्व सभी का है. पेगासस विवाद के समय ही यदि पूरे रहस्यों पर से परदा उठा दिया गया होता तो न केवल देश, बल्कि केंद्र सरकार को भी इससे लाभ होता. लेकिन यह देश इमरजेंसी जैसी लोकतंत्र विरोधी घटना का गवाह रहा है, अब किसी अन्य अघोषित इमरजेंसी के लिए तैयार नहीं है.

> संसद का एक पूरा सत्र पेगासस विवाद की भेंट भी चढ़ा. बावजूद पेगासस के सवाल को हल्के अंदाज में लिया गया और उस विवाद को अपनी ही मौत मार देने की जमीन तैयार कर दी. इस बार भी नेताओं के साथ कुछ पत्रकारों को भी एप्पल ने मेल भेजा है.

सुभाषित

स्थानभ्रष्टाः न शोभन्ते दन्ताः केशाः नखाः नराः।
इति विज्ञाय मतिमान् स्वस्थानं न परित्यजेत्॥

यदि मनुष्य के दांत, केश, नख इत्यादि अपना स्थान त्याग कर दूसरे स्थान पर चले जाएं तो वे कदापि शोभा नहीं देंगे. अर्थात् मनुष्य की काया में विकृति प्रतीत होने लगेगी. इसी प्रकार से विज्ञजन के मतानुसार किसी व्यक्ति को स्वस्थान (अपना गुण, सत्कार्य इत्यादि) का त्याग नहीं करना चाहिए.

सप्ताह में 70 घंटे काम से बढ़ेगा भारत?

प्रॉपटेक यूनिकॉर्न नोब्रोकर के सीईओ अमित अग्रवाल कहते हैं, एक निश्चित अवधि के बाद व्यक्ति बौद्धिक रूप से सतर्क नहीं रह सकता है. अगर आउटपुट पर असर पड़ता है तो क्या फायदा? मैं आम तौर पर अपने कर्मचारियों से, चाहे वे किसी भी उम्र के हों, लंबे समय तक काम करने के लिए नहीं कहूंगा, जब तक कि यह ग्राहक की आपातकालीन स्थिति या अग्निशमन की स्थिति न हो.

• देश-काल

सुनील बादल

देश की मशहूर टेक कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने एक इंटरव्यू में यह सलाह क्या दी, देश-विदेश में बड़े उद्योगपतियों से लेकर आम आदमी तक के बीच यह चर्चा का विषय बन गया. मूर्ति के समर्थक इसमें राष्ट्र निर्माण का भाव देख रहे हैं तो विरोधी इसमें शोषण का आधार देख रहे हैं. तीसरा पक्ष सुझाव दे रहा है कि राष्ट्र निर्माण की भावनाएं रखते हुए कामगारों के व्यक्तिगत हितों का भी ख्याल रखा जाना चाहिए. अलग-अलग विचारधारा के मूल में एक ओर कठोर परिश्रम और देशहित की भावना तो दूसरी ओर पश्चिमी देशों और कॉर्पोरेट कंपनियों की शोध आधारित नीति है कि सप्ताह के पांच दिन जम कर काम और दो दिन पूरा आराम एक मनुष्य को अधिक ऊर्जावान, उचित निर्णय की क्षमतायुक्त तथा अधिक उत्पादक बनाती है. भारत जैसे देश में यह बहस इसकी दिशा तय कर सकती है और शायद उन तथ्यों की ओर लोगों का ध्यान खींच सकती है, जो इसे पश्चिमी मॉडल से अलग करती है.

प्रसिद्ध जिंदल समूह के सज्जन जिंदल ने मूर्ति के सुझाव का भरपूर समर्थन करते एक्स पोस्ट में लिखा,'मैं नारायण मूर्ति के बयान का तहे दिल से समर्थन करता हूं. इसका संबंध लोगों को निचोड़ने से नहीं है, बल्कि यह समर्पण के बारे में है. हमें भारत को एक ऐसी आर्थिक महाशक्ति बनाना है, जिसपर हम सभी गर्व कर सकें. 5 दिवसीय सप्ताह की संस्कृति वह नहीं है, जिसकी हमारे आकार के तेजी से विकसित हो रहे राष्ट्र को आवश्यकता है. हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रतिदिन 14-16 घंटे से अधिक काम करते हैं. मेरे पिता सप्ताह में 7 दिन 12-14 घंटे काम करते थे. मैं हर रोज 10-12 घंटे काम करता हूं. हमें अपने काम में और राष्ट्र निर्माण में जुनूनी बनना होगा. हमारी परिस्थितियां अद्वितीय हैं और हमारे सामने आनेवाली चुनौतियां विकसित देशों से भिन्न हैं. वे सप्ताह में 4 या 5 दिन काम कर रहे हैं, क्योंकि उनकी पिछली पीढ़ियां लंबे समय तक और अधिक उत्पादक घंटे बिताती थीं. हम विदेशों में कम काम को अपना मानक नहीं बनने दे सकते! भारत की सबसे बड़ी ताकत हमारे युवा हैं और महाशक्ति बनने की हमारी यात्रा में इस पीढ़ी को आराम से ज्यादा काम को प्राथमिकता देनी होगी. जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, आराम के अवसर मिलेंगे और 2047 के युवाओं को हमारे बलिदानों और परिश्रम का लाभ मिलेगा.'

इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहन दास पई का आकलन थोड़ा अलग है. लिखा, अभिजीत कृपया वैल्यू जजमेंट करना बंद कर दें. कुछ सबसे बड़ी, सबसे परिष्कृत वैश्विक कंपनियां अपना सबसे जटिल काम भारत से कराती हैं. जब आप 20 अरब डॉलर रेवेन्यू बनाने जैसा कुछ कर लें, तभी अपना मुंह खोलें. तब तक कृपया चुप रहें.' पई डिफेंस एनालिस्ट अभिजीत अय्यर मित्रा को जवाब दे रहे थे. मूर्ति ने जिस पॉडकास्ट में 70 घंटे प्रति सप्ताह काम की बात कही, उसे पई ही होस्ट कर रहे थे.

जबकि अभिजीत ने लिखा था, 'बिल्कुल ठेठ भारतीय मिठाई दुकानदार वाला रवैया. यही कारण है कि इन्फोसिस एक गौरवशाली आईटी कुली प्रदाता कंपनी है, जिसका मूल्यवान उत्पाद के लिहाज से कोई खास योगदान नहीं है.'

'कैब एग्रीगेटर ओला के सीईओ भाविश अग्रवाल कहते हैं, 'मैं मूर्ति के विचारों से पूर्णतः सहमत हूं. यह हमारा समय कम काम करने और अपना मनोरंजन करने का नहीं है. बल्कि यह हमारा क्षण है कि हम सब कुछ करें और एक ही पीढ़ी में वो सब तैयार कर दें जो अन्य देशों ने कई पीढ़ियों में किया है.'मेकमाईट्रिप के चीफ एचआर अधिकारी युवराज श्रीवास्तव भी इस बात से सहमत हैं, जिनका मानना है कि इन्फोसिस के संस्थापक ने 70 घंटे की बात प्रतीकात्मक अर्थों में कही है, इसे शब्दशः लेने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा, 'युवाओं के देश के रूप में हमें अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है और यह सुनिश्चित करना है कि उत्पादकता प्रभावित न हो. आज बाजार की मांग, व्यापार, देश, जिस विकास दर की हम उम्मीद कर रहे हैं, उसका मतलब है कि देश को आगे ले जाने के लिए हर किसी को बहुत कुछ करने की जरूरत है.'बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन लैब तलाववी के सीईओ राजेश पद्मनाभन कहते हैं, अलग-अलग अपेक्षाओं के साथ मिलकर काम करने वाले वर्क फोर्स की पांच पीढ़ियों को पिछले जापानी या जर्मन मॉडल पर वापस जाने के बजाय आपसी सहमति से नया क्रांतिकारी मॉडल खोजने की जरूरत है. टेक्नोलॉजी के उपयोग से स्मार्ट वर्किंग, पारदर्शिता के उपायों के साथ कामकाज में लचीलापन जैसे पहलुओं को शामिल किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि घंटों में बांधने के खिलाफ विद्रोह हो रहा है.

प्रॉपटेक यूनिकॉर्न नोब्रोकर के सीईओ अमित अग्रवाल कहते हैं, 'एक निश्चित अवधि के बाद व्यक्ति बौद्धिक रूप से सतर्क नहीं रह सकता है. अगर आउटपुट पर असर पड़ता है तो क्या फायदा? मैं आम तौर पर अपने कर्मचारियों से, चाहे वे किसी भी उम्र के हों, लंबे समय तक काम करने के लिए नहीं कहूंगा, जब तक कि यह ग्राहक की आपातकालीन स्थिति या अग्निशमन की स्थिति न हो. मैं उन्हें उत्पादक ढंग से काम करने, आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने और वर्क-लाइफ बैलेंस बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं.आउटपुट महत्वपूर्ण है, घंटे नहीं.'

अपग्रेड के संस्थापक और प्रसिद्ध टीवी प्रोड्यूसर रॉनी स्क्रूवाला कहते हैं, 'उत्पादकता बढ़ाना केवल लंबे समय तक काम करना नहीं है. यह आप जो करते हैं उसमें बेहतर होने के बारे में है - अपस्किलिंग, सकारात्मक कार्य वातावरण और किए गए काम के लिए उचित वेतन.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

भोग और अपवर्ग

भोग और अपवर्ग ये दोनों पुरुषार्थ चित्त द्वारा होने से और चित्त में ही होने से चित्त के ही धर्म हैं. जिस प्रकार हार और जीत योद्धाओं द्वारा योद्धाओं के बीच ही होती हैं, मगर हार और जीत राजा की कही जाती हैं. इसी प्रकार बंधन चित्त में होते हुए भी व्यवहार रूप में आत्मा के लिए कहा जाता है, क्योकि आत्मा चित्त का द्रष्टा है और उसका स्वामी भी हैं. जब तक चित्त में भोग और अपवर्ग का कार्य पूरा नहीं हो जाता हैं, तब तक चित्त में बंधन बना रहता हैं. पुरुषार्थ से चित्त का वियोग ही बंधन से वियोग हैं अर्थात मुक्ति हैं. पहला बन्धन वह है, जो साधक चित्त की प्रथम भूमि में आसक्त हो रहे हैं अथवा जिन साधकों का अभ्यास सिर्फ चित्त की प्रथम भूमि तक ही है. अर्थात सिर्फ स्थूल वर्त्तियों का ही साक्षात्कार कर पाए हैं. इनके अंतर्गत स्थूल पंचभूत आते हैं. ऐसे साधक विकारो में आसक्त होकर शीघ्र ही भूलोक पर जन्म ग्रहण करते हैं. उचित समय आने पर फिर इसी भूमि (चित्त की प्रथम भूमि) को समाप्त का अभ्यास करने लगते हैं. दूसरे बन्धन को इस प्रकार समझा जा सकता है. जो साधक चित्त की प्रथम भूमि का साक्षात्कार कर चुके हैं अर्थात पंचभूतों का साक्षात्कार कर चुके हैं तथा चित्त की दूसरी भूमि का साक्षात्कार करने के लिए अभ्यास कर रहे हैं, चित्त की दूसरी भूमि के अंतर्गत सूक्ष्म पंचभूत या तन्मात्राएं आती हैं, इसी अवस्था में साधक सूक्ष्म विषयों में आसक्त रहते हैं. परोपकार, अहिंसा और सात्विक कार्यों में लगे रहते हैं तथा फल की कामना रखते हैं. इस अवस्था को प्राप्त साधक यश, सम्मान, कीर्ति, सुख आदि बहुत मिलता है. ऐसे साधक स्थूल शरीर के पश्चात अपनी योग्यतानुसार सूक्ष्म लोकों में पितर लोक से लेकर ब्रह्म लोक तक सात्विक वासनाओं का फल भोगते हैं. फिर वे अपने कर्माशयों के अनुसार भूलोक पर जन्म लेते हैं. ऐसे साधकों का चित्त शरीर मे बंधे रहने के कारण धर्म अधर्म से युक्त उनकी वासनाएं हैं. फिर इसी बंधन के कारण मनुष्य लोक (भूलोक) में जन्म लेते हैं. उचित समय आने पर अभ्यास के द्वारा अति शीघ्र इसी भूमि को प्राप्त कर अभ्यास में लग जाते हैं. तीसरा बंधन वह है, जिसमें साधक सजीव समाधि की उच्चतम व उच्चतर स्तर अवस्था को प्राप्त किये हुए हैं. उच्चतर अवस्था वाली चित्त की भूमि अहंकार के अंतर्गत आती हैं.

बेसहारा इंसानों का कत्लेआम कब रुकेगा?

• देशांतर

राज कुमार जैन

7 अक्टूबर से टेलीविजन के सामने बैठकर कभी हिंदुस्तान के तथा कभी विदेशी चैनलों खासतौर से अलजजीरा, रशिया टुडे, बीबीसी, सीएनएन, एनएचसी, एनएच वर्ल्ड, फ्रांस 24, डी वगैरा चैनलों पर मैं एक से दूसरे चैनल को उलटता पुलटता रहता हूं, इस उम्मीद के साथ कि शायद अब जंग खत्म होने की खबर देखने को मिले. हिंदुस्तानी चैनलों और बाहरी मुल्कों के चैनलों की रिपोर्ट अलग-अलग नक्शा पेश कर रही है. इजरायली हमास जंग में दोनों तरफ से एक दूसरे पर जो हमले हो रहे हैं, उससे इंसानों, संपत्तियों, इमारतों, पुलों, अरबों-खरबों के हथियारों की जो बर्बादी हो रही है, उसकी भरपाई कब और कैसे हो पाएगी? कुछ कहा नहीं जा सकता, परंतु इस लड़ाई से हिंदुस्तान को भी सियासी रूप से कम नुकसान नहीं हुआ. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से व्यक्तिगत दोस्ती की तरंग तथा मुस्लिम मुल्कों के विरोध में शुरू में ही इजरायल की तरफदारी कर दी.1937- 39 में जब कांग्रेस पार्टी के सदर जवाहरलाल नेहरू थे. उन्होंने डॉ राममनोहर लोहिया को कांग्रेस के विदेश विभाग का सचिव नियुक्त किया था तथा पहली बार कोई ठोस विदेश नीति का खाका लोहिया ने नेहरू की निगरानी में तैयार किया था, जिसमें गुटनिरपेक्षता अथवा किसी भी ब्लॉक में शामिल न होने की विदेश नीति बनाई थी, जो अभी तक जारी थी. उसको जल्दबाजी में प्रधानमंत्री ने तोड़कर हालिया जंग में फिलिस्तीन समर्थक मुल्कों को नाराज कर लिया. जिसके कारण इजरायल फिलिस्तीन इस जंग में भारत जो मध्यस्थता कर सकता था, वह मौका गंवा दिया. अब अपनी जल्दबाजी को सुधारने की कोशिश भी कर रहे हैं, परंतु जो नुकसान होना था वह हो गया. तीन मजहबों के मरकजों की जमीन पर होने वाले इस युद्ध का पुराना इतिहास है . और यह कभी भी बम, गोलों, मिसाइलों, आणविक हथियारों से हल नहीं होगा. आज नहीं तो कल वार्ता की मेज पर इनको आना ही होगा. परंतु इस दौर में मानवता को शर्मसार, बेकसूर इंसानों, बच्चों, औरतों का संहार, इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती इंसानों का खात्मा, चाहे वह इजरायल की मिसाइल या बम से हुआ हो या हमास की दागी मिसाइल के फुस्स हो जाने पर गिरी हो. और तो और, बच्चों के खून से सने चेहरे, लोथड़े हुए शरीर तथा हमास की कैद में बंद इजरायली स्त्री बच्चों को बचाने कोई राष्ट्र संघ, संस्था, बड़ी डींग हांकने वाले दौलत और हथियारों से लैस जंगी मुल्क सामने नहीं आया. सब अपना-अपना निशाना साधने में लगे हैं.

> यरुशलम इजरायलियों और फिलिस्तीनियों का पवित्र शहर है. यहूदियों के लिए 'डोम ऑफ द रॉक' यहीं पर है. इसमें मुसलमान भी आस्था रखते हैं, इस जगह को लेकर यहूदी और फिलिस्तीनियों के बीच झगड़ा है.यहूदियों पर हुआ जुल्म 'होलोकास्ट' था. जिसका मकसद यहूदियों का खात्मा था. होलोकास्ट की शुरुआत एडोल्फ हिटलर के1933 में जर्मनी का चांसलर बन जाने पर हुई.

लगता है, हथियारों के बल पर इंसानियत का कत्लेआम रुकने वाला नहीं है. अफसोस इस बात का है कि जिस यहूदी निजाम ने हमास से बदला लेने के लिए फिलिस्तीन के आवाम का राशन, पानी, दवाई जैसी बुनियादी जरूरतों पर पाबंदी लगाकर मरने के लिए मजबूर किया है. उस यहूदी समाज के पुरखों ने जो बर्बरता, तबाही, जुल्म सहे थे, उसको पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते है, तवारीख के मुताबिक यहूदी धर्म की शुरुआत यरूशलम से मानी जाती है. इसका इतिहास लंबा है, परंतु आधुनिक इतिहास बताता है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश राज वाले इस इलाके को दो भागों में बांट दिया गया, जिसमें एक अरब इलाका तथा दूसरा यहूदियों के लिए. जहां यहूदी अक्सरियत में हैं, उन्हें इजरायल तथा यरुशलम अंतरराष्ट्रीय कंट्रोल में रहेगा. 1948 में इजरायल को मान्यता मिल गई. तकरीबन साढे सात लाख फिलिस्तीनियों को अपना मुल्क छोड़ना पड़ा. इसके बाद दोनों मुल्कों में मुसलसल तकरार होती रही इजरायल और फिलिस्तीन दोनों ही मुल्क यरूशलम को अपनी राजधानी मानते हैं. यरुशलम इजरायलियों और फिलिस्तीनियों का पवित्र शहर है. यहूदियों के लिए 'डोम ऑफ द रॉक' यहीं पर है. इसमें मुसलमान भी आस्था रखते हैं, इस जगह को लेकर यहूदी और फिलिस्तीनियों के बीच झगड़ा है.यहूदियों पर हुआ जुल्म 'होलोकास्ट' था. जिसका मकसद यहूदियों का खात्मा था. होलोकास्ट की शुरुआत एडोल्फ हिटलर के1933 में जर्मनी का चांसलर बन जाने पर हुई. वह यहूदियों से नफरत करता था, शासन में आते ही नाजियों ने बड़े पैमाने पर यहूदियों की हत्या करनी शुरू कर दी. उनके खिलाफ भेदभाव के कानून बनाए गए, बहाना बनाया गया की प्रथम विश्व युद्ध में 1914 -1918 में जर्मनी की हार के लिए यहूदी जिम्मेदार थे.जर्मन अपने को श्रेष्ठ 'आर्यन कौम' तथा यहूदी जाति को सबसे नीच और खतरनाक तथा जर्मनी की सभी दिक्कतों का कारण मानते थे.

बेचैन करती है जलवायु परिवर्तन पर ताजा रिपोर्ट

• जलवायु

अमरनाथ झा

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति (आईपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट बेचैन करने वाली है. इस रिपोर्ट ने पहली बार जलवायु परिवर्तन के लिए मानवीय गतिविधियों को 'असंदिग्ध'रूप से जिम्मेवार ठहराया है. यह जलवायु परिवर्तन पर छठी मूल्यांकन रिपोर्ट है. अगस्त में जारी इस रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री की बढ़ोतरी अपरिहार्य है. अभी ही 1.1 डिग्री बढ़ोतरी हो गई है. वर्तमान आकलन है कि वैश्विक तापमान औद्योगीकरण के पहले के तापमान के मुकाबले हुई 1.1 डिग्री की बढ़ोतरी के नतीजे दुनिया भर में दिखने लगे हैं. वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री की सीमा को 2035-40 तक पार कर जाने की आशंका है और इस शताब्दी के अंत तक बढ़ोतरी 2 डिग्री के पार जा सकती है. उल्लेखनीय है कि वैश्विक तापमान में 2 डिग्री बढ़ोतरी हो जाने पर पृथ्वी पर मनुष्य और अनेक जीव-जंतु व पौधों का जीवन कठिन हो जाएगा. पूरे वातावरण में ऐसे परिवर्तन हो जाएंगे, जिन्हें पहले की स्थिति में वापस लाना नामुमकिन होगा. इसलिए तत्काल ठोस कार्रवाई की जरूरत है, हालांकि इन कार्रवाइयों का असर 12-15 वर्षों में दिख सकेंगे.भारत के लिए यह रिपोर्ट अधिक गंभीर चेतावनी देती है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन से होने वाली अतिरेक मौसम की घटनाओं की यह लीलाभूमि है. यहां गर्म हवाएं (लू) चलना, अत्यधिक और असमय वर्षा, भूस्खलन, समुद्री स्तर में खतरनाक बढ़ोतरी, दीर्घकालीन सूखा और ग्लेशियरों के टूटने, पिघलने की घटनाएं अक्सर होने लगी हैं. देश के विभिन्न इलाकों में विभिन्न किस्म की आपदाएं आती हैं, उनमें दिनानुदिन बढ़ोतरी हो रही है. हालांकि इस छठी रिपोर्ट में कुछ भी ऐसा नहीं है जो पहले कभी नहीं कहा गया, सिवा इसके कि सारी बातें असंदिग्ध रूप से कही गई हैं और अधिक जानकारी व साक्ष्यों के साथ कही गई हैं.रिपोर्ट को जारी करते हुए आईपीसीसी कार्यदल के सह-अध्यक्ष वीएम डेलमोटे ने कहा कि पृथ्वी की जलवायु के बारे में अब वैज्ञानिकों के पास अधिक ठोस व स्पष्ट जानकारी हैं. वैज्ञानिकों के पास अब पृथ्वी की जलवायु कैसे काम करती है और मानवीय गतिविधियां उसे किस तरह प्रभावित कर रही हैं, इसकी अधिक स्पष्ट जानकारी है. हम अब बेहतर ढंग से जानते हैं कि जलवायु में कैसे परिवर्तन हुए हैं, कैसे परिवर्तन हो रहे हैं और कैसे परिवर्तन होने वाले हैं.आईपीसीसी ने पिछली रिपोर्टों में कहा था कि मानवीय गतिविधियां वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी का कारण हो सकती हैं, पर इस बार कहा है कि वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी मानवीय गतिविधियों का सीधा परिणाम हैं. इसमें अब कोई संदेह नहीं रह गया है. इस रिपोर्ट में केवल औसत में बात नहीं की गई है, बल्कि इस औसत का मतलब भी बतलाया गया है. चिंताजनक इस औसत के बीच आने वाला अधिकतम है. मतलब यह कि अगर तापमान में 2 डिग्री बढ़ोतरी की बात करें तो यह मतलब नहीं कि हमेशा तापमान केवल 2 डिग्री अधिक ही रहेगा, यह कभी 4डिग्री या कभी 6 डिग्री अधिक भी हो सकता है. वह स्थिति अत्यधिक चिंताजनक और खतरनाक है. इस रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि अगर वायुमंडल से ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को कम करने के लिए तत्काल ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो इस शताब्दी के अंत तक 2 डिग्री बढ़ोतरी हो सकती है.जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम की अतिरेक घटनाएं-अत्यधिक वर्षा, गर्म हवाएं, तूफान, सूखा आदि अधिक होगी. अतिरेक की ऐसी घटनाएं कभी-कभार नहीं, बल्कि नियमित या सामान्य घटनाएं बन जाएंगी. तापमान में बढ़ोतरी, वर्षा या ग्लेशियर पिघलने आदि घटनाओं की चर्चा आमतौर पर औसत के रूप में की जाती है. यह औसत आम तौर पर चरम को छिपा लेता है.इंडियन इंस्टीच्यूट आफ साइंस, बंगलोर के सेंटर फार ऐटमास्फियरिक एंड ओसियानिक साइंसेज के प्रोफेसर बाला गोविंदासामी ने कहा कि तापमान में बढ़ोतरी के साथ वर्षा, समुद्र स्तर में बढ़ोतरी, या अन्य परिवर्तनों में हमें चरम स्थिति को लेकर चिंतित होने की जरूरत है. चरम स्थितियों को देखते हुए ही सरकारों को तत्काल अधिक प्रभावी कार्रवाई करने की जरूरत है. चरम स्थितियों की बारंबारता से औसत भी बदल जाएगा, जो पहले से ही खतरनाक स्तर पर होगा. जो चेतावनी वैज्ञानिक बार-बार देते रहे हैं, वह है कि जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभाव वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री या 2 डिग्री की बढ़ोतरी के बाद नहीं, अभी से होते रहेंगे. तापमान बढ़ने के साथ-साथ स्थिति खराब होती जाएगी. वैश्विक तापमान में हर बढ़ोतरी का प्रभाव होता रहेगा.

> पूरे वातावरण में ऐसे परिवर्तन हो जाएंगे, जिन्हें पहले की स्थिति में वापस लाना नामुमकिन होगा. इसलिए तत्काल ठोस कार्रवाई की जरूरत है, हालांकि इन कार्रवाइयों का असर 12-15 वर्षों में दिख सकेंगे.भारत के लिए यह रिपोर्ट अधिक गंभीर चेतावनी देती है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन से होने वाली अतिरेक मौसम की घटनाओं की यह लीलाभूमि है.

मीडिया में अन्यत्र

सुप्रीम कोर्ट ने तय की समय सीमा

सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेतृत्व से अलग हुए विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला करने के वास्ते महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के लिए समय-सीमा निर्धारित कर दी है. यह एक स्वागतयोग्य न्यायिक निर्देश का प्रतीक है. लंबा अनुभव यह दिखाता है कि अयोग्यता के मामले में विधानसभाध्यक्ष या तो बहुत ज्यादा मुस्तैदी या फिर निष्क्रिय उदासीनता के साथ पेश आते हैं, जो उनकी राजनीतिक संबद्धता पर निर्भर करता है. तटस्थ रहने और संविधान की दसवीं अनुसूची (दलबदल-विरोधी कानून) से उपजे सवालों से निपटने में तात्कालिकता की भावना प्रदर्शित करने के अपने फर्ज की समय-समय पर याद दिलाए जाने के बावजूद, पीठासीन अधिकारी अपनी राजनीतिक वफादारी को अपने संवैधानिक फर्ज के ऊपर रखते नजर आते हैं. इसलिए, यह बिल्कुल वाजिब है कि शीर्ष अदालत ने विधानसभाध्यक्ष राहुल नार्वेकर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर 31 दिसंबर तक, और उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाले एनसीपी-से- अलग-हुए समूह से जुड़ी याचिकाओं पर 31 जनवरी, 2024 तक फैसला लेने को कहा है. ये निर्देश संविधान पीठ के 11 मई, 2023 के उस फैसले का स्वाभाविक अनुसरण हैं, जिसमें अयोग्यता के विषय पर विधानसभाध्यक्ष से 'एक उचित अवधि के भीतर' निर्णय करने को कहा गया था.

यह फैसला शिवसेना में टूट से उपजे एक मामले में आया था. इसी टूट के चलते सत्ता बदली थी और उद्धव ठाकरे की जगह शिंदे मुख्यमंत्री बने थे.प्रक्रियात्मक पहलुओं और याचिकाओं को एकसाथ जोड़ने में कुछ देरी हुई हो सकती है, फिर भी इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि विधानसभाध्यक्ष को इस मामले में फैसला लेने के लिए पर्याप्त समय मिला है. सितंबर में इससे पहले के एक आदेश में, अदालत ने टिप्पणी की थी कि उसे उम्मीद है कि विधानसभाध्यक्ष उसके निर्देशों के प्रति सम्मान दिखायेंगे, खासकर जब वह दसवीं अनुसूची के तहत एक न्यायाधिकरण की तरह काम कर रहे हैं. (द हिंदू)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सुख/आनंद

सुख में सुमिरन सब करें दुख में करे न कोय, जो सुख में सुमिरन करे तो दुःख काहे को होय. यह तो संत कवि कबीरदास की सूक्ति है. इनका कहना है कि अगर सुख में भी भगवान का सुमिरन करो तो दुःख आएगा ही नहीं. तो हम भगवान का सुमिरन करते हैं-हे प्रभो आनंददाता ज्ञान मुझको दीजिए, शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए. इस सुमिरन में भगवान को आनंददाता यानी आनंद देने वाला बताया गया है. इन दोनों छंदों में प्रयुक्त सुख और आनंद शब्दों का अभिधार्थ एक ही है- खुशी, लेकिन सूक्ष्म रूप से दोनों में अंतर है. इसी अंतर पर विचार करना है. सुख वह अनुभूति है, जो हमें किसी चीज की प्राप्ति पर होती है. यानी सुख का संबंध किसी न किसी प्राप्ति से जुड़ा है. यह प्राप्ति पर निर्भर करता है कि वह इंद्रिय सुख देता है या अतीन्द्रिय सुख. धन, मकान, पद, प्रभाव आदि संसार से जुड़ी प्राप्तियां इंद्रिय सुख देती हैं. वहीं शांति, प्रेम आदि आत्मिक गुणों की प्राप्तियां अतींद्रिय सुख का कारण बनती हैं. अगर प्राप्त हुई वस्तु खो जाती है तो वही सुख दुःख में बदल जाता है. आनंद किसी प्राप्ति पर निर्भर नहीं करता. प्राप्ति की लालसा आनंद से पहले भी नहीं रहती और बाद में भी नहीं. आनंद को छिपाया नहीं जा सकता, वह अपने आप प्रकट हो जाता है.धार्मिक लोग सुख की बात अधिक करते हैं और आध्यात्मिक व्यक्ति आनंद की. सुख हमेशा दूसरे पर निर्भर होता है, लेकिन आनंद स्वयं से उत्पन्न होता है. सुख बाहरी बातों पर निर्भर है और आनंद आंतरिक घटना है. सुख-दुःख में परिवर्तित हो सकता है, लेकिन आनंद का विरोधाभासी और विपरीत है ही नहीं. सुख दैहिक और सांसारिक बातों पर निर्भर है, लेकिन आनंद आंतरिक और आत्मा का सहज स्वभाव है. सुख परिस्थितिगत होता है, लेकिन आनंद हमारा आंतरिक स्वभाव है.

लौट आए दिन बहार के

• तीर-तुक्का

बिनय कुमार शुक्ल

आज मेरे मुहल्ले की बकरियों की एक विशेष बैठक में शामिल होने का आमंत्रण मिला. बकरियों की नेत्री उर्री ने मुझे विशेष तौर से इस समारोह में शामिल होने का आग्रह किया था. उसने बताया कि इस समारोह में कुछ लोगों एवं उनके वर्गों को सम्मानित भी किया जाएगा, इसलिए इस अवसर का लाभ अवश्य उठाया जाए. मैंने भी अपना झोला और कलाम संभाला, गंजे सिर पर यत्र-तत्र लहलहाते बालों को सहलाते हुए इस समारोह में शामिल होने के लिए रजामंदी दे दी. सही वक्त पर गंतव्य पर पहुंचकर कुर्सी पर विराजमान हो गया. समारोह प्रारम्भ हुआ, उनके अग्रज नेता ने अभिवादन के बाद अपना भाषण शुरू किया. बताया गया कि, एक जमाना था जब बकरी पालक को किसी भी रूप में दुग्ध विक्रेता की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया था. आजादी के पूर्व एवं बाद तक गांधी बाबा ने कई बार इस बात का जिक्र अवश्य किया था कि बकरी का दूध स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है. अचानक मीडिया वालों को इसकी सुध हो आई. हर तरफ बकरी के दूध के बढ़ते भाव पर चिंता जताई जाने लगी. भला हो मच्छर की उन प्रजातियों का, जिसने इंसानों का खून चूसकर डेंगू का डंक देकर उन्हें याद दिलाया कि बकरी के दूध की शक्ति को पहचानें. मीडिया द्वारा हाइलाइट किए जाने के इस ऐतिहासिक घटना के लिए अभिप्रेरक समुदाय को उनके कृत्यों के बखान के साथ विशेष सम्मान दिये जाने का भी उद्घोष हुआ. इस क्रम में पहले महिमामंडन उन महान व्यक्तित्व के धनी शहरवासियों का किया गया, जो लोग लाख सूचना होने के बाद भी शहर में गंदगी करने की आदत नहीं छोड़ते हैं. जब मौका मिला खाली डब्बे, कनस्तर, पोलिथीन सबकुछ या तो घर के आसपास फेंक देते हैं या फिर नालियों में विसर्जित कर देते हैं. कचरों के ढेर में जल जमाव, गंदगी और बीमारी फैलाने वाले जीवाणुओं का विकास होना स्वाभाविक है. उनका यह प्रारम्भिक योगदान मच्छरों एवं बीमारियों को फैलाने वाले जीवाणुओं के अग्रज कभी भूल ही नहीं सकते हैं, जिनके पनपने के लिए प्रथम द्रष्ट्या अनुकूल वातावरण का निर्माण किया. उन्हें सर्वश्रेष्ठ गंदगी पोशाक के सम्मान से सम्मानित किया गया. दूसरे स्थान पर इस अभियान में योगदान देनेवाले उन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बारी आई, जिनकी ज़िम्मेदारी शहर के कचरे को साफ करवाना एवं उनका निर्मूलन करवाना है, परंतु अपनी ज़िम्मेदारी का सही निर्वाह ना करते हुए इन्होंने अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करवाया.

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : अभिषेक बच्चन

रसगुल्ला के दीवाने हैं

अभिषेक बच्चन फिल्मों में बहुत कमाल नहीं दिखा सके हैं, लेकिन कुछ फिल्मों में उनके अभिनय ने ऐसी छाप छोड़ी है कि उन्हें उपेक्षित भी नहीं किया जा सकता. उनकी फिटनेस और डैशिंग पर्सनैलिटी पर फैंस की संख्या में इजाफा करती है. अपनी काया को बनाए रखने के लिए सख्त कसरत और डाइट प्लान फॉलो करते हैं. आइए, आज अभिषेक बच्चन की डाइट प्लान और उनके वर्कआउट के बारे में जानें...

अभिषेक बच्चन हर दिन कम से कम 2 घंटे वर्कआउट करते हैं और अलग-अलग दिनों में अलग-अलग मांसपेशी समूहों पर ध्यान केंद्रित करते हैं. उनके वर्कआउट में कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और फंक्शनल ट्रेनिंग सब शामिल होता है.

यह है अभिषेक बच्चन का डाइट प्लान

अभिषेक बच्चन एक बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करते हैं जिसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और स्वस्थ वसा का मिश्रण शामिल होता है. प्रोसेस्ड फूड, चीनी, मैदा, रिफाइंड ऑयल और शराब से बचते हैं. अभिषेक बच्चन को कॉफी पीना बहुत पसंद है और वो अपने दिन की शुरुआत कॉफी से ही करते हैं. कैपिचीनों कॉफी पीना उनको सबसे ज्यादा पसंद और या विदाउट शुगर होती है. ब्रेकफास्ट में आमतौर पर अंडे का सफेद भाग, दलिया, फल, उपमा, इडली आदि होता है. साथ में नारियल पानी या ताजा फलों का रस होता है. एक्सरसाइज के बाद प्रोटीन शेक और मुट्ठी भर नट्स लेना पसंद करते हैं. लंच में घर का बना खाना पसंद करते हैं और शूटिंग में भी होते हैं तो आमतौर पर खाना घर से ही जाता है. इसमें ग्रिल्ड चिकन/फिश के साथ ब्राउन राइस, सब्जियां, दही, पनीर आदि होते हैं. कभी-कभी लंच में राजमा चावल खाते हैं जो उनकी फेवरिट डिश है. शाम को भूने मखाने, नट्स आदि के साथ ग्रीन टी लेते हैं. रात का खाना आठ बजे तक कर लेते हैं और इसमें चावल/रोटी की जगह क्विनोआ होता है. साथ में होती है ग्रिल्ड मछली व ढेर सारी सब्जियां.

चीट डे पर यह सब

अभिषेक चिप्स, कुकीज, चॉकलेट बिस्किट्स और रसगुल्ले के दीवाने हैं. चिप्स में एयरफ्राई बनाना चिप्स खाते हैं. सप्ताह में एक दिन चीट डे होता है जब वे सीमित मात्रा में रसगुल्ला या कुकीज जैसी चीजें भी खा लेते हैं.

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोरोग विशेषज्ञ
रिनपास, रांची

जमशेदपुर के मानगो दाइगुट्टू में पिछले दिनों पॉलिटेक्निक के छात्र आयुष कुमार रजक (25 वर्ष) ने पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक बोकारो जिले की दुगदा कोल वाशरी स्थित जी टाइप कॉलोनी का रहनेवाला था और जमशेदपुर में किराये के घर में रहकर पढ़ाई करता था. घरवालों के मुताबिक आयुष पढ़ाई को लेकर कुछ दिनों से डिप्रेशन में था. हाल ही गुजरात के सूरत से भी दिल दहलाने वाली खबर आई. एक परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई जिसमें तीन बच्चे शामिल हैं. यह सामूहिक आत्महत्या का मामला कहा जा रहा है. देश के कोने-कोने से ऐसी खबरें लगातार आती हैं. पिछले कुछ सालों से अपने देश में आत्हत्या के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट (2022) के अनुसार वर्ष 2021 में अपने देश में कुल 1.64 आत्महत्याएं दर्ज की गईं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 15 से 19 साल के युवाओं के बीच मौत की चौथी सबसे बड़ी वजह आत्महत्या है. आइए, आज चर्चा करें कि आत्महत्या की ओर बढ़ते कदम को कैसे रोकें.

ताकि दुनिया छोड़ने की न करे कोई बात

देते हैं संकेत

आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार से कई बार उनका यह अगामी कदम झलक जाता है. अपनी हरकत, बातों या अपने व्यवहार से ऐसे लोग जरूर संकेत देते हैं. आमतौर पर जिंदगी के प्रति बेहद उदासी भरी बातें करते हैं. कई बार बातचीत में इसका संकेत दे देते. जैसे विदा की जगह अलविदा कह देना. मजाक में दुनिया छोड़ने की बात कहना. किसी बात पर कह देना कि जिंदा नहीं रहता तो यह समस्या ही नहीं होती. तकनीकी भाषा में ऐसी बातों को हम डेथ स्पीच कहते हैं और यह आत्महत्या करने का बहुत बड़ा अग्रिम संकेत होता है जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं. ऐसे शख्स अपनी बहुत फेवरिट चीज किसी और को सौंप देंगे. कई बार रस्सी खरीदना, जानलेवा दवाएं इक्ट्ठी करना, हथियार लेना जैसे व्यवहार भी करते हैं. अगर थोड़ा कलात्मक रुचि का शख्स होगा तो गाने, कविता या पेंटिंग के जरिए जिंदगी के प्रति अपनी बेरुखी जाहिर कर देगा. बातचीत में नकारात्मकता झलकती है. उनसे बातचीत कीजिएगा तो उनकी बातों भविष्य को लेकर उम्मीदें खत्म नजर आती हैं. कई बार ऊपर ऊपर से सबकुछ सामान्य नजर आता है, पर शख्स किसी खतरनाक निर्णय की ओर बढ़ता जाता है. दरअसल ऐसे लोग "स्माइलिंग डिप्रेशन" के शिकार होते हैं. ये अवसाद के शिकार हो सकते हैं. मानसिक स्थिति में उतार-चढाव दिखती है. इनमें बेचैनी और घबराहट की स्थिति देखी जा सकती है. सबसे खास बात यह है कि अब तक जिस चीज से उन्हें खुशी मिलती थी, उसमें दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं.

कीजिए यह

किसी परिजन या परिचित में ऐसे लक्षण नजर आए तो उससे बात करें. अगर घर के माहौल के कारण ऐसी समस्या आ रही है तो उसे बेहतर करने की कोशिश करें. ध्यान रखें कि ऐसे केस में परिवार और दोस्तों का सपोर्ट सिस्टम बहुत मायने रखता है. सतर्क रहें कि कोई नुकीली चीज, पेस्टीसाइड, रस्सी आदि इनकी पहुंच से दूर रहे. जरुरत हो तो तत्काल मनोचिकित्सक से संपर्क करें.
सुसाइड हेल्पलाइन से मदद मिल सकती है. काउंसलिंग, सकारात्मक सोच और चिकित्सकीय मदद से आप नकारात्मक विचारों को दूर सकते हैं.
इलेक्ट्रोकनवल्सिव (ईसीटी) थेरेपी काफ़ी कारगर होती है. इसे आम तौर पर शॉक थेरेपी भी कहते हैं लेकिन इसमें कोई इलेक्ट्रिक शॉक नहीं दिया जाता और सुधार भी तेज़ी से होता है.

योग से संभलेगा दिल

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

आज के दौर में दिल की समस्या की कोई उम्र नहीं है. किसी को कभी भी दिल से संबंधित समस्या हो सकती है. हेल्दी लाइफस्टाइल की शुरुआत आप योगासन और प्रणायाम से कर सकते हैं. योग करने से आपका पूरा शरीर स्वस्थ और सुखी होता है. आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे योगासन के बारे में जिन्हें रेगुलर करने से हार्ट अटैक का खतरा बहुत कम हो जाएगा.

भुजंगासन

इसे कोबरा पोज़ के नाम से भी जाना जाता है. यह ब्लड सर्कुलेशन में मदद करता है, पीठ को मजबूत करता है और दिल के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है. इसमें आपको पेट के बल लेट जाना है और फिर अपने पैरों को फैलाएं और दोनों हाथों से अपनी छाती के हिस्सें को ऊपर उठाएं.

ताड़ासन

यह दिल के साथ-साथ पीठ के निचले हिस्से को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसमे आपके शरीर के ऊपरी हिस्से में रक्त संचार बढ़ता है. इसमें एक साथ पैरों को जोड़कर सीधे खड़ें हों और फिर हाथों को फैलाए और ऊपर स्ट्रेच करते हुए जोड़ लें. फिर धीरे-धीरे अपने आप को ऊपर की ओर स्ट्रेच करें.

चक्रासन

यह योग मुद्रा आपके शरीर को मजबूत बनाने और संतुलन में सुधार करने में मदद करती है. यह हार्ट ब्लॉकेज के लिए सबसे मददगार पोजीशन में से एक मानी जाती है. इस योग से छाती की मांसपेशियों में खिंचाव होता है, दिल की कार्यप्रणाली में सुधार होता है और ब्लड चैनल की रुकावटें कम होती हैं. अपनी पीठ के बल लेट जाएं और अपने पैरों को बीच में गैप रखें. अब अपने पैरों को मजबूती से दबाएं. अपने हाथों और पैरों पर दबाव डालते हुए अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को जमीन से ऊपर उठाएं.

धनुरासन

यह आसन हार्ट डिजीज और हार्ट अटैक से राहत दिलाने में प्रभावी है. उस स्थिति में, आपको अपने पेट को फर्श पर रखना होगा और अपने घुटनों को मोड़ना होगा और अपने दोनों हाथों से अपने पैरों पकड़ कर उठाना होता है. साथ ही साथ अपने ऊपरी शरीर को भी उठाना है.

छोटे से सिंघाड़े में बड़े-बड़े गुण

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट
डाइटीशियन

इन दिनों झारखंड के बाजारों में पानी में उगने वाला फल सिंघाड़ा काफी नजर आ रहा. इसे जल फल भी कहा जाता है. इसे छिलके हटा कर खाया जाता है. उबाल कर भी खाते हैं. साथ ही इसकी सब्जी भी खाई जाती है. अपने यहां सिंघाड़े के आटे का इस्तेमाल व्रत आदि में भी खूब किया जाता है. सिंघाड़े का जिस तरह से भी सेवन करें, इससे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है.

बेहद पौष्टिक है यह

सिंघाड़े में पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, मैंगनीज, फाइबर, फोस्फोरस, आयोडीन, मैग्नीशियम आदि पाया जाता है. सिंघाड़े में एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिज आदि पर्याप्त मात्रा में होते हैं. इसके सेवन से दिल की बीमारियों में भी बहुत फायदा मिलता है. कच्चा सिंघाड़ा खाने से आपको वजन कंट्रोल करने से लेकर गले की समस्या, शरीर में सूजन और ब्रोंकाइटिस की समस्या में बहुत फायदा मिलता है. जिन महिलाओं को बार बार गर्भपात होता है, उन्हें भी सिंघाड़ा या उसके आटे से तैयार व्यंजन खाने की सलाह दी जाती है.आइए, प्रमुख रोगों में सिंघाड़ा की उपयोगिता से हों वाकिफ..

फर्टिलिटी बढ़ाता है

हॉर्मोन असंतुलन की समस्या इन दिनों आम है और इस कारण कई तरह की परेशानियां जन्म लेती हैं. फर्टिलिटी बढ़ाने और हॉर्मोनल बैलेंस को ठीक करने के लिए कच्चा सिंघाड़ा खाने की सलाह दी जाती है. फर्टिलिटी बढ़ाने और हॉर्मोनल बैलेंस के लिए कच्चा सिंघाड़ा बहुत फायदेमंद होता है.

लो ब्लड प्रेशर में कारगर

लो बीपी की समस्या में कच्चा सिंघाड़ा खाने की सलाह दी जाती है. दरअसल इसमें मौजूद सोडियम की पर्याप्त मात्रा लो ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होती है. इसका नियमित रूप से सेवन करने से लो बीपी के मरीजों को फायदा मिलता है.

बवासीर में राहत

बवासीर की समस्या से छुटकारा पाने के लिए सिंघाड़े का सेवन बहुत फायदेमंद होता है. इसके नियमित सेवन सेबवासीर के मरीजों में ब्लीडिंग और दर्द की समस्या से राहीत मिलती है.

बेहतर पाचन तंत्र

कच्चे सिंघाड़ा को खाने से पाचन तंत्र की कई समस्याओं से राहत मिलती है. पेट में गैस की समस्या कम होती है. पाचन तंत्र बेहतर होता है. कब्ज और अपच की समस्या दूर होती है.

तुरंत ऊर्जा के लिए

यदि आप खुद को थका-थका महसूस करते हैं, तो इन दिनों दिन के किसी वक्त एक बार कुछ सिंघाड़े खाने की आदत डालें. इससे आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे. सिंघाड़े में मौजूद गुण और पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं. अगर आप लो फील कर रहे हैं या शरीर में ऊर्जा की कमी है, तो कच्चा सिंघाड़ा खाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है.

त्वचा के लिए फायदेमंद

सिंघाड़ा स्वास्थ्य ही नहीं, सौन्दर्य के लिए भी लाभकारी है. इसका सेवन करने से आपके स्किन पर मौजूद झुर्रियां, झाइयां और कील, मुहांसे आदि दूर होते हैं. इसमें मौजूद विटामिन और पानी की पर्याप्त मात्रा आपके स्किन के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है.

होमियोपैथ में है थायराइड का सटीक उपचार

डॉ रजनी शर्मा
डीएमबीएस, बीएमबीएस

भागती दौड़ती जिंदगी में आजकल कहां समय मिलता है कि लोग अपने जीवनचर्या को तनाव मुक्त रख सकें. योग और मेडिटेशन तो दूर की बात है ढंग से बैठकर चबा-चबा कर अच्छा भोजन करने कभी वक्त नहीं मिलता है. इसका दुष्प्रभाव शरीर पर विभिन्न माध्यम से देखने को मिलता है. थायराइड ऐसा ही एक दुष्प्रभाव है जो पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों में अधिक पाया जाता है. थायराइड वास्तव में शरीर में पाया जाने वाली एक महत्वपूर्ण ग्रंथि है जो हार्मोन्स को संतुलित रखती है. गले में अवस्थित होता है और इसका आकार तितली के समान होता है. थायराइड ग्रंथि से टी 3, टी 4 तथा टीएसएच हार्मोन को उत्पन्न एवं नियंत्रित करता है. उत्पन्न होने वाला थायरोक्सिन शरीर में वसा, कार्बोहाइड्रेट ,प्रोटीन को भी नियंत्रित करता है. आयोडीन की कमी और थायराइड अधिक बढ़ जाने पर यह गले में घेंघा रोग उत्पन्न करता है. थायराइड के मुख्यतः दो प्रकार होते हैं- हाइपरथायरायडिज्म और हाइपोथायरॉइडिज्म.

ये कारण जिम्मेदार

थायराइड होने का मुख्य कारण अनियमित जीवन शैली है. जिसमें अधिकांशत लोग अत्यधिक तनाव, जंक फूड का सेवन, असमय जागना सोना, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, कुछ खास उत्पादों या दवाओं के सेवन से थायराइड ग्रंथि पर प्रतिकूलता तथा कई केस में यह वंशानुगत होता है. भोजन में आयोडीन की कमी से भी थायराइड प्रभावित होता है.

ये हैं लक्षण

हाइपरथायरायडिज्म होने के कारण रोगी को अत्यंत घबराहट, हाथों का कांपना,अत्यधिक पसीना आना,अनिद्रा, बेचैनी,चिड़चिड़ापन, बालों का झड़ना और पतला होना, शरीर की मांसपेशियों में कमजोरी और दर्द रहना, अत्यधिक भूख लगना, वजन का अत्यधिक बढ़ना या घटना, महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता, हड्डी में कैल्शियम तेजी से खत्म हो कर कमजोरी आदि लक्षण उत्पन्न होते हैं.

हाइपोथायरॉइडिज्म में रोगी को हमेशा थकावट महसूस करता है और उसे हमेशा नींद का अनुभव होता रहता है. तनाव ,सर्दी या गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होना,वजन का बढ़ना, महिलाओं की मासिक धर्म में अनियमितता, कटे फटे नाखून हो जाना तथा नाखूनों का पतला होकर टूटना,त्वचा में सूखापन और खुजली होना, शरीर के जोड़ों में अत्यधिक दर्द और मांसपेशियों में अकड़न होना,बालों का अधिक झड़ना और पतला होना, आंखों के चारों ओर काले घेरे तथा सूजन होना, बातें बार-बार भूलना, सोचने-समझने की शक्ति क्षीण होना, कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना आदि लक्षण उत्पन्न होते हैं.

लाइफस्टाइल पर दें ध्यान

यह बात समझनी चाहिए कि यह बीमारी गलत जीवन शैली से उत्पन्न होती है तो इसका निदान भी जीवन शैली में सही बदलाव लाकर करना चाहिए. इससे पीड़ित व्यक्ति को संतुलित तथा पौष्टिक भोजन लेना चाहिए, उचित मात्रा में आयोडीन युक्त नमक का सेवन करना चाहिए, जंक फूड तथा सोया युक्त भोज्य पदार्थ से परहेज रखना चाहिए. भोजन में ज्यादा से ज्यादा फल,साग ,सब्जी तथा साबुत अनाज शामिल करना चाहिए. प्रातः उठकर योग, ध्यान एवं एक्सरसाइज करना चाहिए, चालीस मिनट तक तेज कदमों से टहलना चाहिए. धूम्रपान, अल्कोहल तथा नशा से दूरी बनाकर रखना चाहिए. स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस रोग से स्वस्थ हो सकते हैं.

यह है उपचार

थायराइड का उपचार होम्योपैथी बायोकेमिक दावों से संभव है. थायराइड के लिए होम्योपैथी दवाएं थायरोडिनम, आयोडम, बेलाडोना, हेकला लावा, लैपिस एल्बस, लाइकोपस वर्जिनीकस, नेट्रम क्लोरेट आदि उपयोगी हैं.
बायोकेमिक दवाओं में फेरम फॉस, कैल्केरिया फॉस, काली म्यूर, नेट्रम म्यूर, नेट्रम सल्फ, मैग्निशियम फॉस आदि दवाएं महत्वपूर्ण हैं. दवाओं का चयन इसकी पोटेंसी तथा खुराक कुशल चिकित्सक के परामर्श से लें.

डायबिटीज से बचना है तो डब्ल्यूएचओ की सलाह मानिए

डायबिटीज लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी है जो इन दिनों बहुत विस्तार पा रही है. मुश्किल यह है कि इस बीमारी को कोई स्थायी इलाज नहीं है. वहीं यह कई अन्य बीमारियों को साथ लाती है. शुगर की बीमारी ब्लाइंडनेस, किडनी फेलियर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बन सकती है.

टाइप 2 डायबिटीज क्या है

टाइप 2 डायबिटीज आपके शरीर को इंसुलिन का ठीक से उपयोग करने से रोकता है, जिसका इलाज न करने पर ब्लड शुगर बढ़ने लगता है. समय के साथ यह स्थिति नसों और रक्त वाहिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है.टाइप 2 डायबिटीज में लक्षण हल्के हो सकते हैं और ध्यान में आने में कई साल लग सकते हैं. इस कारण इसकी पहचान देर से होती है. फिर भी इसके प्रमुख लक्षणों में बहुत प्यास लगना, अधिक बार पेशाब आना, धुंधली दृष्टि, थकान महसूस होना और वजन कम होना आदि शामिल है.

ऐसे करें बचाव

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने टाइप 2 डायबिटीज से बचने के कुछ सरल उपाय बताए है. आइए, इसकी चर्चा करें-

वजन पर दें ध्यान

डायबिटीज का एक प्रमुख कारण अधिक वजन भी है. वजन का बढ़ने से आप जल्दी इस लाइलाज बीमारी की चपेट में आ सकते हैं. इसलिए डायबिटीज से बचना है तो आपको वजन नहीं बढ़ने दें.

हेल्दी डाइट लें

स्वस्थ रहने और डायबिटीज से बचने के लिए आपको हेल्दी डाइट लेनी चाहिए और हर हाल में शुगर और सैचुरेटेड फैट के सेवन से बचना चाहिए.

30 मिनट एक्सरसाइज करें

डब्ल्यू एचओ के अनुसार, प्रत्येक दिन कम से कम 30 मिनट मॉडरेट एक्सरसाइज करें. इसमें आप जिम से हटकर होने वाली फिजिकल एक्टिविटी शामिल कर सकते हैं.

तंबाकू से बचें

तंबाकू न सिर्फ डायबिटीज बल्कि जानलेवा कैंसर का भी प्रमुख कारण है इसलिए आपको अगर इसलिए अगर आपको इस लाइलाज बीमारी से बचना है, तो आपको तंबाकू से दूर रहना चाहिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत का लीग में बेहतरीन प्रदर्शन, तालिका में 12 अंकों के साथ शीर्ष पर

आज द. कोरिया के खिलाफ दमदार जीत के लिए उतरेगा भारत

शुभम किशोर। रांची

भारतीय महिला टीम लीग तालिका में 12 अंक हासिल कर शीर्ष पर है. गुरुवार को उसका मुकाबला दक्षिण कोरिया के साथ होगा. सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम महिला एशियाई चैम्पियंस दक्षिण कोरिया के खिलाफ दमदार प्रदर्शन के लिए उतरेगी और अपने जीत के लय को बरकरा रखेगी. भारतीय टीम ने अन्य टीमों के मुकाबलें में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है और लीग तालिका में 12 अंक लेकर शीर्ष पर है. अपने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ दक्षिण कोरिया की टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है जो चार मैचों में सात अंक लेकर तीसरे स्थान पर है. राउंड रॉबिन लीग से शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी. अब तक के लीग मैचों में भारत ने थाईलैंड को 7 - 1 से , मलेशिया को 5 - 0 , चीन को 2 - 1 और जापान को 2-1 से पराजित कर बादशाह बनने की ताल टोंक दी है. वहीं दक्षिण कोरिया की टीम दो मैच जीती है, एक में उसे हार मिली है और एक ड्रॉ खेली है . भारत के खिलाफ दक्षिण कोरिया ने अब तक 20 में से 12 मैच जीते हैं . भारत ने पांच मैच जीते और तीन ड्रॉ रहे. पिछली बार दोनों टीमें हांगझोउ एशियाई खेलों में एक दूसरे से खेली थी जो 1 - 1 से ड्रॉ रहा था . भारत ने पिछले मैच में जापान को 2 - 1 से हराया जबकि दक्षिण कोरिया ने थाईलैंड को 3 - 0 से शिकस्त दी . संगीता कुमारी ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक चार गोल किये. वहीं भारत के लिये 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली वंदना कटारिया ने दो गोल किये हैं. भारत की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन का मानना है कि टूर्नामेंट में अब तक हमारा प्रदर्शन शानदार रहा है. खिलाड़ियों ने जबर्दस्त अभ्यास किया है. साथ ही अपने कौशल और अनुशासन का भी प्रदर्शन किया है. हम लीग चरण में अपराजित रहना चाहेंगे.

ब्रीफ खबरें

एरिना को हरा पेगुला सेमीफाइनल में

केंकुन (मैक्सिको)। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. पेगुला ने शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच वर्ष के इस आखिरी टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन लीग मैच में 6-4, 6 - 3 से जीत दर्ज की. अन्य मैचों में 2022 विम्बलडन चैम्पियन एलेना रिबाकिना ने मारिया सक्कारी को 6 - 0, 6 - 7, 7 - 6 से हराया. अब सबालेंका का सामना रिबाकिना से होगा . दोनों की टक्कर जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल में भी हुई थी जो सबालेंका ने जीता था.

विश्व कप मैचों के दौरान आतिशबाजी पर रोक

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने दिल्ली और मुंबई में बढते वायु प्रदूषण के कारण इन दोनों शहरों में विश्व कप मैचों के दौरान आतिशबाजी पर रोक लगा दी है. दिल्ली में एक ही मैच बचा है जब छह नवंबर को श्रीलंका और बांग्लादेश आमने सामने होंगे. मुंबई में दो और सात नवंबर को लीग मैच और 15 नवंबर को सेमीफाइनल होना है. बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि बीसीसीआई पर्यावरण से जुड़े मसलों को लेकर काफी संवेदनशील है. हमने आईसीसी से बात की है और मुंबई में कोई आतिशबाजी नहीं होगी. उन्होंने कहा कि बोर्ड हमेशा प्रशंसकों के हित को सर्वोपरि रखता है. बीसीसीआई का मानना है कि मुंबई और दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक है.

एआईएफएफ को अध्यक्ष मान्यता कांस्य पदक

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को देश में जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास के लिये एएफसी अध्यक्ष मान्यता कांस्य पदक दिया गया है . यह इस वर्ग में एआईएफएफ का दूसरा पुरस्कार है . उसे 2014 में भी यह सम्मान मिला था . एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने दोहा में मंगलवार की रात पुरस्कार लेने के बाद कहा कि भारतीय फुटबॉल के लिये यह अच्छी उपलब्धि है. एआईएफएफ ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एआईएफएफ ब्लू कब्स कार्यक्रम, ब्लू कब्स फुटबॉल स्कूल, ग्रासरूट पुरस्कर और गैर पेशेवर संस्थाओं के लिये लीग से भारतीय फुटबॉल के विकास में काफी मदद मिली है.

मैच से पहले पंड्या की वापसी मुश्किल

मुंबई। भारत के स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या 12 नवंबर को नीदरलैंड के खिलाफ बेंगलुरू में टीम के आखिरी लीग मैच से पहले वापसी नहीं कर सकेंगे . पंड्या को 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अपनी ही गेंदबाजी पर क्षेत्ररक्षण के दौरान चोट लगी थी. वह न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल सके और बृहस्पतिवार को श्रीलंका तथा पांच नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी नहीं खेल पायेंगे. भारत को आखिरी लीग मैच नीदरलैंड से 12 नवंबर को बेंगलुरू में खेलना है . बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि वह तेजी से ठीक हो रहा है और आखिरी लीग मैच खेल सकेगा.

वनडे विश्व कप क्रिकेट : दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 190 रन से पराजित किया

डिकॉक और डुसेन के धमाकेदार शतक

भाषा। पुणे

दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी वनडे विश्व कप में बुधवार को यहां न्यूजीलैंड को 190 रन से हरा दिया. दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद चार विकेट पर 357 रन का विशाल स्कोर बनाया. इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 35.3 ओवर में 167 रन बनाकर आउट हो गई.

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे क्विंटन डिकॉक और रासी वान डर डुसेन ने जीवनदान का फायदा उठाकर शतक जमाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने धीमी शुरुआत के बावजूद न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप के मैच में बुधवार को यहां चार विकेट पर 357 रन का विशाल स्कोर बनाया. डिकॉक ने 116 गेंद पर 10 चौकों और तीन चौकों की मदद से 114 रन बनाए. डुसेन ने 118 गेंद पर 133 रन बनाए जिसमें 9 चौके और 5 छक्के शामिल हैं.

इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 200 रन की साझेदारी की. इनके अलावा ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजे गए डेविड मिलर ने 30 गेंद पर चार छक्कों की मदद से 53 रन की तूफानी पारी खेली.

डिकॉक ने सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड भी तोड़ा

डिकॉक ने दक्षिण अफ्रीका की तरफ से किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने का जॉक कैलिस (485 रन, 2007) का रिकॉर्ड तोड़ा. डुसेन भी शुरू में जूझते नजर आए लेकिन उन्होंने पांव जमाए रखे तथा 61 गेंद पर अपना पचासा पूरा किया. इस बीच उन्होंने रविंद्र और फिलिप्स पर छक्के लगाए. डिकॉक ने जेम्स नीशम पर छक्का लगाकर 103 गेंद पर वर्तमान विश्व कप का अपना चौथा शतक पूरा किया. नीशम के इस ओवर में डुसेन को दो जीवनदान मिले. उन्होंने बाद में इसी गेंदबाज पर चौका लगाकर 101 गेंद पर अपना शतक पूरा किया जो वर्तमान विश्व कप में उनका दूसरा सैकड़ा है. टॉम लैथम ने इन दोनों की साझेदारी तोड़ने के लिए सात गेंदबाजों का उपयोग किया. इस बीच हेनरी को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा. साउदी ने 40वें ओवर में डिकॉक को बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच करा कर यह साझेदारी तोड़ी. इस बार फिलिप्स ने कैच लेने में कोई

गलती नहीं की. डुसेन ने शतक पूरा करने के बाद नीशम पर लगातार दो छक्के लगाए जबकि मिलर ने यही रवैया फिलिप्स के खिलाफ अपनाकर 46वें ओवर में टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया. साउदी ने डुसेन को बोल्ड करके इन दोनों के बीच 43 गेंद पर निभाई गई 78 रन की साझेदारी तोड़ी. मिलर ने नीशम पर छक्का लगाकर 29 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया.

आखिरी 10 ओवर में 119 रन बनाए

दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी 10 ओवर में 119 रन बनाए. न्यूजीलैंड की तरफ से टिम साउदी ने 77 रन देकर दो विकेट लिए. न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और फिर कसी गेंदबाजी की. आलम यह था कि डिकॉक जैसा आक्रामक बल्लेबाज पहले 15 ओवर में केवल एक बाउंड्री लगा पाया था. दक्षिण अफ्रीका ने पहले पावरप्ले में एक विकेट पर 43 रन बनाए. इसमें कप्तान तेंबा बावुमा का योगदान 24 रन था. उन्होंने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर स्लिप में कैच देने से पहले अपने चारों चौके और एक छक्का मेट हेनरी पर लगाया. डिकॉक भी उनके पीछे पवेलियन लौट जाते लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहे साउदी की गेंद पर उनका मुश्किल कैच छोड़ दिया. डिकॉक तब 12 रन पर खेल रहे थे. उन्होंने पारी के 16वें ओवर में साउदी पर चौका और छक्का लगाकर अपने हाथ खोले और फिर सेंटनर की गेंद भी छह रन के लिए भेजी.

गोल्फ कार्ट से गिरे ग्लेन इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल सकेंगे

भाषा। अहमदाबाद

आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल गोल्फ कार्ट से गिरकर चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चार नवंबर को विश्व कप का लीग मैच नहीं खेल सकेंगे . क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने बताया कि मैक्सवेल गोल्फ कार्ट पर बैठे थे जब वह गिरे.

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू डोनाल्ड ने कहा कि क्लबहाउस से टीम बस की ओर लौटते समय ग्लेन मैक्सवेल कार्ट के पीछे से उतरने के दौरान चोटिल हो गया . उसे सिर में चोट (कनकशन) लगी है . उसे कनकशन प्रोटोकॉल से गुजरना होगा और वह इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल सकेगा. वह आस्ट्रेलिया के स्पिन आक्रमण का

दारोमदार एडम जाम्पा के साथ संभालते हैं. इसके अलावा मध्यक्रम के अहम बल्लेबाज भी है जिन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ दिल्ली में सिर्फ 40 गेंद में विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक बनाया था . मैक्सवेल को इससे पहले मेलबर्न में नवंबर में एक बर्थडे पार्टी के दौरान भी दुर्घटना में पैर में फ्रेक्चर हो गया था.

वनडे क्रिकेट में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बने शाहीन अफरीदी

भाषा। कोलकाता

पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी बुधवार को एक दिवसीय क्रिकेट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए जो उनके कैरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है. अफरीदी ने सात पायदान की छलांग लगाकर आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को पछाड़ा. बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मैच में पाकिस्तान की जीत में अफरीदी ने 23 रन देकर तीन विकेट लिये.

इसी मैच में उन्होंने 100वां वनडे विकेट भी लिया. उन्होंने 51 मैचों में इस आंकड़े को छुआ और सबसे तेजी से वनडे विकेटों का शतक पूरा करने वाले वह तीसरे गेंदबाज और पहले तेज गेंदबाज बन गए. इस विश्व कप

में वह सात मैचों में 16 विकेट लेकर आस्ट्रेलिया के एडम जाम्पा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं . भारत के मोहम्मद सिराज रैंकिंग में तीसरे और स्पिनर कुलदीप यादव सातवें स्थान पर हैं . बल्लेबाजों में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर हैं . भारत के शुभमन गिल दूसरे, रोहित शर्मा पांचवें और विराट कोहली सातवें स्थान पर है.

गांवों में भी महिला हॉकी का खुमार

संवाददाता। रांची

झारखंड के साथ देशभर में महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का खुमार चढ़ गया है. झारखंड के सुदूरवर्ती गांवों में भी हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की वजह से उत्सव और उत्साह का माहौल नजर आ रहा है. चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम से खेल रही खूंटी की निक्की प्रधान, सिमडेगा की सलीमा टेटे और संगीता कुमारी के गांव में उत्साह का माहौल है. निक्की प्रधान, सलीमा टेटे के करंगा गुड़ी और संगीता कुमारी के गांव में हर दिन शाम ढलते ही पूरे गांव के लोग बड़े से स्क्रीन पर मैच का लुत्फ उठाते हैं.

बेटियों के परिजन देख रहे मैच: मुख्यमंत्री के निर्देश पर भारतीय टीम में शामिल झारखंड की तीन बेटियों के परिजनों को मैच देखने के लिए आमंत्रित किया गया है.

एलईडी स्क्रीन के भी लाखों दर्शक

राज्य के विभिन्न जिलों में लगे एलईडी स्क्रीन पर मैच का सीधा प्रसारण हो रहा है. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मोबाइल एलईडी वैन के जरिए भी चैंपियंस ट्रॉफी के मैच दिखाए जा रहे हैं.

जहां एलईडी स्क्रीन नहीं हैं, वहां जिला प्रशासन द्वारा बड़े स्क्रीन पर मैच का प्रसारण किया जा रहा है. रांची में स्टेडियम के बाहर मोरहाबादी मैदान में बने टाइम स्क्वायर में भी लोग मैच का आनंद ले रहें हैं.

मेदिनीनगर **महिला एशियाई हॉकी प्रतियोगिता के मैचों को लेकर दर्शकों में खास उत्साह**

कोयल रिवर फ्रंट पर मरीन ड्राइव में नि:शुल्क लें मैच का आनंद

संवाददाता। मेदिनीनगर

रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है. इस प्रतियोगिता को लेकर हॉकी प्रेमियों में खासा उत्साह है. लोग दूर-दूर से मैच का आनंद लेने आ रहे हैं. लेकिन जो लोग मैच देखने रांची नहीं आ पा रहे हैं, उनके लिए मेदिनीनगर में खास व्यवस्था की गयी है. पलामू के प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर में जिला प्रशासन के सहयोग से महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी 2023 का लाइव प्रसारण किया जा रहा है. यहां दर्शक नि:शुल्क मैच का लुफ्त उटा सकते हैं. तो आइए कोयल रिवर फ्रंट मरीन ड्राइव में मैच का आनंद लीजिए, बिल्कुल मुफ्त.

प्रतियोगिता के मैस्कॉट का पलामू से है खास कनेक्शन

मालूम हो कि पलामू जिला प्रशासन और प्रमंडलीय जनसंपर्क कार्यालय की पहल से हॉकी प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. हॉकी का लाइव प्रसारण देखकर दर्शक काफी मनोरंजन कर रहे हैं. हॉकी में रूचि रखने वाले दर्शकों की भीड़ भी लग रही है. इतना ही नहीं हॉकी टूर्नामेंट के मैस्कॉट का पलामू से खास कनेक्शन भी है. महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का मैस्कॉट पलामू स्थित बेतला नेशनल पार्क में लोगों का मनोरंजन करनेवाली जूही नाम की हथनी को बनाया गया है. जूही की सच्ची कहानी जानने के बाद लोगों में मैस्कॉट का क्रेज बढ़ गया है. राजधानी समेत पूरे झारखंड में इस हॉकी टूर्नामेंट के साथ मैस्कॉट जूही भी काफी फेमस हो गया है.

झारखंड के लिए सुनहरा अवसर

उप निदेशक जनसंपर्क आनंद ने इस संबंध में कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है. झारखंड के लिए यह सुनहरा अवसर है. पूरी दुनिया में शहरों की पहचान इस बात से होती है कि सार्वजनिक स्थानों पर खेल संस्कृति एवं साहित्य से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं. हॉकी मैच का लाइव प्रसारण दिखाया जाना इस बात की पहल है. लोगों की मांग होगी तो शहर के सार्वजनिक स्थानों पर स्वस्थ मनोरंजन सांस्कृतिक कार्यक्रम अथवा फिल्म शो आयोजित किये जा सकेंगे.

भारत के अनुभवी तैराक खाड़े ने घरेलू तैराकी को अलविदा कहा

भाषा। पणजी

भारत के अनुभवी तैराक वीरधवल खाड़े ने राष्ट्रीय खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद घरेलू टूर्नामेंटों को अलविदा कह दिया. बीजिंग ओलंपिक 2008 के लिये क्वालीफाई करने वाले भारत के सबसे युवा तैराक रहे खाड़े ने भारत के उदीयमान स्टार श्रीहरि नटराज को हराया. खाड़े ने 2010 एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीतकर भारत का 24 साल का इंतजार खत्म किया था. उन्होंने कहा कि मैने 2001 में गोवा में ही अपना पहला राष्ट्रीय पदक जीता था और आज अपने आखिरी राष्ट्रीय खेल में फिर स्वर्ण पदक जीता है. उस समय मैने सोचा भी नहीं था कि यहां तक पहुंचूंगा . मैं अपने कोचों और इस सफर में साथी रहे सभी लोगों को

धन्यवाद देता हूं. खाड़े ने चोट के कारण कुछ समय दूर रहने के बाद 2018 में वापसी कर तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था. उन्होंने कहा कि दिल से मैं अभी भी जवान हूं लेकिन शरीर थक गया है. इतने साल बीत गए और अब रिकवरी उतनी तेजी से नहीं होती. यह भारत में मेरा आखिरी टूर्नामेंट है. भविष्य में शायद कोच बनूं लेकिन यह मेरी आखिरी प्रतिस्पर्धी रेस थी.

सेना प्रमुख ने किया सियाचिन का दौरा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बुधवार को सियाचिन आधार शिविर और अग्रिम चौकियों का दौरा कर वहां परिचालन तैयारियों की समीक्षा की. सूत्रों ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि जनरल पांडे मंगलवार को लेह पहुंचे थे. काराकोरम पर्वत श्रृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर को दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्य क्षेत्र के रूप में जाना जाता है. सर्दियों के दौरान ग्लेशियर पर हिमस्खलन और भूस्खलन का खतरा तो बना ही रहता है, तापमान भी शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है. एक रक्षा सूत्र ने कहा कि सेना प्रमुख ने आज सियाचिन आधार शिविर और अग्रिम चौकियों का दौरा किया. उन्होंने बताया कि दौरे के दौरान उन्होंने परिचालन तैयारियों की भी समीक्षा की.

आओ जानें

कौन सी कंपनी कितने साल पुरानी

पोलरॉयड कैमरा	74	ट्विटर	17
सोनी वॉकमैन	44	आई फोन	16
माइक्रोसॉफ्ट विंडोज	37	किंडले	15
अमेजॉन	28	वाट्सऐप	14
नेटफ्लिक्स	25	उबेर	14
गूगल	24	आई पॉड	13
आईपॉड	21	इंस्टाग्राम	12
लिंकडिन	20	जूम	12
फेसबुक	19	ट्विट्ज	12
जी मेल	19	एयर पॉड्स	06
यूट्यूब	18	टिक टॉक	06
रेडिट	17	चैट जीपीटी	0.8

शोधकर्ताओं ने खोजा ताजे पानी की मछली से जुड़ी नई प्रजाति

भाषा। बेरहामपुर

वैज्ञानिकों के एक समूह ने पाया है कि पश्चिमी ओडिशा के बाजारों में बिक रही ताजा पानी की खाने योग्य मछली वास्तव में एक अपंजीकृत प्रजाति है. बेरहामपुर विश्वविद्यालय के जीवविज्ञान विभाग और गोपालपुर की भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) द्वारा शुरू की गई परियोजना के प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर जय किशोर सेठ ने कहा कि नई प्रजाति का नाम 'अवौस मोटला' रखा गया है. ओडिशा सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के वित्त सहयोग से चलाई गई अनुसंधान परियोजना के दौरान यह खोज की गई. सेठ ने कहा कि हमने जेडएसआई के एस्टुरीन (ज्वारनदीमुख) बायोलॉजी रीजनल सेंटर के अनिल महापात्र और ऑस्ट्रेलिया के एक वैज्ञानिक के साथ मिलकर नमूनों का व्यापक अध्ययन किया. वैज्ञानिक ने बताया कि मछली को ताजा और सूखा दोनों तरह से खाया जा सकता है. स्थानीय मछुआरे ताजी मछली को 600 रुपये प्रति किलो और सूखने पर 800 रुपये प्रति किलो की दर से बेचते हैं. नई प्रजाति का विवरण 28 अक्टूबर को जर्नल ऑफ फिश बायोलॉजी के ऑनलाइन संस्करण में प्रकाशित किया गया.

खास बातें

- नई प्रजाति का नाम 'अवौस मोटला' रखा गया है
- यह मछली सूखने पर 800 रु प्रति किलो बिकती है

ब्रीफ खबरें

अमेरिका में भारतीय छात्र पर हमला

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक हमलावर ने 24 वर्षीय भारतीय छात्र को चाकू मार दिया और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. मीडिया ने इस बारे में खबर दी. 'एनडब्ल्यूआईयू टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार सुबह इंडियाना के वालपराइसो शहर में एक सार्वजनिक जिम में 24 वर्षीय हमलावर जॉर्डन एंड्रैड ने वरुण की कनपटी में चाकू से हमला कर दिया था.

दिल्ली बनी गैस चैंबर सांस लेना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। दिवाली से पहले देश की राजधानी दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है. राजधानी गैस चैंबर बन गई है. प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना मुश्किल हो गया है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार पिछले पांच दिन से लगातार दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब हो रही है. यहां बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 373 रहा, जो कि बेहद डराने वाला आंकड़ा है.

बारूदी सुरंग धमाके में तीन सैनिक घायल

मेंढर/जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक बारूदी सुरंग धमाके में तीन सैनिक घायल हो गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने प्रारंभिक जानकारी के हवाले से बताया कि सैनिक मेंढर सेक्टर में फगवारी गली इलाके में गश्त लगा रहे थे. इसी दौरान बारूदी सुरंग में धमाका हो गया. उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी चिकित्सा सुविधा में भर्ती कराया गया.

किश्तवाड़ में मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मादक पदार्थों के अवैध तस्करी से संबंधित स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस), अधिनियम के तहत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी आसिफ इकबाल किश्तवाड़ जिले का रहने वाला है और वह जम्मू शहर के भटिंडी इलाके में स्थित अपने ठिकाने से स्थानीय युवाओं को मादक पदार्थ की आपूर्ति करता था.

पीएम मोदी व शेख हसीना ने संयुक्त रूप से विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

भारत-बांग्लादेश के संबंध और मजबूत

भाषा। अगरतला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बांग्लादेश की अपनी समकक्ष शेख हसीना के साथ डिजिटल माध्यम से तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि दोनों देशों के संबंध निरंतर नयी ऊंचाइयां छू रहे हैं तथा पिछले नौ वर्षों में दोनों ने मिलकर जितना काम किया है, उतना काम कई दशकों में भी नहीं हुआ. मोदी और हसीना ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया उनमें त्रिपुरा के निश्चिंतपुर और बांग्लादेश के गंगासागर के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क, 65 किलोमीटर लंबी खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन और बांग्लादेश के रामपाल में 'मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट' की दूसरी इकाई शामिल हैं. करीब 15 किलोमीटर लंबे अगरतला-अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल संपर्क से सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और ढाका के रास्ते अगरतला तथा कोलकाता के बीच यात्रा के समय में काफी कमी आएगी.

सफलता का जश्न मनाने एक बार फिर जुड़े : मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हसीना के साथ बातचीत में कहा कि यह खुशी की बात है कि हम भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक बार फिर जुड़े हैं. उन्होंने कहा कि हमारे संबंध निरंतर नयी ऊंचाइयां छू रहे हैं. मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता की बहाली के लिए दोनों देशों के बीच दशकों से लंबित, जमीन सीमा समझौता किया गया और समुद्री सीमा संबंधी मामलों को भी सुलझाया गया.

ऊर्जा सहयोग में एक नई कड़ी : पीएम ने कहा कि 'खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन' के बनने से अब बांग्लादेश का मोंगला बंदरगाह, रेल के रास्ते ढाका और कोलकाता के व्यापार केंद्रों से जुड़ गया है. मैत्री ताप विद्युत परियोजना की दूसरी इकाई के उद्घाटन को प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों में बिजली और ऊर्जा सहयोग में एक नई कड़ी करार दिया और कहा कि हमारे आपसी सहयोग से बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा को बल मिला है. ऊर्जा क्षेत्र में बांग्लादेश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुआ है.

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये परियोजनाओं का उद्घाटन करते पीएम मोदी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना.

सबका साथ, सबका विकास पड़ोसी मित्र के लिए प्रासंगिक

भारत, बांग्लादेश और नेपाल के बीच बिजली के आदान-प्रदान पर बनी सहमति का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने 'सबका साथ, सबका विकास' के अपने रुख को बांग्लादेश जैसे अपने निकटतम पड़ोसी मित्र के लिए भी प्रासंगिक माना है. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का सबसे बड़ा विकास साझेदार होने पर हम गौरवान्वित महसूस करते हैं.

निर्यात का रास्ता खुला

पिछले नौ वर्षों में तीन नई बस सेवाएं और तीन नई रेल सेवाएं शुरू किए जाने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि साल 2020 से तो भारत-बांग्लादेश के बीच कंटेनर और पार्सल ट्रेन भी चल रही हैं. उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में समुद्री मार्ग को सवारी और माल के यातायात के लिए विकसित किया गया. इसी रास्ते से बांग्लादेश से त्रिपुरा के लिए निर्यात का रास्ता खुल गया है.

खास बातें

- बांग्लादेश से त्रिपुरा के लिए निर्यात का रास्ता खुला
- सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है

नौ वर्षों में व्यापार हुआ तीन गुना

भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र पर चार नई आव्रजन जांच चौकी खोले जाने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में हमारा आपसी व्यापार लगभग तीन गुना हो गया है. इन नौ वर्षों की यात्रा में, आज 'अखौरा-अगरतला रेल संपर्क' का उद्घाटन भी एक ऐतिहासिक पल है. भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से बांग्लादेश का ये पहला रेल संपर्क है. बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष के समय से त्रिपुरा का इससे गहरा नाता रहा है. इस संपर्क के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के राज्य बांग्लादेश के बंदरगाहों से भी जुड़ेंगे.

क्रूज सेवा शुरू होने से पर्यटन को मिला बढ़ावा

मोदी ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच विश्व की सबसे बड़ी क्रूज सेवा 'गंगा विलास' के शुरू होने से पर्यटन को बढ़ावा मिला है जबकि चटगांव और मोंगला बंदरगाह के रास्ते से भारत के उत्तर पूर्व के राज्यों को जोड़े जाने का लाभ भी दोनों देशों को हुआ है. प्रधानमंत्री ने कहा कि संपर्क पहल ने कोरोना महामारी के दौरान जीवनरेखा का काम किया और तभी 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' के जरिए 4,000 टन से ज्यादा ऑक्सीजन भारत से बांग्लादेश पहुंचाई गई.

'स्मार्ट बांग्लादेश' के लिए भारत पूरा सहयोग देगा

दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने शेख हसीना का आभार प्रकट करते हुए कहा कि 'स्मार्ट बांग्लादेश' को आगे बढ़ाने में भारत पूरा सहयोग देता रहेगा. उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि बांग्लादेश के 12 जिलों में 12 आई-टी पार्क बनाने में भारत सहयोग दे रहा है. फिनटेक के क्षेत्र में दोनों देशों के पेमेंट गेटवेज को जोड़ने के लिए भी सहमति बनी है. मेरा पूर्ण विश्वास है कि हमारे साझा प्रयासों से बंगबंधु के 'सोनार बांग्लादेश' का विजन साकार होगा.

बंगाल के साथ 'मनरेगा' विवाद सुलझा सकती है केंद्र सरकार

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के हस्तक्षेप के बाद केंद्र सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से जुड़े बकाये को लेकर राज्य के साथ अपने विवाद को हल करने की संभावना है. राजभवन के सूत्रों ने यह जानकारी दी. राज्यपाल ने अभिषेक बनर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं के साथ बैठक के बाद, उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह से इस मुद्दे पर बात की. सिंह ने इसके बाद बकाए के भुगतान पर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए कार्रवाई करने का वादा किया. सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने संकेत दिया कि बकाया राशि के जल्द ही जारी होने की संभावना है लेकिन इसे लेकर कोई समयसीमा नहीं दी गई. हालांकि बकाये का भुगतान कुछ शर्तों पर निर्भर करेगा जैसा की ऑडिट रिपोर्ट की प्रस्तुति. केंद्र सरकार ने पहले कहा था कि दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण पश्चिम बंगाल में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए धन को जारी नहीं किया गया था. मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण मनरेगा, 2005 की धारा 27 के प्रावधान के अनुसार पश्चिम बंगाल राज्य की राशि 9 मार्च, 2022 से रोक दी गई है. पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी ने इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में प्रदर्शन किया था.

अदालतें पीएमएलए के दुरुपयोग को लेकर जाग जाएं : सिब्बल

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने बुधवार को कहा कि अब समय आ गया है कि अदालतें धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के घोर दुरुपयोग को लेकर जाग जाएं. उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी लगभग सभी विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बना रही है.

उन्होंने कहा कि ईडी और नेताओं को जमानत से इनकार करना सरकार के हाथों में राजनीतिक हथियार बन गया है. विपक्षी नेताओं की प्रमुख आवाज और वरिष्ठ वकील सिब्बल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि केजरीवाल को ईडी ने समन किया है. ईडी लगभग सभी विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बना रही है. ईडी और नेताओं को जमानत से इनकार सरकार के हाथों में नया राजनीतिक हथियार बन गया है. समय आ गया है कि अदालतें अब पीएमएलए के घोर दुरुपयोग पर जाग जाएं.

इजराइली सेना ने हमास के जमीनी सुरंगों को किया नष्ट

भाषा। खान यूनिस

इजराइली सेना द्वारा मंगलवार को किए गए हवाई हमलों ने गाजा शहर के समीप एक शरणार्थी शिविर में अपार्टमेंट इमारतों को ध्वस्त कर दिया. इस दौरान सामने आई फुटेज में बचावकर्मी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को मलबे से बाहर निकालते हुए दिखे. इजराइल ने कहा कि हमले में घरों में स्थापित हमास के कमांड सेंटर और नीचे फैले सुरंगों के नेटवर्क को नष्ट कर दिया गया. जबालिया शिविर पर हुए हमले में मृतकों की तत्काल जानकारी साझा नहीं की गई है. वहीं, इजराइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में हमास के अभियानों की देखरेख करने वाले कमांडर सहित बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए. हमले में घायल लोगों को करीब के अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल के निदेशक डॉ अतेफ एल-कहलोत ने कहा कि सैंकड़ों की संख्या में लोग मारे गए या घायल हुए हैं लेकिन आंकड़ों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकती.

इजराइली हवाई हमले के बाद जीवित बचे लोगों व शवों को निकालते लोग.

घने आवासीय इलाकों की ओर बढ़ रही इजराइली सेना

आतंकवादियों के खिलाफ सेना गाजा पट्टी के उत्तर में घने आवासीय इलाकों की ओर आगे बढ़ रही है. इजराइल ने सात अक्टूबर को किए गए हमले के बाद हमास को मिटाने का संकल्प लिया है. इजराइल ने कहा कि उत्तरी गाजा में चल रहे युद्ध में उसके दो सैनिक मारे गए. यह पहली सैन्य मौत है जो पिछले सप्ताह के अंत में छोटे भूमध्यसागरीय क्षेत्र में जमीनी हमले में तेजी आने के बाद हुई.

बोलीविया का इजराइल के साथ राजनयिक संबंध खत्म

ला पाज। बोलीविया सरकार ने गाजा पट्टी में हमास उग्रवादियों के खिलाफ इजराइली सैन्य हमले को समाप्त करने का आह्वान करते हुए मंगलवार को इजराइल के साथ राजनयिक संबंध खत्म कर दिए. बोलीविया के उप विदेश मंत्री फ्रेडी ममानी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बोलीविया ने गाजा पट्टी में जारी भीषण इजराइली सैन्य हमले की निंदा करते हुए इजराइल के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का फैसला किया है.

पुरस्कार — कहानी साम्राज्य की उत्पत्ति पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है

नंदनी दास ने जीता 2023 ब्रिटिश अकादमी बुक प्राइज

भाषा। लंदन

भारत में जन्मी लेखिका नंदिनी दास को उनकी पुस्तक 'कोर्टिंग इंडिया: इंग्लैंड, मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर' को लेकर ग्लोबल कल्चरल अंडरस्टैंडिंग के लिए 2023 ब्रिटिश अकादमी बुक प्राइज पुरस्कार का विजेता नामित किया गया है. यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गैर-गल्प पुरस्कार है, जिसमें इनाम के तौर पर 25,000 पाउंड की राशि दी जाती है. ब्रिटेन स्थित लेखिका का नाम मंगलवार शाम को लंदन में ब्रिटिश अकादमी के एक समारोह में विजेता के रूप में घोषित किया गया.

कहानी में अद्वितीय तात्कालिकता : जूरी प्रमुख प्रोफेसर चार्ल्स ट्रिप ने कहा कि भारत और ब्रिटेन की राजनीतिक हस्तियों, अधिकारियों और व्यापारियों के समकालीन स्त्रोतों का उपयोग कर उन्होंने कहानी को एक अद्वितीय तात्कालिकता दी है, जो इस दौरान हुई शुरुआती गलतफहमियों को जीवंत कर देती है. ब्रिटिश अकादमी बुक पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2013 में गैर-गल्प साहित्य के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य को पुरस्कृत करने के लिए की गई थी और इसे पूर्व में नायेफ अल-रोडेन पुरस्कार के नाम से जाना जाता था.

खास बातें

- यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गैर-गल्प पुरस्कार है
- विजेता को इनाम में मिलते हैं 25000 पाउंड

ब्रिटेन और भारत की सच्ची मूल कहानी

यह किताब, 'मुगल दरबारों में इंग्लैंड के पहले राजनयिक अभियान के माध्यम से बताई गई ब्रिटेन और भारत की सच्ची मूल कहानी' का वर्णन करती है. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत दास (49) ने 17वीं शताब्दी में भारत में इंग्लैंड के पहले राजदूत सर थॉमस रो के आगमन की कहानी के माध्यम से साम्राज्य की उत्पत्ति पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की कोशिश की है.

वर्तमान सरकार से ऊब चुकी है जनता, बदलाव के लिए तैयार है

जनता महंगाई से परेशान : कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने बुधवार को महंगाई के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि जनता इस सरकार से ऊब चुकी है तथा अगले साल बदलाव के लिए तैयार है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि 2024 में सत्ता में आने पर 'इंडिया' गठबंधन की सरकार महंगाई बढ़ाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मित्र को फायदा पहुंचाने वाली नीतियों को तुरंत बदलेगी और आम लोगों को राहत देगी.

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, खुशियां लेकर आने वाले त्योहार भी मोदी सरकार में लोगों की चिंताएं बढ़ा रहे हैं. क्योंकि हर ज़रूरी चीज की क़ीमतें आसमान छू रही हैं. उन्होंने कहा कि प्याज के दाम 90 प्रतिशत से अधिक बढ़ कर शतक के क़रीब पहुंच गए हैं. अरहर दाल की क़ीमत साल भर में 40 प्रतिशत बढ़कर 152 रुपये पहुंच गई है. लेकिन अब यह आखिरी दिवाली है, जब लोगों को इस तरह महंगाई से परेशान होना पड़ रहा है. रमेश ने दावा किया कि जनता इस सरकार से ऊब चुकी है और 2024 में बदलाव के लिए तैयार है. 'इंडिया' गठबंधन की सरकार महंगाई बढ़ाने और प्रधानमंत्री के मित्र को फ़ायदा पहुंचाने वाली नीतियों को तुरंत बदलेगी और आम लोगों को राहत देगी.

खास बातें

- मित्र को फायदा पहुंचाने वाली बदलेंगी नीतियां
- मोदी सरकार में त्योहार लोगों की चिंता बढ़ा रहे हैं

छत्तीसगढ़ : भूपेश बघेल यानी बेधड़क खेल

किस्सा

कोताह यह कि भूपेश बघेल अलीक मुख्यमंत्री हैं. औरों से भिन्न विपथगामी. राहुल-प्रियंका के वे विश्वासपात्र हैं. राहुल गांधी ने उनकी कृषि और उद्योगों की नायाब योजनाओं की तारीफ दूर पूर्वोत्तर में मिजोरम तक में की और उन्हें वहां भी लागू करने की बात दोहराई. वह छत्तीसगढ़ी ओलंपिक के भी सूत्रधार हैं, जहां लंगड़ी, भौंरा, बांटी, पिट्ठुल को बढ़ावा मिला है. वह कैंडी या भौंरा (लट्टू) और बांटी (कंचा) में रुचि को छुपाते नहीं. उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल्ली जाकर उनके जन्मदिन पर आईना (दर्पण) भेंट करने का साहस है. आईएएनएस-सी वोटर्स का सर्वे दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ में एंटीइंकम्बेंसी का स्तर न्यूनतम है. राम वनगमन मार्ग के संरक्षण को लेकर वह सचेत हैं. चुनाव प्राय: फर्राटा दौड़ के बजाय बाधा-दौड हुआ करते हैं. विपक्ष को हलके में लेना कभी-कभार भारी पड़ जाता है. मगर भूपेश से रायपुर या अन्यत्र जब-जब मुलाकात हुई, वह आत्मविश्वास से लबरेज दिखे. राजनीति के मैदान के वह धाकड़ खिलाड़ी हैं.

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार, रायपुर

फर्ज कीजिये कि भूपेश बघेल खिलाड़ी होते, क्रिकेट के खिलाड़ी. जाहिर है कि वह बेहतरीन हरफनमौला खिलाड़ी ही होते. आक्रामक बल्लेबाजी. सटीक गेंदबाजी और अचूक क्षेत्ररक्षण. उनके बल्ले से शॉट निकलते और गेंद सबको चकमा देकर सीमारेखा के पार चली जाती. वह गैर-पारंपरिक शॉट खेलने के लिये जाने जाते. अक्सर क्रीज के बाहर आकर गेंद को नसीहत देने के लिये जाने जाते. और जाने जाते स्लिप में मुस्तैद फील्डिंग के लिये.

मगर भूपेश बघेल क्रिकेटर नहीं हैं. वह सियासतदां हैं. राजनीति के खिलाड़ी. उम्दा और कामयाब खिलाड़ी. उनकी पहली पारी चमकीली रही है, प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी उनकी रनों की धार रोकने में विफल रहे हैं. अब वह दूसरी पारी के लिये तैयारी कर रहे हैं. दूसरी पारी यानि द्वितीय मुख्यमंत्रित्वकाल!

भूपेश बघेल की वय ज्यादा नहीं है. हां, वह साठा पाठा की कोटि में ज़रूर आते हैं. वह मनवा कुर्मी बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं. धान का कटोरा कुर्मियों के कृषि-कौशल से वाकिफ है. 22 अगस्त, सन 1961 को जन्म. राजनीति में छलांग के बजाय वह सीढ़ी-दर-सीढ़ी आगे बढ़े. सन 80 के दशक में यूथ कांग्रेस से जुड़े और सन 1990-94 के दरम्यान दुर्ग जिला युवक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे. सन 1993 में वह प्रथमतः मध्यप्रदेश राज्य विधानसभा के लिये चुने गये और तीस सालों की अवधि में वह कुल जमा पांच बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए. पहले पहल मंत्री पद उन्हें दिग्विजय सिंह के मुख्यमंत्रित्वकाल में मध्यप्रदेश में मिला और फिर छत्तीसगढ़ के गठन के पश्चात वह जोगी सरकार में मंत्री रहे.

जोगी से रहा मतभेद : भूपेश बघेल जोगी सरकार में शामिल जरूर रहे लेकिन जोगी और उनके बीच हमेशा मतभेद रहा. दोनों के बीच मतभेद शनैः शनैः कंटीली झाड़ियों में बदल गये. लंबे द्वंद्व में अंततः जीत भूपेश की हुई. अजीत जोगी न सिर्फ कांग्रेस के कूचे के बाहर गये, वरन उनकी घर वापसी की कोशिशों पर भी बघेल पानी फेरते रहे. साल 2013 में दरभा घाटी कांड और अंतागढ़ ऑडियो टेप कांड ने घटनाक्रम को प्रभावित किया. अक्टूबर, सन 2014 में उन्हें प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष मनोनीत किया गया. नक्सलियों के हाथों शहीद हुए नंदकुमार पटेल कांग्रेस के लिये बखूबी जमीन गोड़ गये थे. भूपेश ने इस जमीन में कांग्रेस की फसल लहलहाने के लिये अथक श्रम किया. इसी अंतराल में उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व अर्थात राहुल-प्रियंका का भी विश्वास अर्जित किया, जो निर्णायक मौकों पर उनके काम आया.

वर्ष 2018 में बने मुख्यमंत्री : 17 दिसंबर 2018 को भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. यह कांटों का ताज था. बाहर उन्हें अपने बैरियों से लोहा लेना था और भीतर कतिपय महत्वाकांक्षी नेताओं से. आश्चर्यजनक तौर पर वह दोनों मोर्चों पर कामयाब रहे. ''अब गये, तब गये'' को झुठलाते हुये वह न सिर्फ पद पर बने रहे, अपितु उन्होंने अपने कूट-कौशल से एक के बाद एक मुद्दे छीनकर भारतीय जनता पार्टी को रथ में निहत्था कर दिया. बीजेपी सदन में उन्हें घेरने और सड़कों पर आंदोलन खड़ा करने में विफल रही. भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के तीसरे मुख्यमंत्री हैं. उन्हें हम माटी-पुत्र कह सकते हैं. बोली- ढोली और रहन-सहन में वह अपने दोनों पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों से अधिक छत्तीसगढ़िया हैं. उनकी सरकार का चेहरा भी अधिक देशज, आत्मीय और सलोना है. उनका नारा है: "गढ़बो नया छत्तीसगढ़". इसके लिए उन्होंने अनेक योजनाएं ज़मीन पर उतारी हैं: राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन योजना, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, पढ़ई तुंहर द्वार, महतारी दुलार योजना आदि. ऋण माफी और न्यूनतम समर्थन मूल्य में 50 प्रतिशत वृद्धि से वह जनाधार बढ़ाने में सफल रहे. वस्तुतः उन्होंने ग्रामीण आर्थिकी पर अधिक ध्यान दिया. प्रदेश में 8000 से अधिक गोठान खुले. जैविक खेती को बढ़ावा दिया गया. सन 2022 में चार रुपये लिटर में गोमूत्र खरीदी की योजना का सूत्रपात हुआ. गोमूत्र के पहले विक्रेता थे स्वयं भूपेश बघेल. पहले ही दिन 2306 लिटर गोमूत्र खरीदी हुई. गोबर और गोमूत्र की शासकीय खरीदी ने ग्रामीणों की माली हालत पर असर डाला. उन्होंने नुक्ताचीं की परवाह नहीं की. वह वैसे भी ''नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी'' जैसी अलीक योजना के वास्तुकार हैं. लाल-फीताशाही से बचने की युक्तियां उनके पास हैं. 22 लाख से अधिक किसानों के खातों में राशि का अंतरण मायने रखता है. इसी क्रम में उन्होंने खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना, पौनी पसारी योजना, धन्वंतरि मेडिकल स्टोर, दाई- दीदी क्लीनिक जैसी योजनाएं लागू की. 17 रुपये प्रति किलो बिक्री की मधुर गुड़ योजना भी सफल रही.

दिमनी विस : बसपा की हुंकार, बड़ा सवाल तोमर का क्या होगा?

पंकज मुकाती
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

मध्यप्रदेश की सियासत में मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा हॉट सीट बनी हुई है. मतदाताओं को उम्मीद है कि इस बार सीएम की कुर्सी पर बैठने वाले का नाम यहीं से होकर जा सकता है. उम्मीद लाजमी भी है, क्योंकि इस सीट से भाजपा ने अपने कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को उम्मीदवार के रूप में उतारा है. चुनावी जिम्मेदारी के रूप में तोमर पहले ही मध्यप्रदेश में चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक की भूमिका में हैं. कांग्रेस ने भी तोमर के सामने तोमर को खड़ा करके मुकाबला रोचक बनाने में कसर नहीं छोड़ी. कांग्रेस से रवीन्द्र सिंह तोमर मैदान में हैं. इसी सीट पर बसपा के प्रत्याशी के ऐलान के बाद से कड़ी टक्कर मानी जा रही है. ऐसे में ब्राह्मण और तोमर क्षत्रिय और जाटव बाहुल्य सीट पर बड़ा सवाल है कि - तोमर का क्या होगा?

सिंधिया का इलाका : ग्वालियर से ठीक सटा जिला होने के कारण केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रभाव यहां दिखता है. वह भी इस इलाके में पूरी ताकत लगा रहे है. मुरैना जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है. वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में ग्वालियर- चंबल के क्षेत्र में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की थी. उस समय इस जीत के श्रेय ज्योतिरादित्य सिंधिया दिया गया था, लेकिन सिंधिया अब भाजपा में हैं. ऐसे में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के यहां से उतरने से इस पूरे क्षेत्र की 34 विधानसभा सीटों का चुनाव बेहद रोचक हो गया है.

तोमर की चुनौती : भले ही यह कांग्रेस की कर्ज माफी का असर हो या सिंधिया का प्रभाव जो भी कहें, लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव 2018 में ग्वालियर-चंबल इलाके की 16 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं. इस बार दल- बदलने से जनता में गुस्सा तो है, लेकिन क्या गुस्सा वोट में बदल पाएगा? उससे भी बड़ा सवाल अब यह है कि नरेंद्र सिंह तोमर का सबकुछ दांव पर लग चुका है. एक कद्दावर मंत्री और खांटी नेता होने के बाद भी वे फिलहाल अपनी विधानसभा में प्रचार तक ही सिमट गए हैं.

जातीय समीकरण

कुल मतदाता	2,30,520
अनुसूचित जाति	48 हजार
तोमर	60 हजार
ब्राह्मण	30 हजार
अन्य जाति	90 हजार

कौन- कौन मैदान में

कांग्रेस	रवीन्द्र सिंह तोमर
भाजपा	नरेन्द्र सिंह तोमर
बसपा	बलबीर सिंह दंडोतिया
सपा	रामनारायण सकवार
आप	सुरेन्द्र सिंह तोमर

- 2018 में कायम किया था कांग्रेस ने दबदबा
- वर्ष 2008 में आखिरी बार भाजपा को यहां से जीत मिली थी.
- वर्ष 2003 तक एससी के लिए सुरक्षित थी.
- वर्ष 1998 से वर्ष 2003 तक इस सीट पर भाजपा का कब्जा रहा है.
- वर्ष 2008 में यह सीट सामान्य हो गई.
- वर्ष 2013 में बसपा के दंडोतिया ने जीत हासिल की थी.
- साल 2018 में इस सीट पर कांग्रेस के गिर्राज दंडोतिया ने जीत हासिल की.
- नवंबर 2020 के उपचुनाव में कांग्रेस के रवींद्र सिंह तोमर ने जीत हासिल की.

मप्र व राजस्थान में मायावती का क्या होगा

शुभम संदेश चुनाव डेस्क

बसपा सुप्रीमो मायावती मध्य प्रदेश में 9 और राजस्थान में आठ चुनावी रैलियां करने जा रही हैं. पहली चुनावी रैली छह नवंबर को मध्य प्रदेश के अशोकनगर में होगी. क्या मायावती इन रैलियों के जरिए विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं? यह देखना दिलचस्प होगा कि इन राज्यों में बसपा का प्रदर्शन पिछले चुनावों में क्या रहा और अभी पार्टी की स्थिति क्या है?

मप्र के सियासी समीकरणों पर नजर: मध्य प्रदेश में 2018 के चुनावों में मायावती ने सिर्फ दो रैलियां की थीं, लेकिन इस बार वो ग्वालियर-चंबल, बुंदेलखंड और विंध्य रिजन में कम से कम 9 रैलियां करने जा रही हैं. बसपा को शुरुआती चुनावी सफलताएं 90 के दशक में अविभाजित मध्य प्रदेश में मिली थीं. उस वक्त बसपा 10 प्रतिशत तक वोट हासिल कर रही थी, लेकिन बसपा धीरे-धीरे कमजोर हो गई और अब 4-5 प्रतिशत पर आ गई है. यहां बसपा का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2008 में था, जब 7 सीटों पर जीत मिली थी. 2013 में चार सीट पर जीत मिली, तो 2018 के चुनावों में पार्टी सिर्फ दो सीटों पर सिमट गई. यानी राज्य में हर चुनाव के साथ बसपा का प्रदर्शन खराब होता जा रहा है.

पार्टी इस बार गोंगपा (गोंडवाना गणतंत्र पार्टी) के साथ मैदान में उतरी है. बसपा ने करीब 178 और गोंगपा ने 52 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं.मायावती 6 नवंबर को निवाड़ी और अशोकनगर, 7 नवंबर को छतरपुर, सागर, दमोह, 8 नवंबर को सतना व रीवा, 10 नवंबर को दतिया-सेंवड़ा और 14 नवंबर को भिंड व मुरैना में रैली करेंगी. एमपी में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 47 और अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 35 सीटें आरक्षित हैं.

राजस्थान : 30 सीटों पर था असर

राजस्थान में दलितों में बसपा का प्रभाव बना हुआ है. पार्टी हर बार यहां 5-6 सीट जीतती रही है. 2018 के चुनावों में बसपा ने भाजपा को अच्छा-खासा नुकसान पहुंचाया था. उस चुनाव में 30 सीटें ऐसी थीं, जहां बसपा को जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिला था. बसपा ने इन सीटों पर हार-जीत का समीकरण तय किया. इन 30 में से 17 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं. 10 बीजेपी को मिली और 3 अन्य के खाते में गईं. यदि इन 17 सीटों पर बसपा नहीं होती, तो बीजेपी की जीत संभव थी और उस स्थिति में पार्टी को राज्य में 73 की जगह 90 सीटें मिलतीं और कांग्रेस को 83. पिछले चुनावों में बसपा के 6 उम्मीदवार जीते थे, लेकिन बाद में ये सभी कांग्रेस में शामिल हो गए. बसपा ने तब 200 में से 190 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4.03% वोट शेयर हासिल किया.

छत्तीसगढ़: छग में भी दांव खेला

छत्तीसगढ़ में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ रही, जबकि इसकी सहयोगी गोंगपा 37 सीटों पर. गोंडवाना पार्टी की आदिवासियों में पकड़ मानी जाती है. छत्तीसगढ़ में दलितों की आबादी 15 फीसदी है, जबकि आदिवासियों की हिस्सेदारी 32 फीसदी है. पिछली बार छत्तीसगढ़ में बसपा ने जिन 35 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 2 पर जीत हासिल की थी और उसका वोट शेयर 3.87 प्रतिशत था. गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की आदिवासियों के बीच पकड़ है और बसपा दलितों के बीच जनाधार वाली पार्टी है. हालांकि, जानकार कहते हैं कि यहां आदिवासी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही बंटते रहे हैं. जिस तरह से कांग्रेस ने पिछली बार आदिवासी इलाकों की 75% से ज्यादा सीटें जीती थीं, इस बार स्थिति बदल सकती है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

गृह विज्ञान की पढ़ाई कर विद्यार्थी संवार सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर। रजनीश प्रसाद

गृह विज्ञान शिक्षा की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत पाक शास्त्र, पोषण, गृह अर्थशास्त्र, उपभोक्ता विज्ञान, बच्चों की परवरिश, मानव विकास, आंतरिक सज्जा, वस्त्र एवं परिधान, गृह-निर्माण आदि का अध्ययन किया जाता है. यह मानव विकास और विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विभागों से जुड़े विज्ञान के बारे में एक अध्ययन है. गृह विज्ञान भारत में चयनात्मक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक ग्रेजुएशन, मास्टर्स, डिप्लोमा और प्रमाणन कोर्स है. होम साइंस के अंतर्गत पाक शास्त्र, पोषण, गृह अर्थशास्त्र, उपभोक्ता विज्ञान, बच्चों की परवरिश, मानव विकास, आंतरिक सज्जा, वस्त्र एवं परिधान, गृह-निर्माण आदि का अध्ययन किया जाता है. होम साइंस एक घर का विज्ञान है और इसमें सभी चीजें शामिल हैं, जो व्यक्ति, घर, परिवार के सदस्यों और संसाधनों की चिंता करती हैं. यह बेहतर जीवन यापन के लिए शिक्षा है और इस शिक्षा का मूल परिवार पारिस्थितिकी तंत्र है. यह परिवार और उसके प्राकृतिक और मानव निर्मित वातावरण के बीच पारस्परिक संबंधों से भी संबंधित है. इसका उद्देश्य आपके संसाधनों के कुशल और वैज्ञानिक उपयोग के माध्यम से व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करना है. यह व्यक्ति को घर को सुंदर बनाने में शामिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का सारा ज्ञान देता है. गृह विज्ञान मानव पर्यावरण, परिवार पोषण, संसाधनों के प्रबंधन और बाल विकास में सुधार के लिए विभिन्न विज्ञानों और मानविकी के अनुप्रयोग को एकीकृत करता है.

होम साइंस का महत्व

व्यक्तिगत जीवन में महत्व - इसमें पढ़ाए जाने वाले सभी विषय व्यक्ति विशेष के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है

प्रवेश परीक्षाएं

- बीएमआईयूएलईई
- एयूईई
- बीएचयू पीएईई
- बीयूईई
- जीएमईई
- सीजीसी एमईई
- आईआईएफएईई
- एमजीयूईई

कोर्स का लाभ : जीवन निर्वहन में आसानी होगी

- पारिवारिक जीवन के लिए महत्व- यह विषय व्यक्तिगत जीवन के लिए ही उपयोगी नहीं हैं बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले विषय गृहप्रबंध, वस्त्रविज्ञान, शरीर विज्ञान, पूरे परिवार के लिए महत्वपूर्ण है.
- आर्थिक महत्व- इस विषय द्वारा कोई भी व्यक्ति वैतनिक यार् स्वरोजगार स्थापित करके अपना जीवनयापन करके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सकता है.
- बदलती स्थितियों के अनुकूल पारिवारिक जीवन को बनाने- यह एक ऐसा विषय है जो हम को बदलते वक्त की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी प्रशिक्षित करता है.

होम साइंस कोर्सेज की सूची

- डिप्लोमाइन होम साइंस
- बीएससी इन होम साइंस
- बीएड इन होम इकोनॉमिक्स
- एमएससी इन होम साइंस
- एमए इन होम इकोनॉमिक्स
- एमएससी फूड साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी
- एमएससी इन न्यूट्रीशन साइंस
- एमएससी इन न्यूट्रीशन एंड फूडसाइंस
- मास्टर ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- पीजीडी इन होम इकोनॉमिक्स
- पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन एजुकेशन इन होम इकोनॉमिक्स
- पीएचडी इन होम इकोनॉमिक्स

भारतीय विश्वविद्यालय

- लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- जेडी बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ होम साइंस, कोलकाता
- एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई
- गृह विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय
- गवर्नमेंट होम साइंस कॉलेज, पंजाब यूनिवर्सिटी
- वनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान
- गृह विज्ञान महाविद्यालय, निर्मला निकेतन, मुंबई

गृह विज्ञान में शीर्ष कॅरियर

- सहायक आहार विशेषज्ञ : एक सहायक आहार विशेषज्ञ का काम यह सुनिश्चित करना है कि मरीज की डायट शीट बनी रहे, मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की जाए और मरीजों की जो भी समस्याएं हैं, उनका ध्यान रखा जाए.
- स्वास्थ्य शिक्षक : स्वास्थ्य शिक्षक आम लोगों या अपने ग्राहकों को खुद को स्वस्थ कैसे रखें, स्वयं की देखभाल के लिए क्या उपाय करने की आवश्यकता है, और घर-आधारित नियुक्तियों को विनियमित करने आदि के बारे में शिक्षित करने के लिए जिम्मेदार हैं.
- मेडिकल कोडर : मेडिकल कोडर मरीजों के इतिहास को बनाए रखने और उसकी देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं. जो भी निदान और उपाय हासिल किए गए हैं, उन्हें उन्हें कोड निर्दिष्ट करना होगा. ये कोडर्स अस्पतालों, डॉक्टरों, क्लीनिकों आदि के लिए स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं.
- कार्यकारी प्रमुख : कार्यकारी प्रमुख के पास रसोई और पेंट्री की जिम्मेदारी होती है क्योंकि उसे यह सुनिश्चित करना होता है कि मेनू में पौष्टिक व्यंजन जोड़े जाएं और रसोई से संबंधित सभी प्रबंधकीय व्यंजन बनाए जाएं.
- उत्पाद कार्यकारी : ये उत्पाद अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि प्रगतिशील नीतियों को बनाए रखा जाए, आयोजनों का संचालन किया जाए और मूल्यवान सहायता प्रदान करने में मदद की जाए, और जीवन कौशल अनुसंधान के लिए तकनीकी उपकरण भी प्रदान किए जाएं.
- हेल्थकेयर काउंसलर : जैसा कि नाम से पता चलता है, हेल्थकेयर काउंसलर मरीज के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है, टेलीफोन पर बातचीत बनाए रखता है, मरीजों के साथ संबंध बनाता है और डेटा की सटीकता बनाए रखता है, और मरीजों के साथ बैठकें भी निर्धारित करता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)